हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 12 अप्रैल 2026

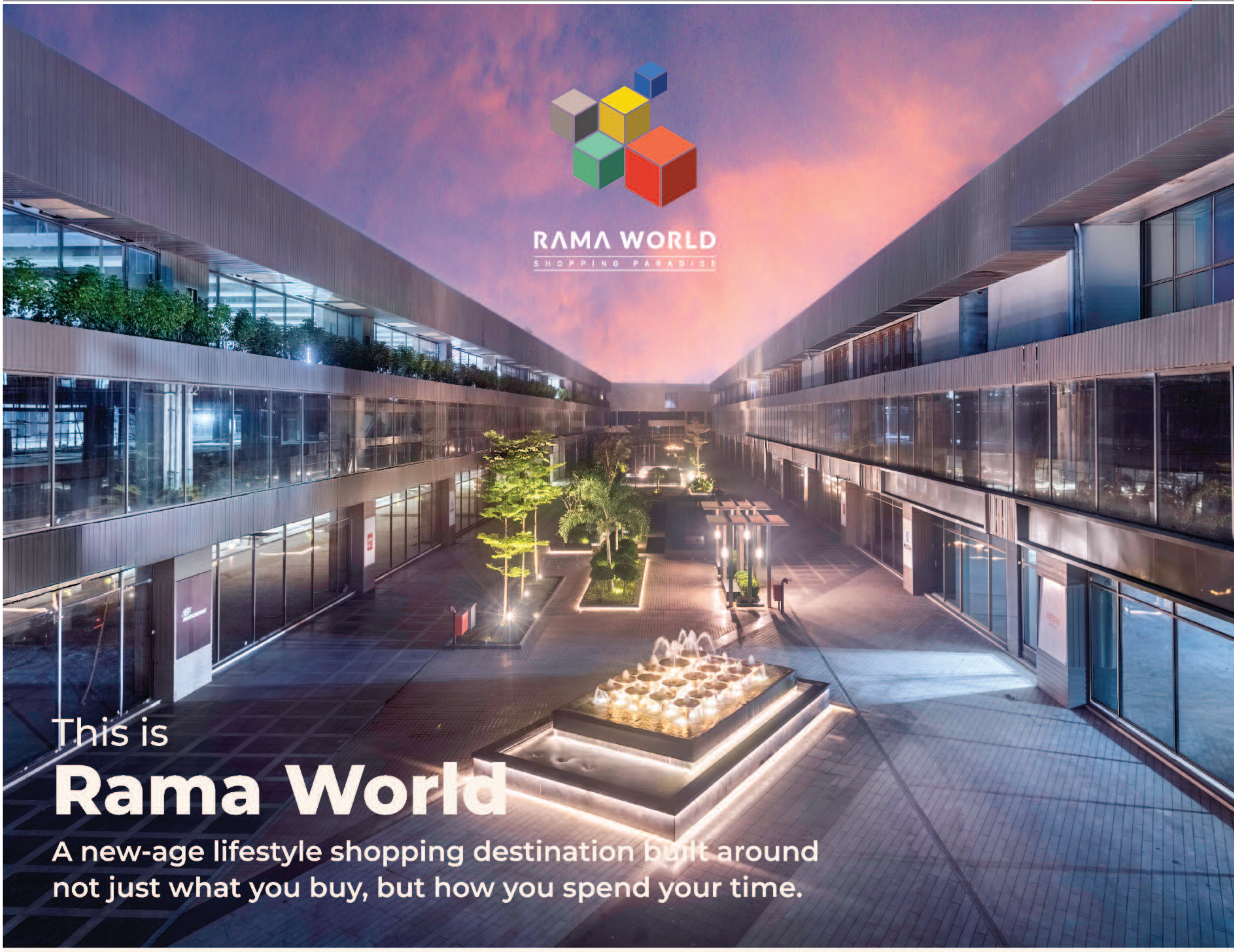

Now Open.

the Neighbourhood

CHOWPATTY

A pure-**veg food** lane crafted for your daily rituals from comforting chaat to indulgent asian bites and refreshing mocktails. **Open from 8 AM to 11 PM.**

RASVI
THE ART OF TRUE INDULGENCE

The most refined dessert destination, offering exclusive **sweets,** artisanal **chocolates,** curated gifting, and an elegant café experience.

RAMA GROUP
Building a Better Tomorrow

9039042500/ 9039042501

Rama World, Vidhan Sabha Rd, Near MGM Eye Hospital,
Ama Seoni, Chhattisgarh - 492014

PCGRERA301220001173
https://rera.cgstate.gov.in/

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

आनंद का सच्चा भाव®
18 कैरेट रेट* (75.00%) = ₹112910/-
22 कैरेट रेट* (91.60%) = ₹137900/-
24 कैरेट रेट* (99.99%) = ₹150531/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
*Conditions apply
anand® Jewels
Pandri, Raipur

देश में पहली बार...

10 किलो का ट्यूमर, 15 साल बाद आंबेडकर अस्पताल में मिली मुक्ति

सबसे वजनी लिपोमा सर्जरी का देश में पहला केस, अब तक 8 किलो का हुआ था निष्कासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि खास

झोलाछाप डाक्टरों के चक्कर में पीठ पर साढ़े 10 किलो का ट्यूमर लेकर घूम रहे मरीज को 15 साल बाद इससे आंबेडकर अस्पताल के जनरल सर्जरी विभाग में मुक्ति मिली। मरीज इस ट्यूमर की वजह से शारीरिक के साथ सामाजिक बहिष्कार के कारण मानसिक पीड़ा भी भोग रहा था। जांजगीर-चांपा में रहने वाले इस 45 वर्षीय मरीज के इस ट्यूमर को देश में सबसे बड़ा माना जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि मेडिकल लिटरेचर में अब तक 8 किलो वजनी ट्यूमर निकालने का उल्लेख है।

ट्यूमर की वजह से असामान्य हो चुके जीवन की पीड़ा से त्रस्त मरीज अपनी समस्या लेकर इलाज के लिए आंबेडकर अस्पताल पहुंचा था। चिकित्सकों को मरीज ने बताया था कि 15 साल पहले गले के पिछले हिस्से में गांठ बनी ▶▶|शेष पेज 5 पर

उठना-बैठना तक था मुश्किल

पंद्रह साल में उम्र की तरह बढ़कर साढ़े 10 किलो वजनी इस ट्यूमर की वजह से उसकी सामान्य जीवनचर्या भी प्रभावित होने लगी थी। धीरे-धीरे स्थिति ऐसी हो गई कि मरीज को चलने-फिरने, बैठने-उठने, सोने के साथ दैनिक जीवन के सामान्य कार्यों तक में अत्यधिक कठिनाई होने लगी थी। वह केवल शारीरिक कष्ट ही नहीं, बल्कि इतने बड़े ट्यूमर के कारण उसे मानसिक पीड़ा, सामाजिक असहजता और आत्मविश्वास में कमी जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ रहा था।

अमेरिका-ईरान समझौते पर टिकी दुनिया की नजर

- इस्लामाबाद में वार्ता का पहला दौर खत्म, होर्मुज-लेबनान पर फंसा पेंच
- खामोश उड़ान में गूंजीं 168 मासूमों की यादें, खाली सीटों ने बयां किया दर्द

तकरार बरकरार, समझौते का इंतजार

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता का पहला दौर पूरा हो गया। यह बातचीत करीब चार घंटे तक चली। इस बैठक की मेजबानी पाकिस्तान ने की और इसमें तीनों देश शामिल थे। होर्मुज का मुद्दा दोनों देशों के बीच सबसे बड़ा मतभेद बना हुआ है। इसके साथ ही लेबनान पर पेंच फंसा हुआ है।

माहौल थोड़ा तनावपूर्णः बातचीत के दौरान माहौल थोड़ा तनावपूर्ण रहा। ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में अमेरिकी जहाजों पर हमले की धमकी दी और साथ ही अपने फ्रीज़ एसेट्स खोलने की मांग दोहराई। दूसरी तरफ, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कहा कि होर्मुज एक अंतरराष्ट्रीय रास्ता है और वहां जहाजों की आवाजाही को रोका नहीं जा सकता।

एजेंसी ▶▶| इस्लामाबाद

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व में एक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने पाकिस्तान में शीर्ष ईरानी वार्ताकारों के साथ आमने-सामने की वार्ता शुरू की। शनिवार को शुरू हुई दोनों देशों की बातचीत देर रात तक जारी रही। शुरुआत राजनीतिक स्तर से हुई, लेकिन जल्दी ही यह बातचीत तकनीकी स्तर तक पहुंच गई, जहां दोनों देशों के विशेषज्ञों ने अलग-अलग मुद्दों पर गहराई से चर्चा की। करीब चार घंटे तक चली आमने-सामने बातचीत के बाद भी साफ हो गया कि रास्ता आसान नहीं है। बातचीत खत्म होने के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे को लिखित प्रस्ताव सौंपे, जो इस बात का संकेत है कि मामला अभी लंबा चलने वाला है। पाकिस्तान की मध्यस्थता से हो रही यह वार्ता 1979 में ईरान में हुई इस्लामी क्रांति के बाद दोनों पक्षों के बीच पहली प्रत्यक्ष, उच्चस्तरीय बातचीत के तौर पर देखी जा रही है।

ईरान की शर्तें

- होर्मुज जलडमरूमध्य पर पूरा नियंत्रण, ईरान ने इस रणनीतिक जलमार्ग पर अपनी संप्रभुता की मांग की है
- युद्ध का पूरा मुआवजा, हमले के लिए जिम्मेदार पक्ष से नुकसान की भरपाई की मांग
- जब्त संपत्तियों की बिना शर्त रिहाई, विदेशी बैंकों में फंसी अरबों डॉलर की रकम लौटाने की मांग
- पूरे पश्चिम एशिया में स्थायी युद्धविराम, लेबनान सहित पूरे क्षेत्र में शांति की शर्त

इजरायल ने हिजबुल्ला के साथ युद्धविराम वार्ता से किया इंकार

इस्राइल और लेबनान के बीच आने वाले दिनों में बातचीत पर सहमति बनी है। हालांकि इस्राइल ने हिजबुल्ला के साथ युद्धविराम वार्ता से इंकार कर दिया है। दोनों देशों के बीच तनाव के बावजूद बातचीत की पहल को सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। लेकिन जमीनी हालात अब भी तनावपूर्ण बने हुए हैं।

लेबनान और इजरायल में बढ़ा तनाव

हिजबुल्ला ने दावा किया है कि उसने दक्षिणी लेबनान में इजरायली सैनिकों को निशाना बनाया। समूह के अनुसार,

शनिवार तड़के करीब 1:40 बजे (स्थानीय समय) उसने टायर क्षेत्र के शामा कस्बे में एक घर में मौजूद इजरायली सैनिकों पर हमला किया। इसके अलावा, हिजबुल्ला ने यह भी कहा कि उसने मध्यरात्रि के तुरंत बाद इजरायल के किर्यात शमोना, मेटुला और मिसगाव आम जैसे इलाकों पर रॉकेटों की बौछार की। इजरायली सेना ने बताया है कि लेबनान की ओर से एक ड्रोन घुसपैठ का पता चला है, जिसके बाद अरब अल-अरामशे और पश्चिमी गलील के कई शहरों में सायरन बजाए गए।

ऐसी श्रद्धांजलि

दुनिया को दिया संदेश

ईरानी विमान में तस्वीरों में दिख रही मासूम मुस्कानें, स्कूल बैग और फूल इस बात का प्रतीक हैं कि ये बच्चे भी आम जिंदगी जी रहे थे, सपने देख रहे थे। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की घटनाएं सिर्फ राजनीतिक मुद्दा नहीं होतीं, बल्कि इंसानियत से जुड़ा सवाल खड़ा करती हैं। जब स्कूल जैसी सुरक्षित जगह भी निशाने पर आ जाए, तो यह पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन जाता है। यह विमान एक चलता-फिरता स्मारक बन गया, जो हर किसी से एक ही सवाल पूछ रहा है कि आखिर कब तक मासूम जिंदगियां इस तरह खत्म होती रहेंगी। इस घटना ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि अगर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो सकती।

भारत में संख्या बढ़कर 57 हुई

कूनो में आई खुशखबरी, चार शावकों की मां बनी 'गामिनी'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| श्योपुर

मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में कूनो नेशनल पार्क (केएनपी) में शनिवार को भारतीय मूल की एक मादा चीता 'गामिनी' ने जंगल में चार शावकों को जन्म दिया। इसके साथ ही देश में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 57 हो गई है। यह कूनो के जंगल में दर्ज किसी चीते का पहला जन्म है। सितंबर 2022 में शुरू हुए अंतर-महाद्वीपीय चीता पुनर्वास कार्यक्रम के बाद एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

भारतीय मूल की मादा चीता

खास बात यह है कि 'गामिनी' भारतीय मूल की मादा चीता है, जिससे यह उपलब्धि और भी ऐतिहासिक बन जाती है। वन विभाग के अनुसार गामिनी पिछले एक साल से अधिक समय से खुले जंगल में रह रही थी और उसने पूरी तरह प्राकृतिक परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढाल लिया था।

स्टोर में ही स्टॉक नहीं

रोटा वायरस के वैक्सीन की सप्लाई बंद, बच्चों पर खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

नवजात बच्चों को संक्रमण से बचाने के लिए लगाए जाने वाला रोटा वायरस वैक्सीन शार्टेज

बना हुआ है, पिछले कई महीनों से सप्लाई चैन टूटी हुई है, जिसके चलते बिलासपुर सहित प्रदेश के कई जिलों में स्टॉक नहीं है। ऐसे में बच्चों को डायरिया, उल्टी और गेस्ट्रोएंटेराइटिस से बचाने की मुहिम कारगर साबित नहीं हो पा रही है। वायरस रोटा से नवजात बच्चों को होने वाली समस्या से बचाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

स्टेट से बंद है सप्लाई

स्टेट से सप्लाई नहीं होने के कारण रोटा वायरस का वैक्सीनेशन नहीं हो पा रहा है, डिमांड उनके पास होगी। केन्द्र से ही वैक्सीनेशन की सप्लाई की जाती है।

-डॉ शुभा गरेवाल
सीएमएचओ,
स्वास्थ्य विभाग

शराब के नशे में थे पिता-पुत्र

बेटे ने फुलकी नहीं खिलाई तो पिता ने किया हमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

फुलकी दुकान कर रहे बेटे ने फुलकी नहीं खिलाया तो पिता इस कदर नाराज हुआ की अपने पास रखे धनुष से तीर चलाकर बेटे पर जानलेवा हमला कर दिया। तीर लगने से गंभीर हुए पुत्र को रायपुर रेफर किया गया है। बताया जा रहा है पिता-पुत्र दोनों शराब के नशे में धुत थे। दरिमा थाना अंतर्गत ग्राम बड़ा दमाली निवासी राजेश (28 वर्ष) गांव में ही फुलकी की दुकान लगाता है।

घायल बेटा रायपुर रेफर

डायल 112 की टीम मौके पर पहुंच चादर के सहारे घायल को किसी तरह वाहन तक लेकर गए और तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने घायल की हालत नाजुक होने पर प्राथमिक उपचार के पश्चात रायपुर रेफर कर दिया है।

उतई थाना क्षेत्र की है घटना, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

दो घंटे तक बोरे के भीतर तड़पती रही मासूम जिसने किया अनाचार, उसकी बेटी 13 साल की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

हरिभूमि फॉलोअप

मासूम का अपहरण कर अनाचार करने वाला राक्षस पुलिस की गिरफ्त में है। आरोपी ने मासूम के साथ अनाचार कर उसे बोरे में बंद कर उसे खंडहर के पास फेंक दिया था। पांच साल की मासूम दो घंटे तक तड़पती रही। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने धारा 137(2),

खंडहर में मासूम बच्ची को बोरे में बंद कर फेका, अनाचार का प्रयास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

...ांच साल की मासूम बच्ची के बोरे ...में बंद मिलने से सनसनी फैल गई। ...मासूम के साथ अनाचार का प्रयास ...किया गया है। मामले में पुलिस ने ...संदिग्ध को हिरासत में लेकर ...पूछताछ कर रही है। उतई पुलिस ...ताया कि उतई ... पारा में ... के पास खुली झाड़ियों में ...अचेत अवस्था में बोरे में बंद ...मिली। पैर बाहर से दिख रहा था। ...ग्रामीणों ने अचानक बोरी को हिलते ...डुलते देखने पर पुलिस को सूचना ...दी। बोरी खोलकर देखने पर बच्ची ...का मुंह तकिया कवर से बंधा मिला। ...बच्ची काफी डरी सहमी हुई थी। तुरंत

युवकों ने खंडहर के पास एक बोरा पड़ा देखा। संदेह होने पर जब बोरा खोला गया तो भीतर बच्ची मिली। उसका मुंह तकिया कवर से बंधा हुआ था। चिकित्सकों के मुताबिक बच्ची काफी घबराई हुई है। उसका मेडिकल परीक्षण किया जा रहा है, जिसके बाद ही कारण स्पष्ट हो पाएगा। घटना की खबर लगते ही

65(2), 238, 109, 140(3) बीएनएस, धारा 4, 6 पॉक्सो एक्ट के तहत जुर्म दर्ज किया है।

एएसपी मणिशंकर चंद्रा ने बताया कि घटना उतई थाना क्षेत्र की है, जहां शुक्रवार को पांच वर्षीय मासूम घर के पास दुकान जाने के लिए निकली थी। लेकिन देर तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने मासूम को खोजना शुरू किया। जानकारी नहीं मिलने पर अपहरण की शिकायत उतई पुलिस से किया। पुलिस के दबाव में आकर मासूम को खंडहर के पास बोरे में बंद मासूम को फेंक कर फरार हो गया था। पुलिस व ▶▶|शेष पेज 5 पर

खंडहर के पास बंद बोरी में मिली बच्ची

शुक्रवार की दोपहर गांव के दो युवकों की नजर खंडहर के पास पड़े एक बोरे पर नजर गई। उन्होंने देखा कि बोरा थोड़ा हिल रहा है। जब उन्होंने पास जाकर देखा तो बोरे के भीतर मासूम बच्ची अचेत अवस्था में पड़ी मिली। मासूम का मुंह तकिया कवर से बेरहमी से बांधा गया था, ताकि वह चिल्ला न सके। जब बच्ची को बाहर निकाला गया, तो वह पसीने से ▶▶|शेष पेज 5 पर

घर से चाकलेट लेने पास की दुकान गई थी

मासूम बच्चीं सुबह स्कूल से लौटी ही थी। इसके बाद वह पास की ही एक दुकान पर चॉकलेट खरीदने के लिए घर से निकली थी। तभी आरोपी धनेश्वर साहू मौजूद था। वह बच्ची को पहले से जानता था, आरोपी ने बच्ची को चॉकलेट दिलाने के नाम पर बहला-फुसलाकर अपने घर लेकर गया। जहां मौका पाते ही मासूम के साथ अनाचार किया। जब बच्ची काफी देर तक घर नहीं लौटी, तो परिजनों ने आसपास तलाश शुरू की। धीरे-धीरे पूरा गांव बच्ची को ढूंढने में जुट गया।

बंगाल

पश्चिम बंगाल चुनाव : 23 व 29 अप्रैल को होना है मतदान

सत्तारूढ़ टीएमसी को भाजपा से मिल रही है टक्कर

एआईएमआईएम और हुमायूं कबीर का गठबंधन टूटने से 43 सीटों पर बदलेगा खेल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए मतदान से चंद दिन पहले एआइएमआइएम का हुमायूं कबीर की पार्टी (आम जनता उन्नयन पार्टी) गठबंधन से अलग होने से एक बार फिर सियासी समीकरण तेजी से बदलने के आसार बढ़ने लगे हैं।

खास तौर पर मुर्शिदाबाद, मालदा और दिनाजपुर समेत तीन जिलों की 43 विधानसभा सीटों पर इसका असर पड़ सकता है। पश्चिम बंगाल की 294 में पिछले चुनाव में सत्तासीन तृणमूल कांग्रेस पार्टी को पिछले चुनाव में 213 सीटों पर जीत मिली थी, जबकि भारतीय जनता पार्टी को 77 सीट पर जीत मिली थी। इस विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ पहले सत्ता विरोधी लहर रही, लेकिन विशेष पुनरीक्षण अभियान के दौरान बड़ी संख्या में वास्तविक मतदाताओं के नाम काटे जाने से उनमें गहरा रोष है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, मुर्शिदाबाद की 22, उत्तर दिनाजपुर की 9 और मालदा की 12 सीट समेत कुल 43 सीटें मुसलिम बाहुल्य हैं। उन्होंने कहा, हुमायूं कबीर के गठबंधन से एआइएमआइएम के अलग होने से अब मतदाताओं का रुख तेजी से बदलने की आशंका जताई जा रही है। संभावना बढ़ गई है। अल्पसंख्यक मतदाता अब उस पार्टी को अपना समर्थन दे सकते हैं, जिनके जीत की उम्मीद अधिक है।

नैतिकता बनेगी मुद्दा

कई परिवार के कुछ सदस्यों के नाम हैं तो कुछ के नहीं, ऐसे में उनका रुख बदलने की आशंका बढ़ती नजर आ रही है। अब सत्ता विरोधी लहर का रुख भी तेजी से बदलता दिख रहा है। राजनीतिक मामलों के जानकार उदयन बंदोपाध्याय ने कहा, चुनाव में जीत-हार से कहीं अधिक नैतिकता मायने रखती हैं। नैतिक मूल्यों के लिहाज से हुमायूं कबीर विवाद को प्रदेश की जनता भद्दे मजाक के तौर पर देख रही है और इसे कभी स्वीकार नहीं करेगी।

भाजपा ने जीती थी 8 सीटे

पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को तीनों जिलों में आठ सीट पर जीत मिली थी, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने 35 सीट पर जीत दर्ज की थी। उन्होंने कहा, हूमायूं कबीर विवाद के बाद एआईएमआईएम के अलग लड़ने के निर्णय से मतदाताओं का रुख भी तेजी से बदलने की संभावना बढ़ गई है। इसका कितना फायदा किस दल को मिलेगा, यह मतदाताओं को ही पता है। मतुआ समेत सभी वर्ग के मतदाताओं के नाम कटने से वास्तविक मतदाता खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं।

तमिलनाडु

एमजीआर हमारे लिए भगवान, विजय से न करें तुलना : पलानीस्वामी

चेन्नई। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) प्रमुख ईके पलानीस्वामी ने जनता से अपील की कि अभिनेता से नेता बने विजय की तुलना उनकी पार्टी के संस्थापक एमजी रामचंद्रन (एमजीआर) से न की जाए। उन्होंने कहा कि एमजीआर अपने जीवनकाल में जनता की ही सेवा करते रहे और अपनी संपत्ति तक एक मूक-बधिर गृह को दान कर दी थी। इसलिए उनकी किसी से तुलना नहीं की जा सकती। पलानीस्वामी ने उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दूसरों की आलोचना करते समय 'गरिमा और अनुशासन' जरूरी है। उन्होंने दावा किया कि वह एमजीआर और जे जयललिता के राजनीतिक सिद्धांतों के विद्यालय से आते हैं। पलानीस्वामी ने तिरुवल्लूर में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, एमजीआर हमारे लिए भगवान हैं। उनकी तुलना विजय से नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा, एमजीआर ने फिल्मों से कमाए पैसे जनता की भलाई में लगाए और जीवनभर लोगों के लिए काम किया। उन्होंने मृत्यु के बाद भी अपनी संपत्ति मूक-बधिर गृह को दान कर दी थी। ऐसे उत्कृष्ट व्यक्ति हमारे नेता हैं। पलानीस्वामी की इस बात जनता ने जोरदार तालियों के साथ उनका समर्थन किया। उन्होंने आगे पूछा, क्या विजय ऐसे (नेता) हैं? जहां तक मेरा या एआईएडीएमके का सवाल है,लोकतंत्र में कोई भी राजनीति में आ सकता है। यह उनका अधिकार है। लेकिन राजनीति में आने के बाद उन्हें उन लोगों को निराश नहीं करना चाहिए, जो उन पर निर्भर हैं।

बंगाल में यूसीसी लागू करेगी भाजपा : मोदी

जंगीपुर (प. बंगाल)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में समान नागरिक संहिता लागू (यूसीसी) करने का शनिवार को वादा किया, ताकि 'तुष्टीकरण की राजनीति' को समाप्त किया जा सके। उन्होंने साथ ही कहा कि भाजपा बंगालियों को राज्य में अल्पसंख्यक नहीं बनने देगी। मोदी ने मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले के जंगीपुर में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा शुक्रवार को जारी किया गया भाजपा का चुनावी घोषणापत्र पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के 'महाजंगलराज' को समाप्त करने का एक खाका है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'देश की सुरक्षा हमारे लिए सर्वोपरि है। भाजपा पश्चिम बंगाल में तुष्टीकरण की राजनीति को हमेशा के लिए समाप्त करने के लिए यूसीसी लागू करने का संकल्प लेती है।' उन्होंने यह टिप्पणी राज्य भाजपा द्वारा अपने चुनावी घोषणापत्र में सत्ता में आने पर छह महीने के भीतर यूसीसी को लागू करने का वादा करने के एक दिन बाद की है। तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि राज्य के लोग यह नहीं भूले हैं कि कैसे 'राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी आरजी कर बलात्कार और हत्याकांड के दोषियों के साथ खड़ी रही'। मोदी ने तृणमूल कांग्रेस पर 'मां-माटी-मानुष' के अपने पुराने नारे को त्यागने और इसके बजाय 'घुसपैठियों के समर्थन' पर निर्भर रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस 'मां-माटी-मानुष' के नारे के साथ सत्ता में आई थी।

तृणमूल के 'सिंडिकेट राज' को खत्म करेगी भाजपा : शाह

ओंडा/छतना (पश्चिम बंगाल)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि यदि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पश्चिम बंगाल में सत्ता में आती है, तो वह तृणमूल कांग्रेस के 'सिंडिकेट राज' को समाप्त कर देगी। शाह ने यह भी कहा कि राज्य में महिलाओं पर अत्याचार करने वालों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा। बांकुड़ा जिले के छतना में भाजपा की रैली को संबोधित करते हुए शाह ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहानुभूति बटोरने के लिए खुद को पीड़ित के रूप में पेश कर रही हैं। शाह ने कहा, 'ममता बनर्जी 'पीड़ित कार्ड' खेलती हैं। कभी-कभी वह सहानुभूति पाने के लिए अपने पैर या सिर पर पट्टी बांध लेती हैं। ममता दीदी, इस चुनाव में आप चाहे अपने पैर, सिर या हाथ पर पट्टी बांध लें, बंगाल की जनता आपको वोट नहीं देगी।' वर्ष 2021 में बंगाल में आठ चरणों में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान, बनर्जी ने पार्टी उम्मीदवारों के लिए प्रचार करते समय लगी चोट के कारण पैर में प्लास्टर बांधकर और व्हीलचेयर पर बैठकर चुनाव प्रचार किया था। भाजपा नेता ने यह भी आरोप लगाया कि बंगाल में 'गुंडे और घुसपैठिए राज करते हैं।' पश्चिम बंगाल में 294 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को होंगे, जबकि मतगणना चार मई को होगी।

भाजपा ने मेरी उम्मीदवारी रद्द कराने की कोशिश की : ममता

हरिभूमि न्यूज. नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उनके खिलाफ दो झूठे मामले दर्ज कराने की कोशिश कर निर्वाचन आयोग की मदद से दक्षिण कोलकाता की भवानीपुर सीट से उनकी उम्मीदवारी रद्द कराने का प्रयास किया लेकिन तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और आम लोगों ने उसकी यह कोशिश विफल कर दी। बनर्जी ने पश्चिम मेदिनीपुर जिले के केशियारी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भाजपा पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से 90 लाख मतदाताओं के नाम 'जबरन' हटवाने का आरोप भी लगाया। बनर्जी के सामने अपनी भवानीपुर सीट बरकरार रखने के लिए विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी की चुनौती है। बनर्जी ने अधिक ब्योरा दिए बिना कहा, 'भाजपा ने निर्वाचन आयोग की मदद से मेरे खिलाफ झूठे मामले दर्ज कराने की कोशिश कर भवानीपुर से मेरी उम्मीदवारी रद्द कराने का प्रयास किया लेकिन हमने उसकी साजिश नाकाम कर दी।' उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि उसमें 'लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव लड़ने और जीतने का साहस नहीं है, इसलिए वह फर्जी तरीकों से जबरन वोट कब्जाने की साजिश रच रही है।' निर्वाचन आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी को 'भाजपा की मुख्य वॉशिंग मशीन' बताते हुए बनर्जी ने कहा, 'इसीलिए वे मतदाताओं के नाम हटा रहे हैं।

क्या शेख हसीना बांग्लादेशी घुसपैठिया हैं? अभिषेक का शाह से सवाल

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बीच सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में चुनावी भाषणों में बार-बार घुसपैठ का मुद्दा उठाने के लिए शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा और उनसे यह स्पष्ट करने को कहा कि क्या बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को घुसपैठिया कहा जाना चाहिए? टीएमसी नेता और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने पहलगाम आतंकी हमले और दिल्ली में हुए धमाके से जुड़े आतंकी मामले का जिक्र करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा उठाया। अभिषेक ने अमित शाह से यह स्पष्ट करने की मांग की कि क्या शेख हसीना को घुसपैठिया कहा जाना चाहिए, जिन्हें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने शरण दी है।

कन्याकुमारी में विजय आज दिखाएंगे ताकत

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार की राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी बीच टीवीके प्रमुख विजय रविवार को कन्याकुमारी जिले में एक बड़ी जनसभा को संबोधित करेंगे।

यह रैली उनके पूरे राज्य में चल रहे चुनाव प्रचार अभियान का अहम हिस्सा मानी जा रही है। इस दौरान टीवीके प्रमुख विजय छह विधानसभा सीटों (कन्याकुमारी, नागरकोइल, कोलाचेल, विलावनकोडे, किलियूर और पद्मनाभपुरम) के उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार करेंगे। इस दौरे का मुख्य आकर्षण कन्याकुमारी के पास स्थित विवेकानंद कॉलेज मैदान में होने वाली विशाल जनसभा होगी, जहां बड़ी संख्या में समर्थकों के पहुंचने की उम्मीद है। पार्टी की ओर से पहले इस रैली के लिए दोपहर दो बजे से रात 10 बजे तक की अनुमति मांगी गई थी, लेकिन प्रशासन ने कुछ शर्तों के साथ केवल दोपहर दो बजे से शाम आठ बजे तक यानी छह घंटे के लिए ही अनुमति दी है। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने 23 अप्रैल को होने वाले चुनाव से पहले प्रचार की समय सीमा 21 अप्रैल की शाम तक तय की है। ऐसे में सभी राजनीतिक दल अंतिम चरण में पूरी ताकत झोंक रहे हैं।

अप्रैल में बर्फबारी, सैलानियों का लगा मनाली में मेला...

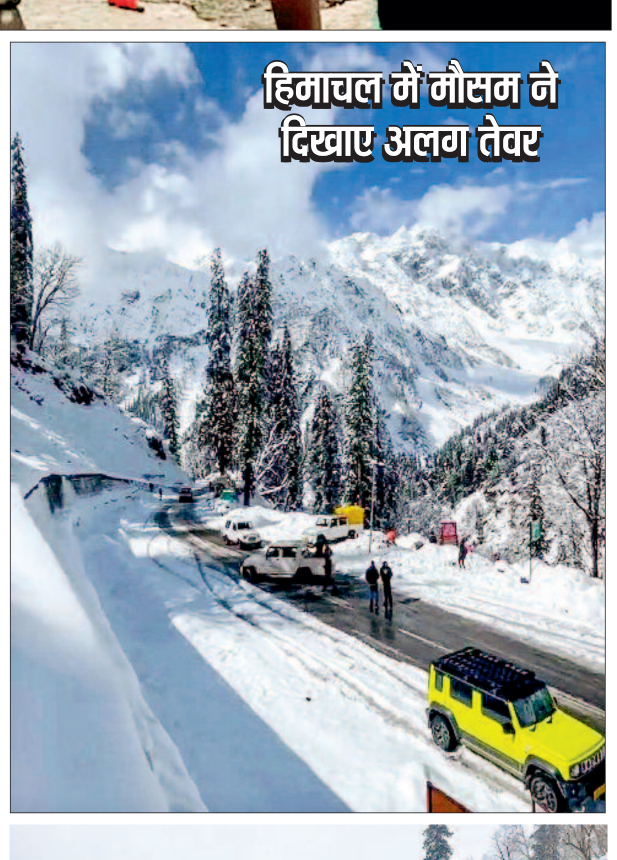

मनाली। हिमाचल प्रदेश में मौसम अलग ही तेवर अपनाए हुए है। अप्रैल के महीने में भी यहां जमकर बर्फबारी हो रही है। पहाड़ों पर बर्फबारी का नया दौर शुरू हो गया है। इसके चलते इस मौसम में पर्यटकों की बल्ले-बल्ले हो गई है। इन दिनों मनाली के सोलंग नाला, कोठी, गुलाबा, अंजनी महादेव में भी बर्फबारी हो रही है। कुल्लू जिले के रोहतांग स्थित अटल टनल के दक्षिणी पोर्टल के इलाके में शनिवार को ताजी बर्फबारी हुई है। बर्फबारी होती देख अटल टनल के छोर पर पर्यटकों का मेला लग गया। पर्यटक अप्रैल में हिमपात का लुत्फ उठाकर बेहद खुश हैं।

पर्यटकों का मेला

वीकेंड पर मनाली में भारी तादाद में पर्यटक पहुंचे हैं, जिन्हें फ्रेश स्नोफॉल का दीदार हुआ है। मनाली के होटलों में भी बड़ी संख्या में पर्यटक मौजूद हैं। हालांकि स्थानीय प्रशासन ने भारी बर्फबारी की आशंका के चलते पर्यटकों को वापस भेजना शुरू कर दिया। लाहुल के कोकसर से पर्यटकों को पुलिस ने अटल टनल के पार मनाली की ओर भेज दिया।

वंदे भारत में पथराव, खिड़की क्षतिग्रस्त केरल में पलक्कड़ के पास हुई घटना

एजेंसी ▶▶| पलक्कड़

केरल के पलक्कड़ में पत्थर फेंके जाने की घटना में एर्नाकुलम से बेंगलुरु जा रही वाली वंदे भारत ट्रेन की एक खिड़की मामूली रूप से क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना शुक्रवार को शाम करीब साढ़े चार बजे पलक्कड़ जिले में पराली के पास हुई। अधिकारी ने कहा, 'इस घटना में किसी को चोट नहीं आई लेकिन ट्रेन की एक खिड़की मामूली रूप से क्षतिग्रस्त हो गई।' उन्होंने बताया कि रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारी ने कहा, 'जांच के तहत जीआरपी और आरपीएफ की टीम पराली में मौजूद हैं।' उन्होंने कहा कि हो सकता है कि पत्थर मानसिक रूप से परेशान या नशे में धुत किसी व्यक्ति द्वारा फेंका गया हो।

मतदान और चुनाव लड़ने का अधिकार मौलिक नहीं, हाईकोर्ट का फैसला रद्द

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि न तो मतदान का अधिकार और न ही चुनाव लड़ने का अधिकार मौलिक अधिकार है। शीर्ष अदालत ने कहा कि ये दोनों अधिकार अलग-अलग हैं और पूरी तरह कानून (स्टैच्यूट) से संचालित होते हैं, न कि संविधान के तहत मौलिक अधिकार के रूप में।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने यह टिप्पणी राजस्थान के जिला दुग्ध संघों के चुनाव से जुड़े एक विवाद की सुनवाई के दौरान की। यह फैसला न्यायमूर्ति महादेवन ने लिखा। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि मतदान का अधिकार व्यक्ति को चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने का अवसर देता है, जबकि चुनाव लड़ने का अधिकार एक अलग और अतिरिक्त अधिकार है, जिस पर योग्यता, अयोग्यता और अन्य संस्थागत शर्तें लागू की जा सकती हैं। कोर्ट ने ज्योति बसु बनाम देवी घोषाल (1982) और जावेद बनाम हरियाणा राज्य (2003) जैसे पुराने फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि ये अधिकार केवल कानून द्वारा दिए गए हैं और इन्हें उसी सीमा तक लागू किया जा सकता है, जितना कानून अनुमति देता है।

सुप्रीम कोर्ट ने दोहराया, दोनों अधिकार अलग-अलग हैं

चुनावी अधिकारों की कानूनी प्रकृति

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को रद्द करते हुए अपील स्वीकार कर ली। साथ ही यह भी साफ किया कि सहकारी संस्थाएं अपने उपविधियों के जरिए चुनाव प्रक्रिया और प्रतिनिधित्व को नियंत्रित कर सकती हैं। यह फैसला चुनावी अधिकारों की कानूनी प्रकृति और उनके दायरे को स्पष्ट करने वाला महत्वपूर्ण निर्णय माना जा रहा है।

'हाईकोर्ट ने की गलती'

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राजस्थान हाईकोर्ट ने मतदान और चुनाव लड़ने के अधिकार को एक समान मानकर गलती की। अदालत के अनुसार, संबंधित उपविधियां केवल चुनाव लड़ने की पात्रता तय करती हैं और वे मतदान के अधिकार को प्रभावित नहीं करतीं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इन उपविधियों का उद्देश्य यह तय करना है कि कौन व्यक्ति चुनाव लड़ सकता है या पद पर बना रह सकता है। इन्हें अयोग्यता से जोड़ना गलत है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि हाईकोर्ट ने बिना सभी प्रभावित पक्षों को सुने व्यापक फैसला दे दिया, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत सभी पक्षों को सुनने का अधिकार का उल्लंघन है।

मिडिल ईस्ट संकट के बीच 312 और भारतीय ईरान से निकले सुरक्षित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

ईरान और अमेरिका के बीच भले ही अभी दो हफ्ते का युद्धविराम है, बावजूद इसके मिडिल ईस्ट में संकट टला नहीं है। तनावपूर्ण हालात बने हुए हैं। ऐसे में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अहम अपडेट दिया है। उन्होंने शनिवार को बताया कि 312 और भारतीय मछुआरों को ईरान से सुरक्षित निकाला गया है। इन भारतीय मछुआरों को आर्मेनिया के रास्ते सकुशल भारत लाया गया। उन्होंने इसे मुमकिन बनाने के लिए आर्मेनिया सरकार को धन्यवाद भी दिया। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने लिखा, '312 और भारतीय मछुआरों को आर्मेनिया के रास्ते ईरान से सुरक्षित भारत लाया गया। इसे मुमकिन बनाने के लिए आर्मेनिया सरकार और मेरे दोस्त अरारत मिर्जोयान का शुक्रिया।' इससे पहले 5 अप्रैल को पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच ईरान में फंसे कुल 345 भारतीय मछुआरों को आर्मेनिया के रास्ते सुरक्षित चेन्नई लाया गया था। आर्मेनिया ईरान में भारतीय नागरिकों को निकालने में मदद कर रहा है। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि ईरान से 1,200 से ज्यादा भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाला गया है, जिनमें से 996 आर्मेनिया चले गए।

आर्मेनिया लगातार भारतीयों को निकालने में कर रहा मदद

पाकिस्तान में हो रही वार्ता पर दुनिया की नजर

इस बीच, खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव को सुलझाने के मकसद से बातचीत के लिए अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद पहुंच गए। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, अमेरिका-ईरान की जरूरी बातचीत के लिए अमेरिकी डेलिगेशन का नेतृत्व कर रहे। वेंस अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ शनिवार सुबह इस्लामाबाद पहुंचे। इस वक्त पूरी दुनिया पाकिस्तान में हो रही इस वार्ता पर अपनी नजर बनाए हुए है।

ऐतिहासिक चंद्र यात्रा के बाद चार अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी

अब चांद पर होगी इंसानों की बस्ती

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

तालियों की गड़गड़ाहट और उत्साह के बीच नासा के 'आर्टेमिस-2' मिशन के चार अंतरिक्ष यात्री ऐतिहासिक चंद्र यात्रा पूरी करने के बाद प्रशांत महासागर में सुरक्षित उतर गए। यह 50 वर्षों से अधिक समय बाद चंद्रमा तक पहली मानव उड़ान है। अब नासा का लक्ष्य चंद्रमा पर मानव उतारने और वहां एक बस्ती बनाने का है। नासा के भारतीय मूल के सहायक प्रशासक अमित क्षत्रिय ने सैन डिएगो तट के पास शुक्रवार को पृथ्वी पर वापसी के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, चंद्रमा तक जाने का रास्ता खुल गया है।, लेकिन आगे का काम पीछे किए गए काम से कहीं अधिक बड़ा है। इस मिशन में शामिल कमांडर रीड

वाइसमैन, पायलट विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और कनाडा के जेरेमी हैनसेन ने दिसंबर 1972 में हुए अपोलो 17 मिशन के बाद पहली बार चंद्रमा की यात्रा की।

उड़ान निदेशक रिक हेनफ्लिंग ने कहा कि आर्टेमिस-2 के अंतरिक्ष यात्री ''खुश और स्वस्थ हैं तथा ह्यूस्टन लौटने के लिए तैयार हैं। आर्टेमिस-2 पहला मानवयुक्त मिशन था जिसमें नासा के अंतरिक्ष प्रक्षेपण प्रणाली रॉकेट और ओरियन क्रू मॉड्यूल का उपयोग किया गया।

अब आगे क्या : अब नासा का लक्ष्य चंद्रमा पर मानव उतारने और वहां एक बस्ती बनाने का है, जो भविष्य में मंगल और उससे आगे के मिशन के लिए 'लॉन्च पैड' बनेगा। यह चारों अंतरिक्ष यात्रियों के लिए शानदार यात्रा रही, जिसमें चंद्रमा के उस हिस्से को भी देखा गया जिसे पहले कभी मानव ने नहीं देखा था।

बस्तर की दुर्गा...

नक्सलवाद का दंश झेल रहे बस्तर में अब बदलाव की बयार है। यह बदलाव उन बेटियों की बदौलत आ रहा है, जिन्होंने नक्सलियों के खौफ को ठेंगा दिखाकर वर्दी चुनी। आज हम बात कर रहे हैं सुकमा डीआरजी की जांबाज कमांडो दुर्गा मुचाकी की। दुर्गा बस्तर संभाग की इकलौती महिला कमांडो हैं, जो नक्सली आईईडी धमाके का शिकार हुईं, अपना अंग खोया, लेकिन उनका साहस आज भी अडिग है। दुर्गा का कहना है कि जैसे-जैसे बस्तर से नक्सलवाद खत्म हो रहा है, उनके शरीर के अंग-भंग होने का दर्द भी मिटता जा रहा है।

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

नक्सलवाद के खात्मे के बाद लौटी मुस्कान

मुचाकी दुर्गा ने कहा कि अब नक्सलवाद लगभग समाप्ति पर है और इलाके में शांति देखकर उसे काफी सूकुन मिल रहा है। वह चाहती है कि जल्द से जल्द पूरा इलाका नक्सलमुक्त हो जाए और हमारा बस्तर पूर्व की तरह शांत हो जाए और लोग आपस में मिलजुल कर खुशहाल जीवन जीएं। नक्सलवाद के समाप्त होने पर अब ठीक लग रहा है और उसका दर्द भी समाप्त हो चुका है।

जांबाज बेटी ने धमाके में खोईं उंगलियां, पर नहीं डिगा हौसला, नक्सलवाद के खात्मे से मुस्कराई

राजेश दास ▸▸| जगदलपुर

हरिभूमि खास

मुचाकी दुर्गा के माता पिता नहीं चाहते थे कि बेटी पुलिस की नौकरी करे। वजह थी बेटी की चिंता। क्योंकि जिस समय उसने वर्दी पहनी उस वक्त नक्सलियों का इलाके में वर्चस्व था और हर माता पिता की तरह दुर्गा के माता पिता भी नहीं चाहते थे कि बेटी पुलिस की नौकरी करे। लेकिन बेटी के हौसले और घर की कमजोर आर्थिक स्थिति को देखते हुए उन्होंने बेटी को जाने से नहीं रोका। उनका परिवार विषम परिस्थितियों से गुजर रहा था। छोटे भाई की बीमारी की वजह से असमय मौत हो गई थी। परिवार में अब सिर्फ दो बहनें ही थी। माता पिता अब भी कोंटा स्थित घर में छोटी से दुकान चलाते हुए रोजमर्रा का सामान बेचते हैं और परिवार का भरण पोषण करते हैं।

सुकमा डीआरजी की कमांडो दुर्गा मुचाकी की वीरता की दास्तां

नक्सल अभियानों का बनी हिस्सा

2021 में जब दुर्गा का चयन जिला बल में हो गया। उसके बाद वह डीआरजी का हिस्सा बनकर नक्सल अभियानों में टीम के साथ शामिल होती रही। आखिरकार वह दिन भी आया जब वह नक्सलियों के लगाए आईईडी की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गई। गुरूवार 27 नवम्बर 2025 को वह अपनी टीम के साथ एरिया डॉमिनेशन के लिए उसूर थाना क्षेत्र के पुजारी कांकेर व करेंगट्टा पहाड़ी की ओर जाने के लिए गोगुण्डा पहाड़ की चढ़ाई चढ़ रहे थे, दोपहर लगभग डेढ़ बजे का समय था। जब पहाड़ की चढ़ाई के दौरान आईईडी ब्लास्ट हुआ जो नक्सलियों ने पहले से फोर्स को नुकसान पहुंचाने के लिए प्लांट कर रखा था और वह उसकी चपेट में आ गई। जोरदार ब्लास्ट के साथ ही उसका बांया पैर प्रेशर आईईडी की चपेट में आ गया। मौके पर ही उसके पैर की कुछ उगंलिया कट गई। काफी खून निकलने व दर्द के चलते वह कुछ समय के लिए बेहोश हो गई।

मां बेहोश हो गई, पिता ने बढ़ाया हौसला

घटना की जानकारी लगते ही परिजन भी अस्पताल पहुंचे जहां मां भी उसकी हालत देखकर बेहोश हो गई लेकिन बड़ी बहन मुचाकी करूणा व पिता ने उसका हौसला बढ़ाया। घटना के बाद साथी जवान उसे तत्काल मुलेर स्थित सीआरपीएफ कैम्प ले गए जहां प्राथमिक उपचार के बाद चौपर से हायर सेंटर रायपुर ले जाया गया। एक माह रामकृष्ण अस्पताल में उपचार के बाद उसे 28 दिसम्बर को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। वह अब ठीक होकर ड्यूटी पर तैनात हो गई हैं।

खबर संक्षेप

गायिका आशा भोसले अस्पताल में भर्ती

मुंबई। दिग्गज पार्श्व गायिका आशा भोसले को शनिवार शाम को छाती में संक्रमण और कमजोरी के कारण यहां एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी पोती जनाई भोसले ने यह जानकारी दी।

बयानवे-वर्षीय गायिका को दक्षिण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह जानकारी मिली थी कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा था और फेफड़ों से संबंधित समस्याएं भी थीं। इसके बाद जनाई ने इंस्टाग्राम पर भोसले के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा, मेरी दादी आशा भोसले को अत्यधिक कमजोरी और छाती में संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हम आपसे निजता का सम्मान करने का अनुरोध करते हैं।

हरिभूमि ने अफसरों से पूछा-आखिरी बैठक कब?, जवाब मिला-याद नहीं

फीस विनियमन अधिनियम के 6 साल: न बोर्ड लगे, न बैठकें हुईं, कई जिलों में समिति ही नहीं

रायपुर-रुचि वर्मा, दुर्ग-देवीलाल साहू, जगदलपुर- अनिल सामंत, राजनांदगांव- हफीज खान, धमतरी-दिलीप देवांगन, कांकेर- विजय पांडेय, महासमुंद- रत्नेश सोनी, कवर्धा- महेश मिश्रा की विशेष रिपोर्ट

अलग खबर

पालकों से थोक में प्राप्त शिकायतों के बाद 6 वर्ष पूर्व छत्तीसगढ़ अशासकीय फीस विनियमन अधिनियम 2020 लागू किया गया। कमेटी गठित हुई तो पालकों ने राहत की सांस ली। लेकिन यह कमेटी केवल कागजों में ही सांस ले रही है और पालक पुनः बेतहाशा फीस वृद्धि का सामना कर रहे हैं। इस अधिनियम के मुताबिक प्रदेश स्तर, जिला स्तर और स्कूल स्तर पर फीस नियामक समिति का गठन किया जाना अनिवार्य है। जिला स्तरीय समिति निजी स्कूलों द्वारा 8 प्रतिशत से अधिक फीस वृद्धि पर जांच करती है, जिसकी अध्यक्षता कलेक्टर करते हैं। राजधानी रायपुर में गठित कमेटी ने बीते 6 वर्षों में कोई कार्रवाई नहीं की, क्योंकि यहां तक शिकायत पहुंची ▸▸|शेष पेज 5 पर

कवर्धा : यहां कमेटी ही नहीं

यहां जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में कोई केंद्रीकृत फीस निर्धारण समिति गठित नहीं है। जिला शिक्षा अधिकारी एफआर वर्मा ने स्पष्ट किया कि जिले में फीस निर्धारण के लिए कोई एकल जिला स्तरीय समिति नहीं है, बल्कि यह प्रक्रिया स्कूल स्तर की समितियों के जरिए ही पूरी की जा रही है। उन्होंने कहा कि नियमानुसार पारदर्शिता बनाए रखने का प्रयास शिक्षा विभाग द्वारा किया जाता है। प्रत्येक निजी स्कूल में फीस निर्धारण के लिए एक समिति बनाई जाती है, जिसमें पालक प्रतिनिधियों को शामिल किया जाता है। जिला शिक्षा अधिकारी के प्रतिनिधि के रूप में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाता है। शैक्षणिक सत्र शुरू होने से पहले इन समितियों की बैठक आयोजित कर फीस तय की जाती है।

जगदलपुर

जिला स्तरीय कमेटी ही गठित नहीं

बस्तर जिले में हालात यह हैं कि फीस तय करने के लिए जिला स्तरीय कमेटी का गठन तक नहीं हुआ है। जिन स्कूलों में कमेटी बनी है, वहां कागजों में चल रही कमेटी की एक बैठक तक नहीं हुई है। इस लापरवाही का फायदा निजी स्कूल संचालक उठा रहे हैं और अभिभावकों से मनमानी वसूली जारी है। जिला शिक्षा अधिकारी बीआर बघेल ने स्वीकार किया कि फीस निर्धारण कमेटी का गठन नहीं हुआ है, हालांकि उन्होंने 8 प्रतिशत से अधिक फीस वसूली पर शिकायत मिलने पर कार्रवाई की बात कही है।

दुर्ग

3 साल से बैठक नहीं

यहां गठित जिला फीस विनिमायक आयोग की बैठक कई सालों से नहीं हुई। कलेक्टर की अध्यक्षता वाली इस समिति के गठन के बाद तीन साल तक प्रत्येक सत्र में बैठक हुई। उसके बाद किसी ने सुध नहीं ली। निजी स्कूलों के लिए अनिवार्य है कि संबंधित नोडल अधिकारी और जिला शिक्षा अधिकारी से बढ़ी हुई फीस को नोटिफाई करवाएं तभी इसे बच्चों के लिए लागू कर सकते हैं। बावजूद इसके इस नियम का पालन भी नहीं हो रहा है। सूत्रों के हिसाब से कुछ ही स्कूल इस नियम का पालन करते हैं बाकी नहीं। दुर्ग भिलाई पालक संघ के अध्यक्ष नासिर खोखर का कहना है, शिकायतों की कोई सुनवाई ही नहीं होती। पालक भी इसलिए खामोश हो गए हैं।

जिला वर्तमान स्थिति, मुख्य समस्या

जगदलपुर: कमेटी का अस्तित्व नहीं जिला शिक्षा अधिकारी ने स्वीकार किया कि जिला स्तरीय कमेटी का गठन ही नहीं हुआ है।

दुर्ग : 6 साल से सन्नाटा कलेक्टर की अध्यक्षता वाले आयोग की बैठक सालों से नहीं हुई। नोडल अधिकारी से फीस नोटिफाई कराने का नियम ठंडे बस्ते में है।

राजनांदगांव: गोपनीयता का पर्दा कमेटी सदस्यों के नाम सार्वजनिक नहीं हैं। पालकों को पता ही नहीं कि शिकायत किससे और कहाँ करें।

कवर्धा : जिला कमेटी गायब यहाँ कोई केंद्रीकृत समिति नहीं है। सारा दारोमदार स्कूल स्तर की समितियों पर छोड़ दिया गया है।

कांकेर : 'सब ठीक' का दावा अधिकारियों का कहना है कि किसी स्कूल ने 8% से ज्यादा फीस नहीं बढ़ाई, इसलिए जाँच की जरूरत नहीं पड़ी।

महासमुंद/धमतरी शिकायतों का इंतजार विभाग का कहना है कि जब तक कोई शिकायत नहीं आती, तब तक कार्रवाई का आधार नहीं बनता।

राजनांदगांव

सदस्यों के नाम सार्वजनिक नहीं, कैसे करें शिकायत?

नियमानुसार प्रत्येक 2 वर्ष में कमेटी का पुनर्गठन करके नए सदस्यों को जोड़ा जाना है। जिला स्तर की समिति में विभिन्न क्षेत्रों से 9 सदस्यों को शामिल किया जाता है। इसमें बुद्धिजीवी वर्ग, शिक्षाविद, कानून के जानकार, निजी स्कूलों के प्रतिनिधि और अभिभावक शामिल होते हैं। इस समिति के अध्यक्ष कलेक्टर और सचिव जिला शिक्षा अधिकारी होते हैं। वर्तमान में बनी जिला फीस समिति में कौन-कौन शामिल किए गए हैं, इसकी जानकारी भी सार्वजनिक नहीं है। डीईओ प्रवास सिंह बघेल का कहना है, शिक्षा सत्र के शुरुआत होने के पहले सभी निजी स्कूलों में पालकों की बैठक आहूत की जाती है। इस बैठक में कलेक्टर के प्रतिनिधि के तौर पर नोडल प्राचार्य शामिल होते है। फीस निर्धारण को लेकर पालकों से विचार-विमर्श होता है। वहीं छग पेरेंट्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिस्टोफर पाल ने कहा, जिला फीस समिति की बैठक कब होती है इसकी कहीं कोई जानकारी नहीं है।

कांकेर :शिकायत का इंतजार

जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला फीस समिति के पदेन सचिव रमेश निषाद के मुताबिक निजी विद्यालय द्वारा 8 प्रतिशत से अधिक फीस वृद्धि का प्रस्ताव समिति के पास नहीं भेजा गया है। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया है कि जिले के किसी भी विद्यालय ने निर्धारित सीमा से अधिक फीस नहीं बढ़ाई है। इस व्यवस्था के चलते जिले में शिक्षा व्यवस्था संतुलित और नियंत्रित बनी हुई है।

महासमुंद व धमतरी

यहां शिकायत ही नहीं

डीईओ विजय लहरे ने बताया, फीस वृद्धि का आधार स्कूल में सुविधा विस्तार और छात्र संख्या होता है। दीर्घकालिक सुविधा विस्तार जैसे भवन, स्वीमिंग पूल आदि के विस्तार पर निर्धारित सीमा से अधिक शुल्क वृद्धि होने पर जिला समिति के समक्ष इसे पारित होना आवश्यक है। फिलहाल जिले में निर्धारित सीमा से अधिक शुल्क वृद्धि का कोई मामला सामने नहीं आया है। वहीं धमतरी डीईओ अभय कुमार जायसवाल के मुताबिक, जिला फीस समिति से अनुमति और आय-व्यय का ब्यौरा देना अनिवार्य है। यदि अभिभावक फीस समिति के निर्णय से संतुष्ट नहीं हैं तो वे 30 दिनों के भीतर अपील कर सकते हैं।

नियम क्या कहता है और हकीकत क्या है?

1 फीस वृद्धि की सीमा: यदि कोई स्कूल 8% से अधिक फीस बढ़ाता है, तो जिला स्तरीय समिति (जिसकी अध्यक्षता कलेक्टर करते हैं) द्वारा इसकी जाँच अनिवार्य है।

2 पारदर्शिता: प्रत्येक स्कूल को परिसर में एक सूचना बोर्ड लगाकर यह बताना होगा कि पिछले सत्र के मुकाबले कितनी फीस बढ़ाई गई है। हकीकत: अधिकांश स्कूलों में ऐसे बोर्ड सिरे से गायब हैं।

3 समिति का पुनर्गठन: नियमानुसार हर 2 साल में समिति का पुनर्गठन होना चाहिए, जिसमें शिक्षाविद, कानून के जानकार और अभिभावक प्रतिनिधि शामिल हों। हकीकत: दुर्ग और रायपुर जैसे बड़े जिलों में सालों से बैठकें तक नहीं हुई हैं।

सुपेबेड़ा में 133 लोगों की हुई थी किडनी की बीमारी से मौत

सुपेबेड़ा के बाद अब 'पथर्री' बना किडनी का नया डेथ जोन, एक ही घर में 3 मौतें, 8 मौत से जूझ रहे

गोरेलाल सिन्हा ▸▸| गरियाबंद

सुपेबेड़ा को अब तक छत्तीसगढ़ भूला नहीं है। वहां किडनी की बीमारी से 133 लोगों की मौत हो चुकी है। अब फिंगेश्वर क्षेत्र का पथर्री गांव भी इस गंभीर संकट की चपेट में आ गया है। सुपेबेड़ा के बाद पथर्री में बीते दो वर्षों में गांव में 7 लोगों की मौत किडनी बीमारी से हो चुकी है, जबकि वर्तमान में 8 से अधिक लोग इस बीमारी से जूझ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि विश्वकर्मा परिवार में दो वर्ष पहले बेटे और बहू की मौत किडनी बीमारी से हो गई थी। वहीं एक साहू परिवार में बीते दौरान एक ही घर

के तीन सदस्यों की मौत हो चुकी है। लगातार हो रही इन मौतों ने पूरे गांव को दहशत में डाल दिया है और लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। हाल यह है कि गांव की मितानिन खुद इस संकट से जूझ रही हैं। उनके पति किडनी बीमारी से पीड़ित हैं और नियमित ▸▸|शेष पेज 5 पर

पानी में फ्लोराइड की मात्रा अधिक

ग्रामीणों के मुताबिक, बीमारी के पीछे दूषित पेयजल सबसे बड़ा कारण हो सकता है। जल परीक्षण में कई जगहों पर आयरन और फ्लोराइड की अधिक मात्रा पाई गई है, जो किडनी पर गंभीर असर डाल सकती है। इसके बावजूद गांव में शुद्ध पेयजल की स्थायी व्यवस्था अब तक नहीं हो सकी है, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। पथर्री की यह स्थिति इसलिए भी गंभीर मानी जा रही है क्योंकि सुपेबेड़ा गांव का उदाहरण पहले से सामने है, जहां पिछले 15 वर्षों में 133 से अधिक लोगों की मौत किडनी बीमारी से हो चुकी है। यह मुद्दा विधानसभा से लेकर लोकसभा तक गूंज चुका है, लेकिन समाधान अब भी अधूरा है। अब पथर्री में उभरती तस्वीर उसी त्रासदी की पुनरावृत्ति की आशंका जता रही है।

15 वर्ष की किशोरियों ने भी दिया बच्चों को जन्म

शिक्षा से तय हो रही मातृत्व की दिशा, कम पढ़ी महिलाओं के ज्यादा बच्चे, शिक्षित के हैं कम

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

हरिभूमि खास

छत्तीसगढ़ में शिक्षा और जनसंख्या नियंत्रण के बीच गहरा संबंध निकलकर सामने आया है। हाल ही में जारी 'जन्म सांख्यिकी' के आंकड़ों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जैसे-जैसे महिलाओं में शिक्षा का स्तर बढ़ रहा है, परिवार नियोजन के प्रति उनकी जागरूकता भी उतनी ही प्रभावी हो रही है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि स्नातक और उससे अधिक शिक्षित महिलाओं की तुलना में कम शिक्षित या सिर्फ मैट्रिक तक पढ़ी महिलाओं की जन्म दर कई गुना अधिक है। चौंकाने वाला आंकड़ा यह है कि अभी भी 15 या उससे कम आयु की किशोरियों ने भी बच्चों को जन्म दिया है, जबकि यह पूरी तरह गैर कानूनी है। राज्य के ताजा आंकड़ों के अनुसार जन्म लेने वाले बच्चों को मां की उम्र और शिक्षा के स्तर के आधार पर वर्गीकृत किया गया है। इसमें साफ दिखता है कि 20 से 29 ▸▸|शेष पेज 5 पर

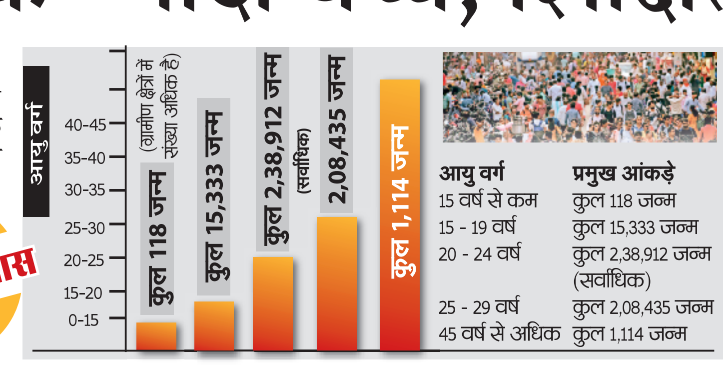

आयु वर्ग	प्रमुख आंकड़े
15 वर्ष से कम	कुल 118 जन्म
15 - 19 वर्ष	कुल 15,333 जन्म
20 - 24 वर्ष	कुल 2,38,912 जन्म (सर्वाधिक)
25 - 29 वर्ष	कुल 2,08,435 जन्म
45 वर्ष से अधिक	कुल 1,114 जन्म

शहर बनाम गांव: जागरूकता की खाई

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच जन्म अंतर

ग्रामीण क्षेत्र में कुल 3 लाख 9 हजार 684 जन्म दर्ज किए गए। ग्रामीण इलाकों में निरक्षर महिलाओं द्वारा दिए गए जन्मों की संख्या शहरी इलाकों की तुलना में लगभग चार गुना ज्यादा है। इसी तरह शहरों में कुल 2,83,513 जन्म हुए। यहां मैट्रिक और उससे ऊपर शिक्षित महिलाओं का अनुपात बेहतर है।

20 से 29 वर्ष में सर्वाधिक जन्म

डेटा से पता चलता है कि राज्य में सबसे अधिक जन्म 20 से 24 वर्ष (2,38,912) और 25 से 29 वर्ष (2,08,435) की आयु की महिलाओं के बीच हुए हैं। 35 वर्ष की आयु के बाद जन्म दर में तेजी से गिरावट देखी गई है, जो यह दर्शाता है कि अधिकांश परिवार 30 साल की उम्र तक अपनी संतान संबंधी योजनाएं पूरी कर लेते हैं।

शिक्षा का स्तर और जन्म दर: एक तुलना

आंकड़ों के अनुसार, राज्य में कुल 5 लाख 93 हजार 197 बच्चों का जन्म हुआ। इसमें शिक्षा के स्तर पर भारी अंतर देखा गया। मसलन, दसवीं तक शिक्षित महिलाओं, जो स्नातक नहीं थी, उन्होंने 3 लाख 52 हजार 657 बच्चों को जन्म दिया। जबकि स्नातक या उससे अधिक शिक्षित महिलाओं के केवल 50 हजार 824 बच्चे ही हुए। यह डेटा साबित करता है कि उच्च शिक्षा महिलाओं को करियर के प्रति जागरूक कर रही है।

कम उम्र में मां बनने का खतरनाक डाटा

रिपोर्ट का सबसे चिंताजनक पहलू 'बाल मातृत्व' है। आंकड़ों के मुताबिक, 15 साल से कम उम्र की किशोरियों ने 118 बच्चों को जन्म दिया। वहीं, 15-19 आयु वर्ग में यह संख्या 15 हजार 333 रही। इनमें से अधिकांश मामले ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े हैं, जो कम उम्र में शादी या बाल विवाह और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की कमी की ओर इशारा करते हैं।

ईरान और अमेरिका के मध्य युद्धविराम समझौते का बाकायदा ऐलान हो जाने के तत्पश्चात ऐसा प्रतीत हो रहा था कि मध्य एशिया संभवतः विनाशकारी युद्ध से मुक्ति पा ही जाएगा, किंतु प्रस्तावित कूटनीतिक वार्ता में प्रबल अवरोध उत्पन्न हो जाने के कारण और ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट को नहीं खोले जाने से अब ऐसा दिखाई दे रहा है कि सुधरते हुए हालात फिर से बिगड़ने लगे हैं। इजराइल के द्वारा अंजाम दिए गए आक्रमणों के चलते युद्ध विराम समझौते के भविष्य पर विकट सवाल खड़े कर दिए हैं। इस बीच, पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद आजकल अंतरराष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में है। यहां ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता केवल एक सामान्य कूटनीतिक बैठक नहीं, बल्कि मध्य पूर्व के बदलते समीकरणों का निर्णायक मोड़ मानी जा रही है। पाक के लिए यह एक बड़ी परीक्षा है, जिसमें उसकी कूटनीतिक क्षमता और सुरक्षा व्यवस्था दोनों की कसौटी परख ली जाएगी। उधर, जहां तक भारत का सवाल है तो ईरान पर हमले के पहले तक भारत आयात होने वाले कच्चे तेल के आधे हिस्से की आपूर्ति इसी रास्ते होती थी। इससे भारत की चिंताएं बढ़ना स्वाभाविक थीं। भारत ने ना सिर्फ होर्मुज के जरिए अपनी आपूर्ति को बनाए रखने की कूटनीतिक कोशिशें जारी रखीं, बल्कि वैकल्पिक रास्ते की भी तलाश तेज कर दी। इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...

युद्ध विराम के कगार पर खड़ी जंग

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय
विदेशी मामलों के जानकार

वस्तुतः इजराइल और ईरान के मध्य सैन्य संघर्ष की पृष्ठभूमि में फिलिस्तीन की जटिल समस्या विद्यमान रही है। प्रारम्भिक काल में इजराइल के अस्तित्व को अरब देशों द्वारा कदाचित स्वीकार नहीं किया गया था। अनेक युद्धों में पराजित होने के बाद प्रायः सभी अरब देशों ने इजराइल से समझौता कर लिया। 1978 में ईरान में इस्लामिक इंकलाब के बाद फिलिस्तीन के लिए ईरान की हुकूमत ने संघर्ष करने का संकल्प ले लिया। इस्लामिक ईरान ने इजराइल के वजूद को ही स्वीकार करने से इनकार कर दिया। चालीस दिनों के विध्वंसक युद्ध के तत्पश्चात केवल पंद्रह दिनों के लिए ईरान और अमेरिका के मध्य युद्ध विराम समझौता अंजाम दिया गया। युद्ध विराम समझौते पर किए गए हस्ताक्षरों की स्याही अभी सूखी नहीं है कि युद्ध विराम समझौते के कगार पर जंग खड़ी है। समझौते के अगले दिन इजराइल द्वारा लेबनान की हिज्बुल्ला तंजीम के ठिकानों पर जबरदस्त सैन्य आक्रमण कर दिए। परिणामस्वरूप लेबनान की राजधानी बेरूत तथा लेबनान के अन्य कई नगरों में जबरदस्त तौर पर विध्वंसकारी नजारें देखने में आए।

इजराइल और ईरान के मध्य सैन्य संघर्ष की पृष्ठभूमि में फिलिस्तीन की जटिल समस्या विद्यमान रही है। प्रारम्भिक काल में इजराइल के अस्तित्व को अरब देशों द्वारा कदाचित स्वीकार नहीं किया गया था। अनेक युद्धों में पराजित होने के बाद प्रायः सभी अरब देशों ने इजराइल से समझौता कर लिया। 1978 में ईरान में इस्लामिक इंकलाब के बाद फिलिस्तीन के लिए ईरान की हुकूमत ने संघर्ष करने का संकल्प ले लिया। इस्लामिक ईरान ने इजराइल के वजूद को ही स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

युद्ध विराम समझौता

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू का बयान आया कि युद्ध विराम समझौते के तहत लेबनान और इजराइल के मध्य युद्ध विराम कहीं शामिल नहीं था। अतः इजराइल द्वारा लेबनान पर अंजाम दिया गया आक्रमण वस्तुतः युद्ध विराम समझौते का उल्लंघन करार नहीं दिया जा सकता। इजराइल द्वारा लेबनान के विरुद्ध अंजाम दी गई सैन्य आक्रमण का ईरान द्वारा अत्यंत कड़ा विरोध किया गया और इसे युद्ध विराम समझौते का स्पष्ट उल्लंघन करार दिया गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के बयान पश्चात तकरीबन ऐसा ही बयान अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का बयान आया कि युद्ध विराम समझौते में लेबनान युद्ध विराम का कोई उल्लेख ही नहीं है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल असीम मुनीर की भूमिका का युद्ध विराम समझौते तक ले जाने में अमेरिका और ईरान ने उल्लेख किया। शरीफ ने फरमाया था कि लेबनान सहित सभी युद्ध स्थलों पर युद्ध विराम लागू करने के लिए ईरान और अमेरिका के मध्य सहमति हो गई और युद्ध विराम तत्काल तौर पर लागू कर दिया जाएगा।

चीन और पाक की भूमिका

8 अप्रैल की सुबह प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का यह बयान दुनिया के सामने आया कि ईरान और अमेरिका के मध्य कूटनीतिक बातचीत में पाक प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ और फील्ड मार्शल मुनीर शामिल रहे और साथ ही चीन की भी बड़ी भूमिका इस युद्ध विराम समझौता संपन्न कराने के विषय में प्रकाश में आई है। चीन द्वारा ईरान को युद्ध विराम करने के लिए राजी किया गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी अपने एक्स पोस्ट पर साझा किया कि ईरान पर अमेरिकी हमले बंद कर दिए हैं और हमारी शक्तिशाली सेनाएं भी अपने सैन्य अभियान को तत्काल रोक देंगी। शहबाज शरीफ और डोनाल्ड ट्रंप के युद्ध विराम ऐलानों के बाद इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने बयान जारी किया गया कि लेबनान को दो सप्ताह के युद्धविराम के तहत शामिल नहीं किया गया। ईरान द्वारा लेबनान पर अंजाम दिए गए इजराइली आक्रमण की कड़ी निंदा की गई। साथ ही पहले तो अमेरिका के साथ पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में प्रस्तावित कूटनीति वार्ता का बॉयकॉट करने की घोषणा की गई।

बिगड़ते दिख रहे हालात

बाद में सोच-विचार के पश्चात ईरान हुकूमत ने अपना प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद भेजने का फैसला लिया। अमेरिकन सरकार के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर इस्लामाबाद वार्ता में पेंटागन के सुरक्षा विशषज्ञों के साथ शिरकत कर रहे हैं। ईरान की तरफ से इस्लामाबाद वार्ता में प्रतिनिधि मंडल की कयादत ईरान की संसद के अध्यक्ष मौहम्मद बगेर गालिबफ कर रहे हैं और उनके साथ ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची हैं।

ईरान का कूटनीतिक प्रतिनिधिमंडल अपने साथ मीनाब स्कूल सैन्य स्ट्राइक में मारे गए बच्चों और पीड़ितों की तस्वीरें और खून से लथपथ उनका स्कूल का सामान लेकर भी गया है। ईरान और अमेरिका के मध्य युद्धविराम समझौते का बाकायदा ऐलान हो जाने के तत्पश्चात ऐसा प्रतीत हो रहा था कि मध्य एशिया संभवतः विनाशकारी युद्ध से मुक्ति पा ही जाएगा, किंतु प्रस्तावित कूटनीतिक वार्ता में प्रबल अवरोध उत्पन्न हो जाने के कारण और ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट को नहीं खोले जाने के कारण, अब ऐसा दिखाई दे रहा है कि सुधरते हुए हालात फिर से बिगड़ने लगे हैं। इजराइल के द्वारा अंजाम दिए गए आक्रमणों द्वारा युद्ध विराम समझौते के भविष्य पर विकट सवाल खड़े कर दिए हैं।

ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अगराची फरमाते हैं कि अमेरिका और ईरान के मध्य युद्ध विराम की शर्तें एकदम स्पष्ट और असंदिग्ध हैं। अमेरिका को युद्ध विराम अथवा इजराइल के माध्यम से जारी जंग में किसी एक को चुनना ही होगा। दूसरी तरफ इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ऐलान कर रहे हैं कि आवश्यकता पड़ने पर इजराइल द्वारा ईरान के विरुद्ध सैन्य संघर्ष को फिर शुरू कर दिया जाएगा। नेतन्याहू के अल्फाज हैं कि हमारी उंगलियां अभी बंदूक के ट्रिगर पर रखी हुई हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मक्रों ने इजराइल के आक्रमणकारी तेवरों की निंदा की है।

लेबनान व फ्रांस की एकजुटता

लेबनान के साथ फ्रांस की एकजुटता व्यक्त करते हुए उन्होंने फरमाया कि सैन्य हमले यकीनन युद्ध विराम के लिए गंभीर खतरा बन गए हैं। अमेरिका को इजराइल का अंध समर्थन करते रहने की अपनी रणनीति से बाहर आकर फिलिस्तीन समस्या का समाधान निकालना ही होगा, अन्यथा ये संघर्ष भविष्य में भी चलते रहेंगे। इन समस्त सैन्य संघर्षों के कारणवश मध्य पूर्व के खाड़ी देशों में विनाशकारी खतरा बरकरार बना रहेगा। फिलिस्तीन को जब तक एक खुदमुख़्तार राष्ट्र का दर्जा हासिल नहीं हो जाता और फिलिस्तीनियों को संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रदान की गई अपने हिस्से की सारी जमीन नहीं मिल जाती, तब तक न जाने कितने बेगुनाह नागरिकों कर रक्त धरा पर बहता ही रहेगा।

जंग लंबी चली तो बदल जाएगा दुनिया का भविष्य

समीकरण

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत इन दिनों पूरी दुनिया की नजरों में है। पाकिस्तान की मध्यस्थता से हो रही यह वार्ता खाड़ी युद्ध को खत्म करने का आखिरी मौका प्रतीत हो रहा है। फरवरी 2026 में शुरू हुए इस संघर्ष ने पहले ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को प्रभावित कर दिया, हजारों लोगों की जान ले ली और तेल की कीमतें आसमान छूने लगीं। दो हफ्ते का सीजफायर फिलहाल टिका हुआ है, लेकिन अगर इस्लामाबाद में बातचीत नाकाम रही और जंग लंबी खिंच गई तो इसका असर सिर्फ मध्य पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा। पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, राजनीति और आम लोगों की जिंदगी बुरी तरह हिल जाएगी। सबसे बड़ा झटका ऊर्जा बाजार को लगेगा। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से दुनिया का करीब 20-25 प्रतिशत तेल गुजरता है। अगर ईरान ने फिर से इसे ब्लॉक किया या हमले बढ़ाए तो रोजाना 15-20 मिलियन बैरल तेल की सप्लाई रुक सकती है। अभी तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच चुकी हैं। लंबी जंग की स्थिति में ये 130 से 170 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी ने इसे अब तक का सबसे गंभीर सप्लाई शॉक बताया है। गैस की कीमतें भी दोगुनी हो जाएंगी। नतीजा साफ है कि हर जगह महंगाई का कहर। पेट्रोल, डीजल, ट्रांसपोर्ट, खाने-पीने की चीजें-सब कुछ महंगा हो जाएगा। विकसित देशों में महंगाई की आशंका बढ़ जाएगी, जबकि उभरती अर्थव्यवस्थाएं जैसे भारत, चीन और दक्षिण कोरिया सबसे ज्यादा प्रभावित होंगी क्योंकि ये तेल के बड़े आयातक हैं। ग्लोबल इकोनॉमी पर असर और भी गहरा होगा। अर्थशास्त्री चेतावनी दे रहे हैं कि अगर युद्ध कुछ महीनों तक चला तो दुनिया की जीडीपी ग्रोथ 0.2 से 1.2 प्रतिशत तक गिर सकती है। शेयर बाजारों में भारी उथल-पुथल मचेगी, सप्लाई चेन बाधित होंगी और यूरोप तथा एशिया में गैस संकट और गहरा जाएगा। खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्था तो बुरी तरह चोट खाएगी। सऊदी अरब, यूएई और कुवैत में बुनियादी ढांचे पर हमले हो चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के एक अध्ययन के अनुसार, अरब देशों की जीडीपी पर 120 से 194 बिलियन डॉलर का भारी असर पड़ सकता है। मानवीय संकट भी विकराल रूप ले लेगा। अभी तक हजारों मौतें हो चुकी हैं और लाखों लोग बेघर हो गए हैं। शरणार्थी संकट यूरोप और एशिया तक फैल सकता है। स्वास्थ्य सुविधाएं पूरी तरह चरमरा जाएंगी। इसके साथ ही पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंचेगा, क्योंकि युद्ध में तेल सुविधाओं और रिफाइनरियों पर हमले से प्रदूषण बढ़ेगा। वैश्विक राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। अमेरिका-ईरान जंग से रूस और चीन को फायदा हो सकता है। रूस यूक्रेन मोर्चे पर अपना ध्यान बंटा सकेगा, जबकि चीन सस्ते दामों पर तेल खरीदकर अपनी रणनीतिक स्थिति मजबूत करेगा। खाड़ी देश अमेरिका पर अपना भरोसा खो सकते हैं। नाटो गठबंधन में दरारें और गहरी होंगी। मध्य पूर्व में नए गठजोड़ बन सकते हैं। इजराइल-लेबनान फ्रंट एक बार फिर गर्म हो सकता है, जिससे क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ेगी। भारत पर इसका सीधा और गहरा असर पड़ेगा। हमारा लगभग 40 प्रतिशत तेल और 80 प्रतिशत गैस मध्य पूर्व से आता है। तेल की कीमतें बढ़ने से आयात बिल आसमान छू जाएगा, रुपया और कमजोर होगा तथा मुद्रास्फीति पर काबू पाना मुश्किल हो जाएगा। खाड़ी देशों में काम करने वाले लाखों भारतीय मजदूर पहले ही वापस लौट रहे हैं। लंबी जंग का मतलब सिर्फ ऊर्जा संकट नहीं, बल्कि खाद्य सुरक्षा पर भी गंभीर खतरा होगा। उर्वरक महंगे होने से फसलें प्रभावित होंगी, जिससे खाद्यान्न की कीमतें बढ़ेंगी। गरीब देशों में भुखमरी बढ़ेगी और विकासशील दुनिया में आर्थिक अस्थिरता फैल जाएगी। अगर इस्लामाबाद में चल रही बातचीत कामयाब हो गई तो पूरी दुनिया को बड़ी राहत मिलेगी। लेकिन अगर यह फेल हो गई तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ चेतावनी दे दी है – फिर से बड़े हमले हो सकते हैं। ईरान भी किसी भी कीमत पर पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहा। दोनों तरफ से सख्त रुख अपनाया जा रहा है। ऐसे में सारी दुनिया को दुआ करनी चाहिए कि वार्ता सफल रहे और खाड़ी क्षेत्र में शांति स्थापित हो। अन्यथा आने वाले समय में वैश्विक स्तर पर अभूतपूर्व संकट खड़ा हो सकता है।

अगर युद्ध कुछ महीनों तक चला तो दुनिया की जीडीपी ग्रोथ 0.2 से 1.2 प्रतिशत तक गिर सकती है। शेयर बाजारों में भारी उथल-पुथल मचेगी, सप्लाई चेन बाधित होंगी और यूरोप तथा एशिया में गैस संकट और गहरा जाएगा।

इस्लामाबाद वार्ता में हल निकलना मुश्किल

संशय

कांतिलाल मांडोत
स्वतंत्र पत्रकार

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद इन दिनों अंतरराष्ट्रीय राजनीति का केंद्र बनी हुई है। यहां प्रस्तावित ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता केवल एक सामान्य कूटनीतिक बैठक नहीं, बल्कि मध्य पूर्व के बदलते समीकरणों का निर्णायक मोड़ मानी जा रही है। शहर को जिस तरह से सुरक्षा घेरे में लिया गया है, वह इस बात का संकेत देता है कि इस बैठक से जुड़े जोखिम कितने गंभीर हैं। यह सब केवल एक बैठक के लिए नहीं, बल्कि उस संभावित खतरे के कारण है जो इसमें शामिल नेताओं पर मंडरा रहा है। इस वार्ता में अमेरिका की ओर से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल शामिल हो रहा है। वेंस को एक संतुलित और व्यावहारिक नेता माना जाता है, जिन्होंने इस पूरे संकट के दौरान अपेक्षाकृत शांत और संयमित रुख अपनाया है। उनके साथ स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर जैसे प्रभावशाली लोग भी मौजूद हैं, जो पहले भी मध्य पूर्व की जटिल कूटनीतिक प्रक्रियाओं में भूमिका निभा चुके हैं। दूसरी ओर, ईरान की ओर से विदेश मंत्री अब्बास अराघची इस वार्ता का नेतृत्व कर रहे हैं, जो अपने अनुभव और कूटनीतिक कौशल के लिए जाने जाते हैं। उनके साथ मोहम्मद बाघेर गालिबाफ जैसे प्रभावशाली नेता भी शामिल हैं, जिनकी भूमिका केवल राजनीतिक ही नहीं, बल्कि सैन्य और सुरक्षा मामलों में भी महत्वपूर्ण रही है। इस पूरी प्रक्रिया में सबसे दिलचस्प और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इजराइल को इस वार्ता से पूरी तरह अलग रखा गया है। यही कारण है कि इजराइल इस समझौते को लेकर न केवल असहज है, बल्कि खुलकर विरोध भी कर रहा है।

इजराइल की चिंता यह है कि यदि अमेरिका और ईरान के बीच कोई समझौता होता है, तो इससे ईरान को क्षेत्र में और अधिक ताकत मिल सकती है। इजराइल लंबे समय से ईरान को अपने अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा मानता रहा है, और वह नहीं चाहता कि ईरान को किसी भी प्रकार की कूटनीतिक या सैन्य राहत मिले। इसके अलावा, लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ चल रही कार्रवाई भी इजराइल के लिए प्राथमिकता है, और वह इस संघर्ष को बीच में रोकने के पक्ष में नहीं दिखता। इसी कारण से इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का रुख काफी आक्रामक नजर आ रहा है। उन्होंने कई बार यह संकेत दिया है कि वे किसी भी ऐसे समझौते को स्वीकार नहीं करेंगे, जो इजराइल की सुरक्षा के हितों के खिलाफ हो। हाल ही में लेबनान में हुए हमले इस बात का प्रमाण हैं कि इजराइल अपनी रणनीति से पीछे हटने के मूड में नहीं है। यह स्थिति अमेरिका के लिए भी चुनौतीपूर्ण बन जाती है, क्योंकि उसे एक ओर अपने सहयोगी इजराइल के हितों का ध्यान रखना है और दूसरी ओर ईरान के साथ तनाव कम करने की कोशिश करनी है। पाकिस्तान इस वार्ता के जरिए खुद को एक प्रभावशाली मध्यस्थ के रूप में स्थापित करना चाहता है। लंबे समय से कूटनीतिक स्तर पर हाशिए पर रहे पाकिस्तान के लिए यह एक बड़ा अवसर है। यदि यह वार्ता सफल होती है, तो पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय छवि मजबूत होगी और उसे एक विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में देखा जाएगा। यदि यह प्रयास विफल होता है, तो इसका उल्टा असर भी पड़ सकता है और पाकिस्तान की साख को नुकसान पहुंच सकता है। शहर में लागू लगभग बंद जैसे हालात इस बात का संकेत हैं कि सरकार कोई भी जोखिम उठाने को तैयार नहीं है। आम नागरिकों की आवाजाही सीमित कर दी गई है और केवल सुरक्षा बलों को ही प्रमुख क्षेत्रों में आने-जाने की अनुमति है। यह स्थिति एक तरह से यह भी दर्शाती है कि यह बैठक केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत संवेदनशील है। अंततः कहा जा सकता है कि इस्लामाबाद में होने वाली यह वार्ता केवल एक समझौते की कोशिश नहीं, बल्कि कई देशों के हितों, आशंकाओं और रणनीतियों का संगम है। जहां एक ओर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने की उम्मीद है, वहीं दूसरी ओर इजराइल की नाराजगी और संभावित हस्तक्षेप इस प्रक्रिया को और जटिल बना रहे हैं। पाकिस्तान के लिए यह एक बड़ी परीक्षा है, जिसमें उसकी कूटनीतिक क्षमता और सुरक्षा व्यवस्था दोनों की कसौटी परख ली जाएगी। आने वाले समय में यह स्पष्ट होगा कि यह वार्ता मध्य पूर्व में शांति की दिशा में एक कदम साबित होती है या फिर एक और असफल प्रयास बनकर रह जाती है।

इजराइल लंबे समय से ईरान को अपने अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा मानता रहा है। वह नहीं चाहता कि ईरान को किसी भी प्रकार की राहत मिले। हिजबुल्लाह के खिलाफ चल रही कार्रवाई भी इजराइल के लिए प्राथमिकता है।

वह एक रात!

करवट

कुमार प्रशांत

एक ही रात में-7 अप्रैल 2026 - हजारों साल पुरानी व समृद्ध ईरानी सभ्यता के अस्तित्व को धरती से मिटा देने की मनोरोगी अमरीकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की घोषणा के बाद क्या हुआ? अखबारी दुनिया के लोग कहेंगे कि उसके बाद 15 दिनों का युद्धविराम हुआ।

मैं कहूंगा कि नहीं, यह तो हुआ ही; और वह भी हुआ जो संभवतः मानवीय सभ्यता के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ था। ट्रंप की कयामत की रात की घोषणा के बाद न ईरान के सत्ताधारियों ने, न ईरान की बलिदानी जनता ने किसी के आगे गुहार लगाई, न हाथ फैलाया, न माफी मांगी। स्त्री-पुरुष-बच्चियां-बच्चे कोई कहीं रोता-कलपता भी नहीं दिखा. पिछले 40 दिनों से वे, खंडहर होते जा रहे अपने देश को सीने से लगाए, आसमान से बरसते विनाश का सामना कर रहे थे, आक्रमणकारी ट्रंप, गैरतहीन,धूर्त नेतन्याहू और इनके सफरमैना खाड़ी देशों को लगातार हथियारों से जवाब भी दे रहे थे, हालांकि वे जानते थे कि वे अब ज्यादा दिनों तक जवाब देने की हालत में नहीं हैं।

लेकिन 40 दिनों बाद आज, 7 अप्रैल को लड़ाई बदल गई थी। वे ही सब युद्ध की नई कुंडली लिखने सड़कों पर निकल आए थे, जो युद्ध जारी रख सकने की हालत में नहीं बचे थे. ईरान के जिन आण्विक संयंत्रों को, पुलों-राजमार्गों, नागरिक सुविधा के दूसरे तंत्रों, पूजा-स्थलों और सांस्कृतिक केंद्रों को बमों से ध्वस्त कर देने की घोषणा ट्रंप ने की थी, हमने देखा कि अपने-अपने ध्वस्त घरों से निकल-निकल कर ईरानी नागरिक इस सभी स्थलों को घेर कर खड़े होते गए कोई शोर नहीं, कोई नारेबाजी नहीं; सब एकदम शांत थे. लेकिन हर जगह लोग-ही-लोग थे कोई कह तो नहीं रहा था लेकिन जैसे कहीं से, कोई आसमानी घोषणा कर रहा था : हम यहां खुले में खड़े हैं, चलाएं ट्रंप उनके पास जो भी है. ईरान के मशहूर संगीतकार अली घामसारी ने एक संयंत्र के सामने वाली सड़क पर दरी बिछाई और अपना वाद्य बजाने लगे. ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने शांत पर दृढ़ आवाज में बताया : मरने की तैयारी रखनेवालों की सूची में अब तक 1.40 करोड़ ईरानी नागरिकों ने अपना नाम दर्ज करवाया है और उसमें पहला नाम मेरा है। यह ईरान के लिए कयामत की रात थी जिसे उसने कमाल की रात में बदल दिया था।

किसी ने देखा या नहीं देखा पता नहीं लेकिन इन बलिदानी ईरानियों की किसी कतार में महात्मा गांधी भी खड़े थे ! दुनिया के जिस भी कोने में लोग वीरता से बलिदान देने निकलते हैं, यह 'अधनंगा फकीर' वहां अपनी हाजिरी लगाता ही है। जयप्रकाश ने कभी हंगरी में, कभी

तिब्बत में, कभी बांग्लादेश में तो कभी चेकोस्लोवाकिया में इस गांधी को पहचाना था और उसके साथ खड़े हुए थे।

गांधी ने कहा था : विवश कायरता से कहीं भला होता है निडर बलिदान ! गांधी की अहिंसा का उपहास करने वाले किताबी बुद्धिजीवी व हिंदुत्व की अहंकारी भाषा में अपनी कायरता छिपाते रहने वाले कहां पहचान सकेंगे कि गांधी ने जिस चरम साहस की बात कही थी, ईरानी जनता में वह साहस 7 अप्रैल 2026 को मूर्तिमान हुआ था। यही अमरीका था और उसके ही परमाणु बम थे कि जिनसे हिरोशिमा-नागासाकी का अकल्पनीय विनाश हो चुका था. तब किसी ने पूछा था गांधी से : आप परमाणु बम का अहिंसा से कैसे मुकाबला करेंगे ? पूछने वाले ने सोचा था कि गांधी निरुत्तर रह जाएंगे लेकिन गांधी ने जवाब टाला नहीं, वे हिचके भी नहीं। कहा : विनाश का मुकाबला अकंप वीरता से ही किया जा सकता है. उन्होंने बात साफ की : जब बम ले कर आसमान में विमान आएगा तब मैं किसी खाई-खंदक में छुपूंगा नहीं, बल्कि खुले मैदान में निकल आऊंगा और अपलक उस विमान को देखता रहूंगा जो संपूर्ण विनाश ले कर आया है. मैं जानता हूं कि उस विमान का पायलट उस ऊंचाई से मुझे देख नहीं सकेगा लेकिन मैं तो उसे अपलक देख सकूंगा. बम उन सबको मार जाएगा जो बचने की कोशिश करेंगे; लेकिन वह उन सबको मार ही नहीं सकेगा जो मरने का भय छोड़ कर, उसकी आंखों-में-आंखें डाले सकेंगे ! फिल्मी डायलॉग है : जो डर गया वो मर गया; गांधी कहते हैं : करो या मरो !

कायर सवाल पूछते ही रहते थे : ऐसा हो सकता है क्या ? सामने से आती मौत की तरफ कैसे देखता रह सकता है कोई ? गांधी कैसी अविश्वसनीय-अव्यवहारिक बात कह रहे हैं ! 7 अप्रैल 2026 के बाद कोई ऐसा नहीं कह सकेगा. ईरान की बहादुर जनता ने विनाश के समक्ष आत्मबल का सर्जन करने की गांधी की कल्पना के समर्थन में अपना वोट दे दिया है. जो कल तक अहिंसक कल्पना थी, आज हकीकत बन गई है. गांधी कहते हैं : छिप कर भी मारे जाओगे लेकिन उस मौत में से असहायता व कायरता निकलेगी; मौत की आंखों में आंखें डाल कर मरोगे तो उसमें से चरम वीरता निकलेगी जो मारने वालों को असहाय व व्यर्थ बना देगी.

युद्ध, हिंसा,विनाश और शत्रुता के खिलाफ जो सदा ही अपनी आवाज़ बुलंद करता रहा; मानव-मन में गहरी पैठी हिंसा व प्रतिशोध की भावना की जड़ें अहर्निश काटता रहा; जो इन सबके विरुद्ध आज तक मनुष्य द्वारा उठाई सबसे अटूट, सशक्त व सक्रिय आवाज है, उस गांधी के लिए युद्ध, हिंसा, प्रतिशोध अजनबी नहीं थे. वह युद्ध के मोर्चे पर फौजी अधिकारी बन कर उतरा था; दो-दो विश्वयुद्ध की विभीषिका उसने देखी व झेली थी; उसने अपने मुल्क की नवजात आजादी पर पड़ोसी का फौजी हमला देखा था और उससे युद्ध करने वाली फौज को आशीर्वाद भी दिया था; अपनी हत्या के पांच प्रयासों के बावजूद बगैर किसी कड़वाहट के उसने मानवीय आजादी व गरिमा का अपना अभियान जारी रखा था; जैसा सांप्रदायिक उन्माद संसार ने पहले देखा नहीं था वैसे सांप्रदायिक उन्माद में पांव-पांव लगातार भटकता रहा था वह; सांप्रदायिक हिंसा के कई थपेड़े उसने झेले थे और फिर उसी सांप्रदायिक आग में जल कर वह भस्म हुआ था. तो हम कह सकते हैं कि गांधी ने युद्ध के खिलाफ तमाम उम्र युद्ध ही लड़ा ! आज ईरान ने कहा है : हर युद्ध के अंत में बचते हैं गांधी ही, क्योंकि वे हिंसा, घृणा व प्रतिशोध के सामने कभी सर नहीं झुकाते हैं।

बाबा साहब आप अवाम के हीरो हैं !

जिरहनामा

कनक तिवारी

संविधान को लेकर बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के दो तरह के चेहरे दिखाए जाते हैं। संविधान निर्माण के सिलसिले में कुछ लोगों ने बेहूदी टिप्पणियां भी की हैं कि आंबेडकर न तो संविधान निर्माता हैं, न संविधान नियामक हैं, न संविधान के अधिकृत प्रवक्ता। उन्होंने केवल संविधान सभा के सदस्यों और समितियों से मिली तरह तरह की रिपोर्टों को एकजाई कर प्रारूप समिति के चेयरमैन की हैसियत में संविधान सभा की बहस के लिए पेश भर कर दिया। बाकी काम तो संविधान सभा के सदस्यों ने आपसी बहस मुबाहिसे के जरिए किया। कभी भाजपा में रहे मशहूर पत्रकार अरुण शौरी ने तो 'वर्शिपिंग फॉल्स गॉड्स' नाम की किताब भी लिख दी। पता नहीं वह किताब क्यों लिखी? उसमें बहुत गलतबयानी है। आंबेडकर के खिलाफ जबरिया कई बातें खोजी गई हैं। अगर नहीं करते तो क्या बिगड़ जाता?

दूसरी तरफ आंबेडकर के पक्ष में जातीय समरसता के कारण तथा अन्य प्रताड़ति लोग उनकी देवता की तरह पूजा करते हैं। वे संविधान निर्माण के संदर्भ में आंबेडकर की भूमिका को आलोचनात्मक आधार पर सुनना समझना नहीं चाहते। उनका यहां तक कहना होता है कि संविधान केवल बाबा साहब की अकेली और मौलिक देन है। बाकी संविधान निर्माताओं के संबंध में उनकी कोई सार्थक टिप्पणी होती भी नहीं। वे बाबा साहब के जन्मदिन और परिनिर्वाण दिवस की बड़ी बहसों में ऐसे लोगों को नहीं बुलाते जो उनकी निगाह में सवर्ण हैं और इसलिए बाबा साहब का मूल्यांकन करने में पैदाइशी असमर्थ हैं। यह भी अम्बेडकर पर एक तरह की एकाधिकारवादिता है। इससे आंबेडकर का यश लोकजीवन में विस्तारित कैसे होगा? ऐसे लोग उन बारीकियों को भी नहीं खोजते जो बाबा साहब की विशेषताएं हैं।

आंबेडकर को लेकर एक बात बहुत साफ है। आंबेडकर को प्रारूप समिति का अध्यक्ष बनाकर अहसान नहीं किया गया। वे आजादी की लड़ाई के योद्धा या किसी पार्टी के सदस्य नहीं थे। उनकी बौद्धिक प्रतिभा का कोई सानी नही था। इसलिए आंबेडकर को संविधान की प्रारूप समिति का अध्यक्ष बनाना किसी व्यक्ति की इच्छा नहीं, इतिहास की अनिवार्यता थी। विनम्र जिम्मेदारी के साथ कहना चाहता हूं कि यदि बाबा साहब प्रारूप समिति के अध्यक्ष नहीं होते। तो संविधान उस तरह लगभग 300 सदस्यों की बहस को अपनी प्रतिभा से समेटते तीन बरस में लिखा नहीं जा सकता था। इतिहास का सच है कि आंबेडकर का विकल्प नहीं था। संविधान के एक एक अनुच्छेद पर बाबा साहब की तीखी नजर रहती थी। गफ़लत में नहीं होते थे। न अनदेखी करते थे। जानना जरूरी है कि उनसे सहयोग करने कानूनी विद्वानों की आलिम फाज़लि समिति भी थी जो उनसे सहकार करती थी। इसका अहसान भी

उन्होंने माना है।

आंबेडकर की सबसे बड़ी खसूसियत का ब्यौरा लोग बताते तक नहीं। वे अपने तईं कई तरह की संवैधानिक व्याख्याओं में विश्वास करते थे। उसका ब्यौरा उन्होंने लेखी में और भाषणों में भी दिया है। जब संविधान सभा का बहुमत उनसे सहमत नहीं होता था, चाहे उसके लिए कोई भी वजह रही हो, तब आंबेडकर की उदारता थी कि उन्होंने निजी रूप में कहे गए अपने विचारों को प्रारूप समिति के चेयरमैन के भाषणों के नीचे दफ्न कर दिया। यदि आंबेडकर ने निजी राय को बहुमत ने खारिज करके दाखिल दफ्तर नहीं किया होता, तो हिन्दुस्तान के आईन की हालत शायद बेहतर होती। मसलन जब मूल अधिकारों को लेकर सरकार पर बंदिश लगनी थी कि मूल अधिकार तब ही प्रभावित होंगे जब 'ड्यू प्रोसेस आफ लॉ' की परीक्षा में खरे उतरें। तब संविधान सलाहकार बी० एन० राव ने भांजी मारी कि अमेरिका के सबसे प्रभावशाली जज फेलिक्स फ्रैंकफर्टर ने सलाह दी है कि जनता के मूल अधिकारों पर आंच की जांच बड़ी अदालतें 'ड्यू प्रोसेस ऑफ लॉ' के तहत करेंगी, तो मुकदमों की बाढ़ आ जाएगी। भारत अमेरिका की तरह अनुभवसिद्ध लोकतंत्र नहीं है, जहां वर्षों से संविधान की हुकूमत चल रही है। तब एक नया लोकतंत्र हुकूमत कैसे करेगा? इसलिए उसे कहें **procedure established by law**. बहुत दुख के साथ अम्बेडकर ने कहा था मैं मानता हूं कि ऐसा मंत्रिमंडल आ सकता है जो जनता के खिलाफ गैरमुनासिब फैसला करे। दूसरी ओर काले कोट में लकदक पांच छह जज बंद कमरे में बैठकर सरकारी फैसला बदल दें। एक तरफ कुआं है। दूसरी तरफ खाई है। मंत्रिपरिषद और सुप्रीम कोर्ट के संभावित विवाद को लेकर आंबेडकर ने कहा था आप लोग खुद फैसला करिए। मैं कुछ नहीं कह सकता।

हिन्दू मुस्लिम के सवाल पर अम्बेडकर दूसरों से ज़्यादा वैज्ञानिक और स्पष्टवादी थे। उन्होंने साफ कहा बहुसंख्यक लोग सोचें कि अल्पसंख्यक उन पर बोझ हैं या इतिहास की अतिरिक्तता या दुर्घटना हैं। तो अल्पसंख्यक भयंकर विस्फोटक के बराबर होते हैं। अगर फटे तो सारे राजकीय ढांचे को तहस नहस कर सकते हैं। यूरोप का इतिहास इसका उदाहरण है। यह नज़रिया बदलना पड़ेगा। अल्पसंख्यक भी सोचें हर समय पूरी तौर पर सांस्कृतिक और साम्यतिक तौर पर अलग थलग ही रहेंगे। तो वह भी एक गलत नज़रिया है।

यक्ष प्रश्न है बाबा साहब ने तो हमवतनों को बहुत कुछ दिया। बाद की भारतीय पीढ़ी ने बाबा साहब की कितनी बात मानी? दलितों के मसीहा ने दलितों के अधिकारों के लिए भीख नहीं मांगी। संघर्ष करना सिखाया। उनके नाम से अपनी राजनीतिक दूकान सजाने वाले तरह तरह के अनुयायी दलित वर्गों को किस तरह बांट चुके हैं। दलित महिलाओं का सड़कों पर बलात्कार और उन पर अत्याचार किया जा रहा है। योग्यता के बावजूद भी उन्हें बडे पद नहीं मिलते। न्यायपालिका की नौकरियों में दलितों का कितना स्थान है? क्या हिन्दुस्तान में जातिवाद खत्म हो रहा है? क्या जातीय जनगणना ही उनकी तरफ जाने का इकलौता रास्ता है? नागपुर में बाबा साहब हिन्दू धर्म छोड़कर बौद्ध धर्म में चले गए थे। आंबेडकर की शोहरत उपलों की दीवार नहीं है, जिसे एक झटके से गिरा दिया जाए।

बाबा साहब ने सिखाया संविधान वह किताब है जो हर हिन्दुस्तानी के हाथ में होनी चाहिए। देश में 80 करोड़ से ज़्यादा लोगों को हर माह पांच किलो राशन सरकार से मुफ्त में दिया जा रहा है। उससे लोकतंत्र चल रहा है। सरकार चल रही है। तो संविधान की पोथी हर एक हाथ में क्यों नहीं हो सकती जिससे हर मनुष्य में अपनी जम्हूरियत का गौरव तो हो?

रायपुर
रविवार 12 अप्रैल 2026
बैशाख कृष्ण पक्ष दशमी
वर्ष : 24, अंक : 261
पृष्ठ : 14+8 = 22, मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 38.2
न्यून. 23.3

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

02 मधुबाला की बायोपिक में निभाएंगी लीड रोल

आजकल पेज
युद्ध विराम के कगार पर खड़ी जंग

haribhoomi.com

नौ राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों में कटे 6.08 करोड़ मतदाताओं के नाम

देश में वोटर लिस्ट को लेकर चलाए गए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद बड़ा बदलाव सामने आया है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों की संयुक्त मतदाता सूची में करीब 6.08 करोड़ मतदाताओं की कमी आई है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

यह आंकड़ा तब सामने आया जब उत्तर प्रदेश ने अपनी अंतिम मतदाता सूची जारी की, जिसके साथ ही एसआईआर का दूसरा चरण पूरा हो गया। इस चरण में जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मतदाता सूची प्रकाशित हुई है, उनमें पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, राजस्थान, छत्तीसगढ़, केरल, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, गुजरात, मध्य प्रदेश और गोवा शामिल हैं। चुनाव आयोग के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के दूसरे फेज के तहत यूपी में फाइनल वोटर लिस्ट जारी की गई। इसके पूरा होने के बाद 9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों की वोटर लिस्ट में कुल 6.08 करोड़ नाम कम हुए हैं।

विशेष गहन पुनरीक्षण का दूसरा चरण हुआ पूरा

यूपी, बंगाल और तमिलनाडु में कितने वोटरों के नाम कटे

एसआईआर के बाद यूपी में 2.04 करोड़, पश्चिम बंगाल में 91 लाख वोटरों के नाम चुनावी लिस्ट से काटे गए हैं। प्रतिशत के लिहाज से देखें तो अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में वोटरों के नाम में 16.9 फीसदी कटौती हुई। यूपी और गुजरात में 13-13 फीसदी, पश्चिम बंगाल में 12 फीसदी, तमिलनाडु में 11.5 फीसदी, छत्तीसगढ़ में 11.7 फीसदी वोटरों के नाम कटे।

एसआईआर में सबसे ज्यादा किनके नाम कटे

एसआईआर में सबसे ज्यादा वोटरों के नाम शहरी क्षेत्रों से कटे हैं। सबसे बड़ी वजह माइग्रेशन है। इसके अलावा, कुछ के अनुपस्थित रहने, शिफ्ट होने, मृत होने की वजह से भी कई वोटरों के नाम कटे हैं। 1.46 करोड़ वोटर्स मृत पाए गए। वहीं, 4.6 करोड़ वोटरों ने अपना आवास बदल लिया था।

बंगाल में 27 लाख वोटरों के नाम का मिलान नहीं

पश्चिम बंगाल में 27 लाख वोटर्स के नाम इसलिए काट दिए गए, क्योंकि 2002 के इलेक्टोरल रोल्स से उनके नाम का मिलान नहीं हो पाया। यूपी में जनवरी में ड्रॉफ्ट रोल आया था, जिसमें 18.7 फीसदी काटे गए थे। मगर, बाद में कई दावे और आपत्तियों के बाद 84.28 लाख नाम और जोड़े गए। सबसे ज्यादा प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, गाजियाबाद और जौनपुर में नाम वोटर लिस्ट में जोड़े गए।

हेलीपैड की जगह कार पार्किंग में उतार दिया मंत्री का हेलीकॉप्टर

पुणे। महाराष्ट्र की फडणवीस सरकार में मंत्री छगन भुजबल का हेलीकॉप्टर गलत जगह उतर गया। इस मामले में पायलट की लापरवाही भी सामने आ रही है। पायलट ने उनके हेलीकॉप्टर को हेलीपैड की जगह कार पार्किंग में उतार दिया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कराने की बात कही है।

जानकारी के मुताबिक, हेलीकॉप्टर को निर्धारित हेलीपैड पर उतारने के बजाय पायलट ने कार पार्किंग में लैंड करा दिया। यह घटना तब हुई जब छगन भुजबल नासिक से पुणे के खानवडी में एक जिला परिषद स्कूल के उद्घाटन कार्यक्रम के लिए जा रहे थे।

नासिक से पुणे आ रहे थे भुजबल

लैंडिंग के दौरान पायलट ने बड़ी चूक की और हेलीपैड की जगह स्कूल के पास स्थित पार्किंग क्षेत्र में हेलीकॉप्टर उतार दिया। इस अचानक हुई लैंडिंग से कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोगों के बीच डर का माहौल बन गया।

सीएम बोले- घटना की होगी जांच

मंत्री छगन भुजबल पूरी तरह सुरक्षित हैं लेकिन इसमें पायलट की लापरवाही सामने आई है। मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने साफ किया कि इस पूरी घटना की जांच कराई जाएगी।

डीजल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी 55.5, एटीएफ पर 42 रुपए

नई दिल्ली। सरकार ने शनिवार को डीजल के निर्यात शुल्क या अप्रत्याशित लाभ कर को बढ़ाकर 55.5 रुपए प्रति लीटर कर दिया है। विमान ईंधन (एटीएफ) के लिए यह दर अब 42 रुपए प्रति लीटर होगी। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि शुल्क में यह बढ़ोतरी तत्काल प्रभाव से लागू होगी। इससे पहले 26 मार्च को सरकार ने डीजल पर 21.50 रुपए प्रति लीटर और एटीएफ पर 29.5 रुपए प्रति लीटर का निर्यात शुल्क लगाया था। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच घरेलू बाजार में ईंधन की उपलब्धता बढ़ाने के लिए ये शुल्क लगाए गए थे। इन शुल्कों का उद्देश्य निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय और घरेलू कीमतों के अंतर का अनुचित लाभ उठाने से रोकना है।

■ सरकार ने बढ़ाया अप्रत्याशित लाभ कर

फैसले का मतलब?

सरकार की ओर से डीजल पर निर्यात शुल्क में की गई 34 रुपए प्रति लीटर की भारी बढ़ोतरी का मकसद घरेलू बाजार में ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना है। साथ ही तेल कंपनियों की ओर से कमाए जा रहे अत्यधिक 'विंडफाल प्रॉफिट' पर लगाम लगाना है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

आपस में टकराए तीन वाहन, सात की मौत

कटिहार। बिहार के कटिहार जिले में शनिवार शाम बस, ट्रक और पिकअप वैन की आपस में हुई टक्कर में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 अन्य घायल हो गए। पुलिस अधीक्षक (एसपी) शिखर चौधरी ने पत्रकारों को बताया कि कटिहार के कोढ़ा प्रखंड में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) 31 पर दुर्घटना हुई। घायलों को नजदीकी सरकारी अस्पताल ले जाया गया। एसपी ने बताया कि हताहतों की संख्या बढ़ सकती है।

लद्दाख को आधार के रिकार्ड में मिली अलग पहचान

लेह। जम्मू कश्मीर के पूर्ववर्ती राज्य से 2019 में पृथक केंद्र शासित प्रदेश के तौर पर सृजन के लगभग सात साल बाद लद्दाख ने आखिरकार आधार रिकॉर्ड में अपनी एक अलग पहचान हासिल कर ली है। आधार में 'जम्मू कश्मीर' को हटकर अब 'लद्दाख' कर दिया गया है। लोक भवन के प्रवक्ता ने बताया कि जनता की लंबे समय से चली आ रही इस मांग को लद्दाख के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना के हस्तक्षेप के बाद पूरा किया गया।

सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत

चाईबासा। पश्चिम सिंहभूम जिले में एक यात्री वैन और मोटर साइकिल की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। दुर्घटना शुक्रवार रात हटगम्हरिया थाना क्षेत्र के नुर्दा टोला में हुई। मृतकों की पहचान बिपिन सिंकू और विक्रम सिंकू के रूप में हुई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। 20 वर्ष की उम्र के आसपास के चार युवक मुंडा शाही में पारंपरिक हो समुदाय के एक अनुष्ठान में शामिल होकर तेज रफ्तार मोटरसाइकिल से बालंदिया की ओर जा रहे थे। उनमें से केवल एक ने हेलमेट पहना था।

तरकश

संजय के. दीक्षित

डिप्टी सीएम की वैकेंसी?

राजनीतिक गलियारों में जैसी की चर्चाएं हैं, 3 मई के बाद छत्तीसगढ़ में एक डिप्टी सीएम की वैकेंसी हो सकती है। 3 मई को पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की काउंटिंग है। इसके बाद बीजेपी नितिन नबीन की टीम बनाने पर अपना फोकस करेगी। यूपी में अगले साल इलेक्शन है और वहां ब्राम्हण समेत कई जातियां बीजेपी से बहुत खुश नहीं है। इसलिए टीम नितिन में सबको साधने का प्रयास किया जाएगा। बहरहाल, बात छत्तीसगढ़ में डिप्टी सीएम की वैकेंसी की...तो डिप्टी सीएम के करीबी लोग भी तस्दीक कर रहे हैं कि भाई साब को राष्ट्रीय महासचिव बनाया जाएगा। छत्तीसगढ़ में फिलवक्त दो डिप्टी सीएम हैं। एक अगर दिल्ली गए तो फिर सिंगल डिप्टी सीएम बच जाएंगे। सियासी संतुलन के हिसाब से सरकार भी नहीं चाहेगी कि एक उप मुख्यमंत्री रहें। इसलिए, जुलाई में संभावित मंत्रिमंडल की सर्जरी में किसी नए या पुराने में से एक को डिप्टी सीएम बनाया जाएगा। मगर तब, जब भाई साब जनरल सिकेट्री बन जाएं।

जनरल सिकेट्री के मायने

वैसे तो बीजेपी की नेशनल बॉडी में पूर्व मंत्री लता उसेंडी के शामिल होने की संभावना अधिक है। वे 10 साल तक मिनिस्टर रही हैं। जगतप्रकाश नड्डा की टीम में भी रहीं। उनके बनने से दो कोटे की पूर्ति होगी। ट्राईबल और महिला। बहरहाल, डिप्टी सीएम के नितिन नबीन की टीम में शामिल होने की चर्चाएं हैं तो सवाल भी उठते हैं कि उप मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ भाई साब दिल्ली में इतनी उत्सुकता क्यों दिखा रहे? इसका जवाब है कि उनका एज अभी काफी कम है। दिल्ली के क्लोज अगर हो गए तो राज्य में बड़े एक्सपोजर के साथ कभी भी वापसी हो सकती है। राज्य में नहीं भी आए, दिल्ली की सियासत में मामला ठीकठाक जम गया तो वो भी बुरा नहीं...ओजस्वी वक्ता तो हैं ही इंग्लिश भी ठीकठाक झाड़ लेते हैं। इसलिए, डिप्टी सीएम साब भी जनरल सिकेट्री बनने की चर्चाओं को खारिज नहीं कर रहे।

जुलाई में सर्जरी

छत्तीसगढ़ समेत पांच राज्यों में नवंबर 2023 में विधानसभा चुनाव हुए, जुलाई में वहां ढाई साल पूरा हो जाएगा। अब बाकी राज्यों के बारे में गारंटी के साथ कुछ नहीं कहा जा सकता मगर छत्तीसगढ़ में मंत्रियों के जो हालात है, उससे मेगा सर्जरी अवश्यंभावी है। जुलाई में ही सर्जरी इसलिए कि 3 मई को काउंटिंग के बाद करीब 15 मई तक बीजेपी सरकार बनाने और जश्न सेलिब्रेट करने में व्यस्त रहेगी। 15 मई के बाद टीम नितिन नबीन बनाने पर मंथन प्रारंभ होगा। ऐसी संभावना है कि मई लास्ट या जून फर्स्ट वीक तक राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन कर लिया जाएगा। इसके बाद फिर केंद्र सरकार जिन राज्यों के ढाई साल कंप्लीट हो गए हैं, उस पर अपना ध्यान केंद्रित करेगी। केंद्र को इसमें ज्यादा वक्त नहीं लगेगा क्योंकि उसके पास पूरी रिपोर्ट है। छत्तीसगढ़ की आईबी तो और काफी एक्टिव है। यहां मंत्रियों के कारनामों की छोटी-से-छोटी सूचना भी मुख्यालय को भेजती है। लिहाजा, जुलाई में जो सर्जरी होगी, वो मेजर होगी। दावे तो ये किए जा रहे...आधा दर्जन से अधिक मंत्रियों को शानो-शौकत वाले लग्जरी बंगले से बोरिया-बिस्तर समेटना पड़ सकता है।

बेलगाम मंत्री, भ्रष्ट विभाग

छत्तीसगढ़ सरकार एक तरफ महिलाओं के उत्थान के लिए महतारी वंदन योजना चला रही है। हर महीने उनके खाते में नियम से हजार रुपए ट्रांसफर किया जाता है। दूसरी तरफ शर्मनाक स्थिति यह है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को साड़ी बांटने में डंडी मारी जा रही। हद है...महिला बाल विकास विभाग ने साढ़े पांच की जगह पांच मीटर की साड़ी सप्लाई कर दी। सरकार को इसमें कड़ा तेवर दिखा जिम्मेदारों को उल्टा लटकाना चाहिए। क्योंकि, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं सरकार और सत्ताधारी पार्टी के लिए ओपिनियन मेकर होती हैं। वैसे भी सरकार की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। आश्चर्य की बात कि कई बड़े और ऐतिहासिक सुधार के काम करने के बाद भी सरकार को उसका क्रेडिट नहीं मिल रहा तो उसकी मूल वजह करप्शन है और मंत्रियों का बेलगाम होना। बीजेपी के लोग भी मान रहे कि अगले दो-तीन महीने में अगर मंत्रिमंडल में सर्जरी नहीं हुई तो फिर 2028 के विधानसभा चुनाव में बड़ा संकट खड़ा हो जाएगा। आखिर, मंत्री और नेता अपने हाथों ही पार्टी और सरकार की लंका कर देंगे तो मोदी, अमित शाह और नितिन नबीन कितना क्या कर लेंगे?

डीजीपी और कांटे का टक्कर

लास्ट संडे को छुट्टी का दिन होने के बाद भी गृह विभाग के मुलाजिमों को शाम तक मंत्रालय में बिठाकर रखा गया कि पूर्णकालिक डीजीपी का आदेश निकालना है। मगर टक्कर इतना जोरदार है कि सिस्टम किसी एक नाम पर फैसला नहीं कर पाया। डीजीपी के दावेदारों में एक यूपी के ठाकुर हैं तो दूसरे राजस्थान के वैश्य। जाहिर है, दोनों अपनी तरफ से कोशिशें कम नहीं कर रहे होंगे। मगर सरकार बड़ी दुविधा में है। किसके नाम पर मुहर लगाएं...एक है तो वो कुछ सुनता नहीं...सिस्टम को चिंता यह भी खाये जा रही है। सियासी दृष्टि से भी दोनों कमजोर नहीं। वैसे भी ठाकुर और वैश्य कम्यूनिटी में ये अच्छी बात है कि उनके लिए समाज फर्स्ट होता है, पार्टी सेकेंड्री। सो, मुकाबला टाईट है। हालांकि, एक बात तय है कि दोनों में से डीजीपी वही बनेगा, जिसके माथे पर लिखा होगा। भला अमरनाथ उपध्याय ने कभी कहां सोचा था कि गिरधारी नायक जैसे आईपीएस के होते वे कभी डीजीपी बन जाएंगे। मगर ऐसा हुआ...29 साल की सर्विस में एडीजी होते हुए वे डीजीपी बन गए थे। उनके लिए तत्कालीन मुख्य सचिव सुनिल कुमार प्रगट हो गए थे। उन्होंने अशोक जुनेजा को हाथोंहाथ लेटर लेकर दिल्ली भेजा और एमएचए सिकेट्री को फोन कर उसी दिन शाम को 29 साल की सर्विस में डीजीपी बनाने का परमिशन ले लिया। तो अतीत में ऐसा भी हुआ है, इसका स्मरण रखना चाहिए।

2001 बैच तक दावेदार

छोटे राज्यों में अफसरों की कमी की वजह से भारत सरकार ने डीजीपी बनाने के लिए आईपीएस की 30 बरस की सर्विस को पांच साल कम कर 25 साल कर दिया है। छत्तीसगढ़ सरकार अगर इसे फॉलो करें तो 2001 बैच तक के आईपीएस अधिकारी डीजीपी के लिए दावेदार हो जाएंगे। याने एसआरपी कल्लूरी से लेकर प्रदीप गुप्ता, विवेकानंद, दीपांशु काबरा, अमित कुमार और डॉ0 आनंद छाबड़ा तक। तब सरकार के पास ढेरो विकल्प होते। मगर सरकार ने डीजीपी के पेनल के लिए 30 साल की सर्विस को मान्य करते हुए तीन अफसरों के नाम ही यूपीएससी को भेजे थे। इनमें से यूपीएससी ने दो के ही पेनल भेजे।

एडीजी के नीचे एडीजी

अफसरों की सरकार से नाराजगी कोई नई बात नहीं। हर टेन्योर में कुछ अफसर सिस्टम के निशाने पर होते हैं। मगर पोस्टिंग प्रोटोकॉल में वह शो नहीं होनी चाहिए। उदाहरण के लिए दीपांशु काबर और डॉ0 आनंद छाबड़ा की पोस्टिंग को लें। दीपांशु काबरा पीएचक्यू में एडीजी ट्रेनिंग हैं और प्रमोट हुए एडीजी छाबड़ा भी एडीजी ट्रेनिंग। याने एडीजी के नीचे एडीजी। कायदे से ऐसा होना नहीं चाहिए। सिस्टम चाहे तो भले ही पोस्टिंग न दें, मगर सीनियर, जूनियर को एक ही पद पर नहीं बिठाना चाहिए।

वायरल रील्स और उठते सवाल

छत्तीसगढ़ की पुलिस बिरादरी में एक रील्स बड़ी वायरल है। उसमें इंटरव्यू बोर्ड पुलिस की नौकरी के लिए अप्लाई किए अभ्यर्थी से पूछा...पुलिस के लिए 150 रुपए पौष्टिक भत्ता मिलता है, आप पुलिस में हैं तो इसे कैसे मैनेज करेंगे? जवाब बड़ा इंटरेस्टिंग और सिस्टम पर करारा प्रहार करने वाला है। अप्लीकेंट बोला, सर...150 रुपए के हिसाब से एक दिन का पांच रुपए हुआ। पांच रुपए का एक नींबू आता है, रोज उसमें नमक लगाकर चाट लेंगे। इससे विटामिन सी की पूर्ति हो जाएगी फिर आयोडिन मिलेगा, इससे पुलिस वालों को घेंघा रोग नहीं होगा। हालांकि, रील्स बनाने वाले ने त्रुटिवश इसमें 50 रुपए बढ़ा दिया है। वास्तव में हमारे जवानों को पौष्टिक भत्ते के रूप में मिलता 100 रुपए है। मध्यप्रदेश के दौर में तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह ने 1982 में पुलिस वालों के लिए 100 रुपए पौष्टिक भत्ता शुरू किया था। और 44 साल बाद भी यह 100 से बढ़ा नहीं। जबकि, यूपी में 5000 और पंजाब में 6000 पौष्टिक भत्ता मिलता है। जाहिर है, पुलिस की नौकरी सबसे टफ है। बरसात हो या चिलचिलाती धूप, या हाड़ कंपाने वाली ठंड...पुलिस को मुस्तैद रहना होता है। मंत्री, मिनिस्टर या बड़े लोगों का वीवीआईपीनेस भी वर्दीधारियों की संख्या के चलते ही प्रगट होता है फिर भी ये हाल? छत्तीसगढ़ में अभी तक 11 डीजीपी रह चुके। मगर किसी ने भी कोई जवानों के लिए एफर्ट नहीं दिखाया। दरअसल, आईपीएस और स्टेट पुलिस सर्विस वालों को काजू-बादाम जैसे पोष्टिक चीजें खरीदनी नहीं पड़ती, इसलिए वे पौष्टिक पदार्थो के रेट से वाकिफ नही होते। इसलिए, उन्हें जवानों की चिंता भी नहीं होती। अर्जुन सिंह राजा होकर भी संवेदनशील थे, ये अलग बात है। बहरहाल, प्रभारी डीजीपी अरुणदेव गौतम को पौष्टिक भत्ता बढ़ाने के लिए अब तक के सबसे तेज-तर्रार गृह मंत्री विजय शर्मा से बात करनी चाहिए। क्योंकि, बाकी डीजीपी के समय विजय शर्मा जैसा कोई ताकतवर गृह मंत्री नहीं रहा।

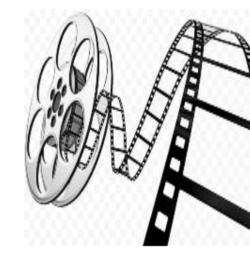

अंत में दो सवाल आपसे?

1. क्या 2010 बैच का कोई आईएएस अफसर भी डेपुटेशन पर दिल्ली जा रहा है?
2. छत्तीसगढ़ के एक मिनिस्टर का नाम बताइये, जिन्हें कुछ समझ में नहीं आता, उनके विभाग सिकेट्री चला रहे हैं?

रैना के शो 'स्टिल अलाइव' ने मचाया तहलका...

मुंबई। चर्चित स्टैंड-अप कॉमेडियन समय रैना एक बार फिर खबरों में छाए हुए हैं। इसकी वजह यूट्यूब की दुनिया में उनकी धमाकेदार वापसी है, जो साल 2025 में हुए 'इंडियाज गॉट लेटेंट' विवाद के बाद उनकी वापसी का प्रतीक है। करीब एक साल से ज्यादा वक्त तक स्टैंड-अप कॉमेडी से दूर रहने के बाद रैना ने अपने नए शो 'स्टिल अलाइव' से वापसी की। दिलचस्प बात ये है कि उनके इस नए शो ने इंटरनेट पर धूम मचाकर रख दी है।

24 घंटे में मिले करोड़ों व्यूज : 'स्टिल अलाइव' को कॉमेडियन के यूट्यूब चैनल पर 7 अप्रैल को रिलीज किया गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, वीडियो ने 24 घंटे के अंदर 2.20 करोड़ से ज्यादा व्यूज हासिल करते हुए भारतीय यूट्यूब कॉमेडी के इतिहास में एक नया रिकॉर्ड बना दिया है। हालांकि, खबर लिखे जाने तक वीडियो ने यूट्यूब पर 2.40 करोड़ से ज्यादा व्यूज हासिल कर लिए हैं, जो उनके अभी तक किसी भी वीडियो को मिले व्यूज के मुकाबले सबसे ज्यादा हैं।

'इंडियाज गॉट लेटेंट सीजन 2' का दिया संकेत : 'स्टिल अलाइव' के जरिए रैना ने फैंस को अपने मुश्किल वक्त की दास्तां सुनाई है। शो के आखिर में वह भावुक भी हो गए और 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के विवाद के बाद अपने संघर्ष का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि कैसे एक वीडियो की वजह से उन्हें लोगों की ट्रोलिंग और धमकियों का सामना करना पड़ा था। हालांकि, फैंस उस वक्त खुश हो गए, जब उन्होंने वीडियो के आखिर में 'इंडियाज गॉट लेटेंट सीजन 2' का संकेत दिया।

मधुबाला की बायोपिक में निभाएंगी लीड रोल

मुंबई। पर्दे पर भारतीय सिनेमा की सबसे खूबसूरत अदाकारा मधुबाला की जिंदगी को उतारने की तैयारी तेज हो गई है। लंबे समय से चर्चा थी कि फिल्म 'धुरंधर 2' फेम सारा अर्जुन इस बायोपिक में लीड रोल निभाएंगी, लेकिन अब कहानी में एक बड़ा ट्विस्ट आ गया है। सारा अर्जुन की जगह अब साउथ फिल्म इंडस्ट्री की लोकप्रिय एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन के नाम पर मोहर लगा दी गई है। इस फिल्म का निर्देशन जसमीत करेंगी, जिन्होंने इससे पहले आलिया भट्ट, शेफाली शाह और विजय वर्मा अभिनीत बेहतरीन फिल्म 'डार्लिंग्स' का निर्देशन किया था। प्रोडक्शन हाउस के एक सूत्र ने जूम को बताया कि भारतीय सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित सितारों में से एक को भव्य श्रद्धांजलि देने के लिए बनाई जा रही इस फिल्म के निर्माता, कल्याणी को कास्ट करने के लिए काफी उत्सुक हैं। 'लोकाह' की अखिल भारतीय सफलता के बाद कल्याणी निर्माताओं की पहली पसंद बनी हुई हैं। अभिनेत्री की बढ़ती लोकप्रियता, उनकी स्वाभाविक मासूमियत और पर्दे पर उनके जादू ने उन्हें इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के लिए एकदम फिट बना दिया है।

विक्की की 'महावतार' में होंगी शामिल

मुंबई। 'स्त्री' फ्रैंचाइजी के निर्देशक अमर कौशिक अपनी महात्वकांक्षी परियोजना 'महावतार' के लिए श्रद्धा कपूर से बाचीत कर रहे हैं। अगर सब कुछ तय हो जाता है तो फिल्म की शूटिंग जून, 2026 से शुरू की जा सकती है। सूत्र ने कहा, श्रद्धा इस किरदार के लिए बिल्कुल सही हैं। टीम ऐसी अभिनेत्री की तलाश में थी जो स्टार वैल्यू और दमदार उपस्थिति ला सके। निर्माताओं को उम्मीद है कि विक्की कौशल के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों को पसंद आएगी।विक्की कौशल के लिए साल 2025 बेहद शानदार साबित हुआ।

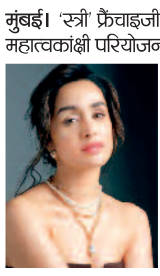

फिल्म 'मातृभूमि' से नया गाना जारी, नए चेहरे आए नजर...

मुंबई। सलमान खान अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर खबरों में छाए हैं। अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित यह फिल्म पहले अप्रैल, 2026 में रिलीज होनी थी, लेकिन अब रिलीज अगस्त तक आगे बढ़ा दी गई है। इस बीच, अभिनेता ने लोगों में फिल्म का उत्साह बनाए रखने के लिए नया गाना 'मेरा जी नहीं भरा' जारी किया है। हालांकि, इसमें चित्रांगदा सिंह के साथ वह खुद नजर नहीं आए हैं, बल्कि 2 नए चेहरों का परिचय कराया गया है। 'मेरा जी नहीं भरा' गाने को श्रेया घोषाल और विशाल मिश्रा ने आवाज दी है। यह गाना 2 नए चेहरों जैन शॉ और अभिश्री सेन पर फिल्माया गया है, जो फिल्म में अहम किरदारों में नजर आएंगे। सलमान ने वीडियो साझा करते हुए लिखा, 'सिल्वर स्क्रीन पर आपका स्वागत है...जैन शॉ और अभिश्री सेन।' इससे पहले 'मातृभूमि' के 2 अन्य गाने, 'मैं हूं' और 'चांद देख लेना' जारी हो चुके हैं, जिनका फिल्मांकन सलमान और चित्रांगदा पर किया गया था।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

टेलीकॉलर

Requirment- Creditsea Finance Hiring Telecaller - Collection Associates (Hindi, English, Tamil, Telugu, Kannada, Malayalam). Salary 15,000–25,000; Male/Female; Complete Desk Job.3rd floor, Radhey Chambers, Pandri. Contact HR : 9109165137, 7999611198, 9131205196; Freshers, Experienced apply Immediately now. (RO-7243)

ऑपरेटर/गोडाऊनकार्य

आवश्यकता है- होलसेल दवा दुकान में कंप्यूटर ऑपरेटर एवं गोडाऊन कार्य हेतु युवक/युवती की आवश्यकता है। बायोडाटा सहित संपर्क करें- ओम मेडिको मकान नं. A 31, राधा स्वामी नगर भाठागांव चौक रिंग रोड नंबर 1, रायपुर मो. नं.- 7587068312. (RO-6628)

सुपरवाइजर

आवश्यकता है- प्लांट सुपरवाइजर (2 वर्ष का अनुभव) की आवश्यकता है। कविता पॉलीमर्स, यूनिट-2, उरकुरा रेल्वे स्टेशन रोड, भनपुरी, रायपुर मो नं 9522828888. (RO-0376)

पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- प्लास्टिक पाइप एवं प्लास्टिक सामान पेकींग कार्य करने हेतु रहकर काम करने वाले लड़को की आवश्यकता हैं। रूम / बिजली सुविधा फ्री, पता- बंजारी मंदिर के पास, रावांभाटा, रायपुर, मो. 8011346678. (RO-072)

हरिभूमि क्लासीफाईड

आवश्यकता

आवश्यकता है- देवपुरी स्थित आवासी सोसायटी में क्लब व सोसायटी रख- रखाव, मेंटेनेंस हेतु आवश्यकता है। मैनेजर-1, सुपरवाइजर-2, इलेक्टीशियन -1, प्लंबर -1, वेतन योग्यता अनुसार। संपर्क समय 11 से 1:00 बजे तक मो. नं- 9584575000, 9584675000. (RO-6629)

कंप्यूटर कर्मी

आवश्यकता है- रायपुर के लिए Computer Opreter जो Gem/ Excel / Software चलाने का 6 माह का अनुभवी, एवं दवाई लाइन के लिए M/F एक वर्ष का अनुभवी भी संपर्क करें- 207 खत्री टावर औषधि वाटिका डूमरतराई रायपुर 99261-33233. Mail id: tenders.sonu@gmail.com (आरो-6631)

आवश्यकता है- फीमेल अनुभवी कंप्यूटर स्टाफ, और ग्रेजुएशन कि हो, सैलरी 13000/- से ऊपर । राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केंद्र, कल्याण हॉस्पिटल पीछे, फफ़ाडीह, रायपुर -(छ:ग) मोबा.- 9039050422, 9424218055. (RO-849.)

आवश्यकता है- कंप्यूटर कार्य में निपुण लड़की की समय: 9AM–6PM, स्थान: कोहका, भिलाई, MO.- 9522558544. (आरो -249)

आवश्यकता है- फील्ड में कार्य हेतु मैनेजर, पेमेन्ट रिकवरी, कम्प्यूटर ऑपरेटर, बिजी, जीएसटी, अकाउंट कोटेशन जानकार लड़कों/ लड़कियों एवं मिस्त्री मैकेनिक चाहिए सम्पर्क करें- गुरुद्वारा के बाजू में, गोड़पारा बिलासपुर 9669211111, 9827175811. (RO-40533)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए लड़क एवं लड़की की आवश्यकता है, रायपुरा चौक चंगोराभाठा. 8839105162. (RO-398)

आवश्यकता है- युवा मेहनती लड़कों की आवश्यकता है। हार्डवेयर दुकान और गोडाऊन में काम करने के लिए। साथ ही अकाउंट्स और कंप्यूटर में रुचि रखने वालों के लिए भी अवसर है। वेतन योग्यता अनुसार स्थान: बाम्बे मार्केट राज टॉकीज के सामने संपर्क करें- 9302702087. (RO-4108)

सेल्समैन

आवश्यकता है- रेडीमेड गारमेंट्स शॉप (पंडरी) मे बंडल खोलने पैक करने के लिए स्टॉफ लड़का/ लड़की की आवश्यकता है। एवं सेल्समैन की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 7067048454. (आरो-6623)

टाइपिस्ट/ मार्केटिंग

आवश्यकता है- हिंदी एवं अंग्रेजी टाइपिस्ट की आवश्यकता है साथ ही ऑफिस मार्केटिंग हेतु लड़के एवं लड़की की आवश्यकता है उम्र 19 से 25 वर्ष मो. नं . 9926179342 स्थान पंडरी बस स्टैंड रायपुर छत्तीसगढ़ (RO-513)

आवश्यकता

आवश्यकता है- रायपुर व नया रायपुर में ग्राहक सेवा सहयोगी /TL भर्ती। (केवल पुरुष) योग्यता: किसी भी विषय में ग्रेजुएट, हिंदी- अंग्रेजी में अच्छी पकड़, 20 WPM टाइपिंग। शिफ्ट: 2 PM - 10 PM, 10PM-6AM इंटरव्यू: 11– 20 अप्रैल, 10AM–5PM, सिविल लाइन पुलिस थाना, रायपुर। संपर्क: 9212138468 .(RO-4111)

होटलकर्मी

आवश्यकता है- होटल कार्य (महिला/ पुरुष) पोस्ट - कुक/ शेफ, किचन स्टाफ, सुपरवाइजर, मैनेजर , रिसेप्शनिस्ट, सफाई कर्मचारी, वेटर,कप्तान जानकार को प्राथमिकता। संपर्क -होटल अपना केशरी , होटल शिव- प्रभा , पावर हाऊस भिलाई, मो.-98932-15251, 89669-81590 (आरो नं.-246)

प्यून

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 10वीं /12वीं उत्तीर्ण पियून की आवश्यकता है। स्वयं का वहान होना अनिवार्य। वेतन योग्यता अनुसार। केवल स्थाई रूप से कार्य करने के इच्छुक व्यक्ति बायोडाटा सहित संपर्क करें- 9229303242, 9329100263. (RO-912)

हेल्पर

आवश्यकता है- इवेंट्स में लाइट/साउंड का काम करने के लिए हेल्पर / अनुभवी लड़के की जरूरत है। सैलरी 10-15000/- प्रतिमाह संपर्क करें- 9329908883. (RO-908)

सिक्योरिटी गार्ड

आवश्यकता है- Security Guard की आवश्यकता है लोकेशन- आल छत्तीसगढ़, ओड़िशा में 100 गार्ड की आवश्यकता है। गार्ड पेमेन्ट- 15000 PF+ ESIC+ Room free+ Canteen डाक्यूमेन्टस आधार, पैन, मार्क शीट, दो पासपोर्ट फोटो पास बुक सम्पर्क करें- VF Security Service Pvt. Ltd. Raipur 7880190113, 7880190114, 7880190115, 9039990116 (Ro-40495)

Finance फायनेंस

फाइनेंस - प्रगति फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस , पर्सनल, कृषि महिला समूह , मकान , दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधार कार्ड , पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज), (30% छूट) संपर्क:- 7489545029. (RO-1382)

Property प्रापर्टी

जमीन

जमीन बेचना है- NH - 30 पर कुरूद (धमतरी) संगवारी ढाबा के पास 66×140=9200 वर्गफीट का प्लाट। व्यवसायिक/आवासीय उपयोग हेतु कीमत 1000Rs वर्गफीट। संपर्क - 9425246511, 7566808000 (आरो नं.-248)

बेचना है- ग्राम देवादा में डामर रोड से लगा हुआ दुर्ग राजनांदगांव नेशनल हाईवे से 700m तथा भारत माला परियोजना से 500m की दूरी पर 130 डिसमिल जमीन बेचना है संपर्क:- 9329208720 (आरो नं.-10434)

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार)
17/09/82 हाइट 5'-11''
एमबीबीएस, अविवाहित,
डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक
मासिक आय 1.50 लाख
हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट
शिक्षित अविवाहित वधु
चाहिए। सभी हिन्दू उच्च
जाति मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें
9131453175

वधु चाहिए- श्री धीरेन्द्र सिंह ठाकुर (आयु 47), स्वस्थ, जिम्मेदार एवं पारिवारिक प्रवृत्ति के वर हेतु सुशील, सुसंस्कृत एवं समझदार वधू चाहिए। जाति बन्धन नहीं। सम्पर्क करें- +91 94255 82641 (630)

हरिभूमि क्लासीफाईड
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

ASTROLOGY ज्योतिष

ज्योतिष तांत्रिक विशेषज्ञ

पति-पत्नि में अनबन, प्रेम विवाह, राजयोग, धनयोग, विवाह योग, संतान योग, मंत्रीयोग, राजपत्रित पद व्यापार संबंधित प्रश्न, यात्रा ट्रांसफर एवं अन्य ज्योतिष प्रश्नोता, 9 ग्रह, 27 नक्षत्र 64 योगिनी, वास्तु शास्त्र तथा अन्य प्रश्नोत्तर ज्योतिष द्वारा प्राप्त करें तंत्र द्वारा वशीकरण, विवाह किसी भी परेशानी से तत्काल लाभ प्राप्त करें।

चुनाव विजय हेतु संपर्क करें।
तांत्रिक सम्राट
डॉ. जे.पी. दुबे
गली नंबर-3, शुभकामना हॉस्पिटल के पास, दुबे कॉलोनी मोवा रायपुर
96302-33918, 9238384295
नोट: भूत, भविष्य, वर्तमान की जानकारी प्राप्त करें।
स्वामी जी प्रत्येक दिन रायपुर में मिलेंगे।
आने से पूर्व एपाइंटमेंट अवश्य लें।

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

Healthcare

यौन रोग व यौन कमजोरी

प्रायः सदियों से लोग जानते हैं कि जब कोई रोग किसी भी उपाय से ठीक नहीं होता वो केवल आयुर्वेद के द्वारा ही जड़मूल से ठीक होता है लेकिन कुछ लोगों के मति मारे जाने के कारण अपने को संकट में डाल लेते हैं।

क्या आपको किसी प्रकार के वायरस (बैक्टिरिया) संक्रमण रोग है जैसे हर्पिस रोग, स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी छाले, चमड़ी का फटना, खुजली, लाल होना, पेशाब में जलन या पीप आना, मुंह में छाले, पेट के दाहिने तरफ दर्द हो तो यह हर्पिस रोग हेपेटाइटिस (ABC), सिफलिस, गौनोरिया (सुजाक) रुबेला या एच.आई.वी. (HIV, AIDS) रोग हो सकता है। ये लक्षण इसके प्रारंभिक संकेत हैं। तुरंत खून की जाँच करायें। यदि खून का रिपोर्ट ठीक भी है और आप रोग से परेशान है तो भी इसका स्थायी जड़ से ईलाज केवल आयुर्वेद के रस-रसायन में ही संभव है अन्य कोई उपाय नहीं है इसी को इम्यूनोथैरिपी कहा जाता है। ये गुप्त रोगों के नीम हकीमों से बचकर रहें तो इनकी झूठी बातें एवं निराशा से बच सकते हैं।

आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. बी.के. अग्रवाल
बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
94255-55659, 93039-48500
96177-89223, 93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

MARUTI SUZUKI
NEXA
EXPERIENCE A NEW DAWN OF ELECTRIC MOBILITY.
Redefine your boundaries with Maruti Suzuki's First Electric SUV, the e VITARA.
Turn long drives into epic journeys, backed by India's Largest Fast Charging Network.
Designed to offer everything you expect from an SUV, and everything you didn't expect from an EV.
e VITARA
India goes electric
Introductory BaaS price
₹10.99 LAKH* + Battery EMI @ ₹3.99/km
e VITARA
INDIA'S LARGEST* FAST-CHARGING NETWORK
543km RANGE
543 km RANGE*
BHARAT NCAP
5 STAR SAFETY RATING BNCAP*
NEXA edge
60% ASSURED BUYBACK AFTER 3 YEARS
COMPLIMENTARY HOME CHARGER & INSTALLATION WORTH ₹ 50 000
8 YEARS WARRANTY • BATTERY: 8 YEARS • VEHICLE: 3+5(PAID) YEARS
COMPLIMENTARY CHARGING FOR 1 YEAR
SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU
E-BOOK TODAY @ WWW.NEXAEXPERIENCE.COM
*₹ 10.99 lakh for e VITARA Delta. Battery EMI: ₹ 3.99/km (subject to financier terms). Taxes and statutory charges are extra. Visit dealership for full T&Cs. | *As certified by Kantar IMRB for an OEM platform for end-to-end usage as on November 28, 2025. | *543 km range: Certified range; actual results may vary by driving conditions and usage. | *ADAS features are for driver assistance only. Driver is responsible for safe and attentive driving. | *Always wear your seatbelt. | *Mentioned ownership plan is for e VITARA Delta variant. Calculation is done assuming vehicle is running 60 km per day, excluding charging cost. Valid on retail sales for the e VITARA till 30th April '26, capped at 1 000 units of electricity (kWh) per customer or 1 Year from the purchase of the vehicle, whichever is earlier. Assured buyback plan is available on payment basis with the option of 3 years/45 000 km or 4 years/60 000 km ownership plans (whichever is earlier). The program is offered through an Insurance company. e VITARA comes with standard warranty of 3 years/1 00 000 km with an option of extending the same on payment basis to 5 years/1 40 000 km and service activated coverage for 6th to 8th year for EV related components.

लार्ज कैप में बने निवेश के मौके

तीन से पांच साल में दे सकता है अच्छी ग्रोथ

18 महीने की कमजोरी के बाद बन रहा बढ़िया संतुलन

गिरते बाजार में लार्ज कैप बन सकता है भरोसे का सहारा

शॉर्ट टर्म दबाव के बावजूद लॉन्ग टर्म तस्वीर मजबूत

बिजनेस डेस्क

वैश्विक अनिश्चितताओं और मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच शेयर बाजार में हालिया गिरावट ने निवेशकों को असमंजस में डाल दिया है। खासकर मिड और स्मॉल कैप शेयरों में तेज गिरावट के कारण जोखिम की धारणा बढ़ी है। हालांकि, इसी दौर में लार्ज कैप शेयर निवेश के लिए मजबूत विकल्प बनकर उभरे हैं। करीब 18 महीनों की गिरावट के बाद इनका वैल्यूएशन अब आकर्षक स्तर पर आ चुका है, जिससे लंबी अवधि के निवेशकों के लिए एंट्री का अच्छा मौका बनता दिख रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि शॉर्ट टर्म में भले ही बाजार पर दबाव बना रहे, लेकिन भारत के मजबूत मैक्रो फंडामेंटल्स और कंपनियों की संभावित अर्निंग ग्रोथ आने वाले वर्षों में बेहतर रिटर्न का आधार बन सकती है। ऐसे में 3 से 5 साल का नजरिया रखने वाले निवेशकों के लिए यह समय वेल्थ क्रिएशन का अवसर साबित हो सकता है। पिछले डेढ़ साल में बाजार में आई गिरावट का असर सबसे ज्यादा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों पर देखने को मिला। हालांकि, लार्ज कैप कंपनियों ने अपेक्षाकृत स्थिरता दिखाई। इस दौरान लगातार दबाव के चलते अब इन कंपनियों के वैल्यूएशन काफी संतुलित और निवेश के लिहाज से आकर्षक हो गए हैं।

- मिड और स्मॉल कैप में गिरावट, लार्ज कैप ने दिखाई

तेल की कीमत और जियो-पॉलिटिकल टेंशन का असर

- रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल बाजार पर दबाव बना रह सकता है। मिडिल ईस्ट में तनाव, होर्मुज स्ट्रेट के आसपास क्रूड सप्लाई की चिंता और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं बाजार की दिशा तय कर रही हैं।
- इन कारणों से शॉर्ट टर्म में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। लेकिन यह दबाव स्थायी नहीं है। जैसे-जैसे परिस्थितियां सामान्य होंगी, बाजार में स्थिरता लौटने की उम्मीद है।

कंपनियों की कमाई तय करेगी भविष्य

विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में बाजार की दिशा केवल वैल्यूएशन पर निर्भर नहीं रहेगी, बल्कि कंपनियों की वास्तविक कमाई अहम भूमिका निभाएगी। लार्ज कैप कंपनियां, जो पहले से ही मजबूत बिजनेस मॉडल और स्थिर कैश फ्लो रखती हैं, इस मामले में बेहतर स्थिति में हैं। ऐसे में इन कंपनियों में निवेश करने से दीर्घकाल में बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना है।

गोल्ड, क्रिप्टो और इक्विटी हर जगह अस्थिरता

हाल के महीनों में सिर्फ शेयर बाजार ही नहीं, बल्कि गोल्ड और क्रिप्टो जैसी एसेट क्लास में भी भारी उतार-चढ़ाव देखा गया है। यह दर्शाता है कि वैश्विक निवेश माहौल फिलहाल अस्थिर है। इस तरह के समय में निवेशकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि वे भावनात्मक फैसलों से बचें और लंबी अवधि की रणनीति पर टिके रहें।

वैश्विक दबाव के बावजूद अर्थव्यवस्था स्थिर

विदेशी निवेशकों की बिकवाली और बाजार में गिरावट के बावजूद भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है। ये सभी संकेत बताते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक दबावों को झेलने में सक्षम है। तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर भी सीमित रहने की उम्मीद है।

इतिहास भी देता है यही संकेत

- अगर इतिहास पर नजर डालें, तो हर बड़े संकट के बाद बाजार ने मजबूती से वापसी की है।
- 1991 के आर्थिक सुधार
- ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस (2008)
- कोविड-19 महामारी
- इन सभी घटनाओं के बाद भारत ने न सिर्फ रिकवरी की, बल्कि पहले से ज्यादा मजबूत होकर उभरा। यही कारण है कि विशेषज्ञ मौजूदा समय को भी एक अवसर के रूप में देख रहे हैं।

3 से 5 साल में वेल्थ क्रिएशन की संभावना

- धैर्य रखने वाले निवेशकों को मिल सकता है फायदा
- -लंबी अवधि के निवेशकों के लिए मौजूदा दौर जोखिम से ज्यादा अवसर का संकेत देता है। खासकर लार्ज कैप -शेयरों में, जहां वैल्यूएशन अब संतुलित हो चुके हैं।
- यदि निवेशक 3 से 5 साल का नजरिया रखते हैं, तो इस स्तर पर किया गया निवेश अच्छी वेल्थ क्रिएशन का आधार बन सकता है।

निवेशकों के लिए क्या है रणनीति?

- समझदारी और अनुशासन है जरूरी
- लॉन्ग टर्म दृष्टिकोण अपनाएं– शॉर्ट टर्म उतार-चढ़ाव से घबराएं नहीं
- लार्ज कैप पर फोकस करें– स्थिरता और सुरक्षा के लिए
- एसआईपी के जरिए निवेश करें– बाजार टाइमिंग से बचने के लिए
- डाइवर्सिफिकेशन बनाए रखें– जोखिम कम करने के लिए

असमंजस में निवेशक

- मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं और बाजार की गिरावट ने निवेशकों को जरूर असमंजस में डाला है, लेकिन यही समय नए अवसर भी लेकर आया है। लार्ज कैप शेयरों में 18 महीनों की गिरावट के बाद वैल्यूएशन अब आकर्षक स्तर पर हैं, जो लंबी अवधि के निवेशकों के लिए एक मजबूत एंट्री पॉइंट बन सकता है।
- आने वाले 3–5 साल में, यदि आर्थिक परिस्थितियां सामान्य होती हैं और कंपनियों की कमाई में सुधार होता है, तो यह निवेश अच्छी वेल्थ में बदल सकता है। इसलिए, डर के बजाय समझदारी और धैर्य के साथ निवेश करना इस समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

बिजनेस साइट

रायपुर में 'पाटनी टोयोटा' का भव्य शुभारंभ 13 अप्रैल को, सीएम विष्णु देव साय करेंगे शुभारंभ

रायपुर। शहर के लाभांडी स्थित रीबाउंस के पास 13 अप्रैल को 'पाटनी टोयोटा' के भव्य शोरूम का शुभारंभ किया जाएगा। शाम 5 बजे आयोजित इस समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, जबकि रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल विशिष्ट अतिथि रहेंगे। कार्यक्रम में टोयोटा कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी वाइस प्रेसिडेंट सचिन शर्मा और जीएम सेल्स विनय कुमार की भी उपस्थिति रहेगी। पाटनी टोयोटा का संचालन यश पाटनी और वेदिका पाटनी के नेतृत्व में किया जाएगा। पाटनी ग्रुप के प्रमुख उमेश पाटनी और अनिता पाटनी लंबे समय से ऑटोमोबाइल व्यवसाय से जुड़े हैं। उमेश पाटनी ने बताया कि समूह पिछले 40 वर्षों से इस क्षेत्र में सक्रिय है और अब तक 5 लाख से अधिक ग्राहकों को सेवाएं दे चुका है। उन्होंने दावा किया कि इस अवधि में एक भी उपभोक्ता फोरम केस सामने नहीं आया, जो ग्राहक संतुष्टि के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

40 हजार वर्गफुट की वर्कशॉप

करीब 1 लाख वर्गफुट में फैला अत्याधुनिक शोरूम रायपुर के सबसे बड़े ऑटोमोटिव केंद्रों में शामिल होगा। इसमें 40 हजार वर्गफुट की वर्कशॉप और बॉडी शॉप भी स्थापित किया गया है। जीएम सेल्स विशाल शर्मा और जीएम सर्विस मुकेश देवांगन के नेतृत्व में प्रशिक्षित प्रोफेशनल स्टाफ ग्राहकों को उच्चस्तरीय सेवाएं प्रदान करेंगे।

1 लाख वर्गफुट में फैला अत्याधुनिक 4एस शोरूम

फ्री पिकअप-ड्रॉप की सुविधा

यश पाटनी ने बताया कि यह 4एस (सेल्स, सर्विस, स्पेयर पार्ट्स और सपोर्ट) सुविधा से लैस शोरूम है, जहां ग्राहकों को सभी मॉडल्स और उनके विभिन्न कलर विकल्प एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगे। ग्राहक सुविधा को प्राथमिकता देते हुए यहां इन-हाउस कैंटीन में मुफ्त भोजन, ग्राहकों के ठहरने के लिए बेडरूम व्यवस्था और सर्विस के लिए फ्री पिकअप-ड्रॉप सुविधा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि पाटनी टोयोटा का मुख्य उद्देश्य 'कस्टमर सैटिस्फैक्शन' है। रायपुर जैसे तेजी से विकसित हो रहे शहर में यह शोरूम ग्राहकों को विश्वस्तरीय ऑटोमोबाइल अनुभव प्रदान करेगा और क्षेत्र में सेवा के नए मानक स्थापित करेगा।

एमएम फन सिटी का 'जंगल पूल मल्टीस्टेशन' बना गर्मी में मनोरंजन का नया हॉटस्पॉट

हर आयु वर्ग को लुभा रहा नया वाटर राइड मल्टीस्टेशन

रायपुर। गोढ़ी बकतरा स्थित एमएम फन सिटी इन दिनों अपने नए आकर्षण 'जंगल पूल मल्टीस्टेशन' के कारण सुर्खियों में है। गर्मी के मौसम में यह नया वॉटर एडवेंचर जोन लोगों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बन गया है, जहां हर आयु वर्ग के लोग मस्ती और रोमांच का आनंद ले रहे हैं। 'जंगल पूल मल्टीस्टेशन' अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। इसमें विभिन्न प्रकार की वाटर स्लाइड्स, वॉटर गेम्स और सुरक्षित पूल एरिया तैयार किया गया है, जो बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों सभी के लिए उपयुक्त है। खास बात यह है कि इसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि पूरा परिवार एक साथ सुरक्षित माहौल में मनोरंजन कर सके। यही वजह है कि प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंच रहे हैं।एमएम फन सिटी पहले से ही अपने वेव पूल, रेन डांस, किड्स जोन और फैमिली पूल जैसी सुविधाओं के लिए लोकप्रिय रहा है, लेकिन जंगल पूल मल्टीस्टेशन ने इसकी पहचान को और मजबूत कर दिया है। यहां मौजूद वाटर राइड्स अलग-अलग आकार और डिजाइन में तैयार की गई हैं, जो रोमांच और मनोरंजन का बेहतरीन संतुलन प्रस्तुत करती हैं। पार्क के संचालक राजेश थौरानी ने बताया कि एमएम फन सिटी का उद्देश्य लोगों को एक ही स्थान पर सुरक्षित और आधुनिक मनोरंजन की सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि नए मल्टीस्टेशन को खासतौर पर फैमिली एंटरटेनमेंट को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। इसके अलावा यहां अन्य लोकप्रिय स्पॉट जैसे बैंक्वेट, रेस्तरां और लॉन हैं। यहां आपके और आपके परिवार के लिए आराम करने की सुविधा है। एयर कंडीशन डीलक्स रुम (सुईट) और लगभग 200 लोगों के लिए बैंक्वेट हॉल है। यही नहीं सभी प्रकार की पार्टी जैसे कारपोरेट पार्टी, बर्थडे पार्टी, मैरिज लॉन, किटी पार्टी, गेट-टू-गेदर आदि के लिए हराभरा लॉन है।

सैलरी पर भरोसा काफी नहीं, मुश्किल समय में बैकअप ही असली सुरक्षा

आज के समय में नियमित सैलरी को लोग आर्थिक स्थिरता का प्रतीक मानते हैं, लेकिन हकीकत इससे काफी अलग है। बाहर से सुरक्षित दिखने वाली नौकरीपेशा जिंदगी अंदर से कई बार बेहद कमजोर होती है। एक छोटी सी समस्या जैसे नौकरी छूटना, मेडिकल इमरजेंसी या सैलरी में देरी पूरे वित्तीय संतुलन को बिगाड़ सकती है। यही वजह है कि वित्तीय विशेषज्ञ लगातार इमरजेंसी फंड बनाने पर जोर दे रहे हैं। जानकारों का कहना है कि बिना इमरजेंसी फंड के सैलरी पर निर्भर रहना वैसा ही है जैसे बिना स्टेपनी (स्पेयर टायर) के गाड़ी चलाना। जब तक सब कुछ ठीक चलता है, तब तक कोई समस्या नहीं दिखती, लेकिन जैसे ही रास्ते में दिक्कत आती है, पूरा सफर रुक जाता है।

इमरजेंसी फंड क्यों जरूरी

इमरजेंसी फंड एक ऐसा वित्तीय सुरक्षा कवच है, जो अचानक आने वाली परिस्थितियों में आपको कर्ज लेने से बचाता है। नौकरीपेशा लोगों के लिए यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि उनकी आय का मुख्य स्रोत एक ही होता है मासिक सैलरी। हर व्यक्ति के पास कम से कम 6 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड होना चाहिए। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी परिवार का मासिक खर्च 40,000 रुपये है, तो उसे कम से कम 2.4 लाख रुपये का फंड तैयार रखना चाहिए। यह राशि किसी ऐसे माध्यम में होनी चाहिए, जहां से जरूरत पड़ने पर तुरंत पैसा निकाला जा सके जैसे सेविंग अकाउंट या फिक्स्ड डिपॉजिट।

धीरे-धीरे बनाएं इमरजेंसी फंड

अक्सर लोग सोचते हैं कि इमरजेंसी फंड बनाने के लिए एक साथ बड़ी रकम चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं है। धीरे-धीरे तैयार किया जा सकता है।

कुछ आसान तरीके

- हर महीने 5,000 रुपये की एसआईपी या रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी) शुरू करें
- बचत को ऑटोमेट करें, ताकि नियमितता बनी रहे
- बोनस या अतिरिक्त आय का कुछ हिस्सा इसमें जोड़ें
- अनावश्यक खर्चों को कम करके बचत बढ़ाएं
- समय के साथ यह छोटी-छोटी बचत एक मजबूत फंड में बदल जाती है, जो किसी भी संकट में आपकी मदद कर सकता है।

महीने के आखिर में खाली जेब से हैं परेशान तो बदल लें कुछ आदतें

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में पैसे कमाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है उसे सही तरीके से संभालना। अक्सर देखा जाता है कि अच्छी कमाई करने वाले लोग भी महीने के अंत में पैसों की कमी महसूस करते हैं। इसका मुख्य कारण है बिना योजना के खर्च करना। छोटी-छोटी अनावश्यक चीजों पर खर्च धीरे-धीरे इतना बढ़ जाता है कि महीने के आखिर में समझ नहीं आता कि पैसा आखिर गया कहां। अगर आप भी इस स्थिति से गुजर रहे हैं, तो घबराने की जरूरत नहीं है। कुछ आसान और व्यावहारिक आदतों को अपनाकर आप अपनी फाइनेंशियल लाइफ को बेहतर बना सकते हैं और आर्थिक तनाव से राहत पा सकते हैं।

इट्सा हॉस्पिटल में डेडिकेटेड पार्किंसंस क्लीनिक की शुरूआत

रायपुर। विश्व पार्किन्सन दिवस के अवसर पर सड्डू स्थित इट्सा हॉस्पिटल में डेडिकेटेड पार्किंसंस क्लिनीक की शुरुआत की घोषणा की गई। यह क्लीनिक हर सोमवार दोपहर 12 से 3 बजे तक संचालित होगी, जहां न्यूरोलॉजिस्ट, न्यूरो सर्जन, साइकोलॉजिस्ट, फिजियोथेरेपिस्ट और स्पीच थेरेपिस्ट की टीम एक ही छत के नीचे समग्र उपचार उपलब्ध कराएंगे। विशेषज्ञों ने बताया कि अब इस सुविधा के लिए मरीजों को महानगरों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में कंसल्टेंट न्यूरोलॉजिस्ट एवं मूवमेंट डिसऑर्डर विशेषज्ञ डॉ. अभिजीत कुमार कोहट, डायरेक्टर व सीनियर कंसल्टेंट इंटरनल मेडिसिन डॉ. राजकुमार बरनवाल, फिजियोथेरेपी विशेषज्ञ डॉ. तनुश्री, ऑडियोलॉजिस्ट एवं स्पीच थेरेपिस्ट जितेश कुमार ठाकुर और मनोवैज्ञानिक एशिका उपस्थित रहीं। डॉ. कोहट ने बताया कि पार्किन्सन एक न्यूरोडीजेनेरेटिव रोग है, जिसमें हाथों में कंपन, शरीर में जकड़न, चलने में धीमापन, नींद की कमी और लंबे समय तक कब्ज जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। वहीं डॉ. बरनवाल ने अनियंत्रित डायबिटीज, उच्च रक्तचाप और निष्क्रिय जीवनशैली को जोखिम कारक बताया।

विशेषज्ञों ने नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, समय पर दवा, फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी और मानसिक स्वास्थ्य सहयोग को बचाव व प्रबंधन के अहम उपाय बताए। उन्होंने कहा कि समय पर पहचान और समग्र उपचार से मरीज सामान्य जीवन जी सकता है।

HMS घमंडी - दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
गैस आउट सिरप
गैस, अरुचि, कब्ज़, अफरा, अपचन में तुरंत असरकारक नैचुरल आयुर्वेदिक है
सुगर के मरीज भी ले सकते हैं...
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. पर्णिता बघेल (स्त्री रोग विशेषज्ञ) डॉ. फिबी मसीह (स्त्री रोग विशेषज्ञ)
वसुधा केयर हॉस्पिटल (महिला एवं बच्चों का अस्पताल | प्लास्टिक एवं कास्मेटिक सर्जरी)
सुविधाएं • 24x7 डिलीवरी • शिशु रोग • दूरबीन द्वारा ऑपरेशन • सोनोग्राफी • बांझपन का इलाज • खून जांच
जीवन विहार कालोनी, सृष्टि प्लाजो के पास, अवंति विहार रोड, तेलीबांधा, रायपुर, मो. 0771-3523209, 7880001064, 7880001062

श्री सांई केयर हॉस्पिटल
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सामेवार शाम।
फ्री ओपीडी सेवा महीने के प्रत्येक सोमवार समय: शाम 5 बजे से 7 बजे तक
उपलब्ध सेवाएं: कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
डायबिटीज (मधुमेह) उपचार, लिवर व किडनी रोग, पाइल्स (बवासीर) का ऑपरेशन, थाइरॉयड सर्जरी, हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप), ब्रेस्ट लंप / ट्यूमर सर्जरी
आयुष्मान कार्ड द्वारा नि:शुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर

AB आई हॉस्पिटल
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं स्पेशलिस्ट: पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी, खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

डायबिटिक क्लीनिक
डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411 www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साई बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बडों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

पाइल्स
क्षारकर्मा (लेप विधि) विशेषज्ञ (ना कोई सुई, ना भर्ती 2 घंटे के बाद डिस्चार्ज)
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
25 वर्षों का अनुभव
13000 से ऊपर सफल चिकित्सा
फाफाडीह / पंडरी, रायपुर, मो. 9039050422

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहांसें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

जैकेट के शेष

10 किलो का ....

थी, जो धीरे-धीरे उसके जीवन का बोझ बनती चली गयी। मरीज के शरीर और जीवन के इस बोझ का दर्द डाक्टरों ने समझा और डाक्टरों ने उसकी सर्जरी की योजना बनाई।

इनकी भूमिका : मरीज का क्लिनिकल मूल्यांकन, रेडियोलॉजिकल जांच, आवश्यक लैब परीक्षण, प्री-ऑपरेटिव असेसमेंट और बहु-विभागीय चिकित्सा तैयारी प्रारंभ की। इस ऑपरेशन को पूरा करने में जनरल सर्जरी की विभागाध्यक्ष डा मंजू सिंह एवं चिकित्सा अधीक्षक एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. संतोष सोनकर की प्रत्यक्ष भूमिका रहा। उनकी टीम में सीनियर सर्जन डॉ. राजेंद्र रात्रे, सीनियर सर्जन डॉ. मयंक भूषण मिश्रा एवं सीनियर रेजिडेंट डॉ. प्रेक्षा जैन ने प्रमुख भूमिका निभाई। चिकित्सकों के मुताबिक मेडिकल लिटरेचर एवं वर्तमान अभिलेखों के अनुसार, भारत में अब तक लगभग 8 किलोग्राम तक के ट्यूमर के सफल निष्कासन का उल्लेख मिलता है, जबकि विश्व स्तर पर लगभग 22 किलोग्राम तक के ट्यूमर के ऑपरेशन का अभिलेख उपलब्ध है। ऐसे में आंबेडकर अस्पताल में हुए इस ऑपरेशन को देश में सबसे बड़ा ट्यूमर निष्कासन का मामला माना जा सकता है।

निश्चेतना विभाग की अहम भूमिका : इस ऑपरेशन को पूर्ण करने में निश्चेतना विभाग की भूमिका भी अहम रही। इतने बड़े और जटिल ट्यूमर के ऑपरेशन में मरीज की संपूर्ण शारीरिक स्थिरता बनाए रखना, ऑपरेशन के दौरान प्रत्येक चरण की सतत निगरानी करना तथा पोस्ट-ऑपरेटिव रिकवरी को सुरक्षित दिशा देना अत्यंत चुनौतीपूर्ण था। इस महत्वपूर्ण दायित्व का निर्वहन डॉ. जया लालवानी एवं डॉ. प्रतिभा जैन शाह ने अपनी विशेषज्ञ सेवाओं के माध्यम से अत्यंत उत्कृष्ट ढंग से किया।

इनका कहना : यह केवल एक जटिल सर्जरी नहीं, हमारे लिए यह एक मानवीय दायित्व था। मरीज पिछले लगभग 15 वर्षों से इस गंभीर समस्या के साथ जीवन जी रहा था।

- **डा. मंजू सिंह,** विभागाध्यक्ष, जनरल सर्जरी

साढ़े 10 किलो वजनी ट्यूमर का सफल ऑपरेशन संस्थान की विशेषज्ञता, टीमवर्क और समर्पित चिकित्सा सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह केवल एक चिकित्सकीय उपलब्धि नहीं, बल्कि सरकारी अस्पतालों की उच्चस्तरीय क्षमता को प्रदर्शित करता है। - **डा. संतोष सोनकर,** चिकित्सा अधीक्षक, आंबेडकर अस्पताल

दो घंटे तक बोरे ...

स्थानीय नागरिकों की संयुक्त प्रयास से खंडहर के पास से मासूम अचेत अवस्था में मिली। उसे तुरंत उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। जहां स्थिति खतरे से बाहर है। उतई पुलिस ने आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी बंजारी पारा, वार्ड 8 उतई निवासी धनेश्वर साहू उर्फ जनता साहू का शिनाख्त कर हिरासत में लिया। आरोपी के पास से पुलिस ने एक बोरा,तकिया कवर और घटना के समय पहने कपड़े को जब्त किया गया।

खंडहर के पास बंद ....

तरबतर थी और उसे सांस लेने में काफी तकलीफ हो रही थी। मासूम इतनी डरी हुई थी कि कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं थी। पुलिस मौके पर तुरंत पहुंची और मासूम को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। फिलहाल मासूम खतरे से बाहर है।

किम जोंग उन ने बहुध्रुवीय विश्व की चीन की पहल का किया समर्थन

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने चीन की 'बहुध्रुवीय विश्व' बनाने की पहल का समर्थन किया तथा दोनों पारंपरिक सहयोगी देशों के बीच संबंधों को और गहरा करने का आह्वान किया। किम ने यह टिप्पणी चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ शुक्रवार को हुई बैठक में की जिसकी जानकारी सरकारी मीडिया ने शनिवार को दी। उत्तर कोरिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी केसीएनए के अनुसार, किम ने कहा कि उनकी सरकार 'वन चाइना' सिद्धांत के आधार पर चीन की क्षेत्रीय अखंडता के प्रयासों का पूरा समर्थन करेगी, जिसमें ताइवान को चीन का अभिन्न हिस्सा माना जाता है। उन्होंने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक माहौल में दोनों देशों के संबंधों का निरंतर विकास और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

लखनऊ में दुबई से आ रहे विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ। यूपी के लखनऊ एयरपोर्ट पर शनिवार सुबह दुबई से काठमांडू जा रहे विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। काठमांडू में मौसम खराब होने पर वहां लैंडिंग की परमिशन नहीं मिली। उसके बाद पायलट ने लखनऊ एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को कॉल किया और लैंडिंग की अनुमति मांगी। अनुमति मिलने के बाद विमान को सुबह 8:22 बजे अमौसी एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतारा गया। फ्लाई दुबई की फ्लाइट (एफजेड-1133) में 154 यात्री सवार थे।

दिल्ली में 50 हजार की इनामी महिला ड्रग तस्कर अरेस्ट

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शाहदरा से 'ड्रग्स क्वीन' के नाम से मशहूर कुसुम को अरेस्ट किया। उस पर 50 हजार रुपए का इनाम था। शाहदरा पुलिस के मुताबिक, वह दो महीने से कुसुम की तलाश कर रही थी और गुरुवार को जब वह शाहदरा आई, तो पुलिस ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

सांकेतिक सूचना

सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों की पुनः नियुक्ति के लिए

Notification No.: P/NAG/RCT/2024/11/1 Dated: 06.04.2026

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल में निम्नलिखित श्रेणियों के लिए मासिक पारिश्रमिक के आधार पर सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों से पुनर्नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित है:

Sr. No.	Vacant Posts		Pay-level	आवश्यक स्टाफ संख्या
	Department	Designation		
1	Civil Engineering	SSE (P.Way)	Level-7 & 8	07
			TOTAL	07

आवेदक नागपुर मंडल के लिए दिए लिंक के माध्यम से secr.indianrailways.gov.in इस वेबसाइट से निर्धारित प्रारूप (अर्थात अनुलग्नक-1) डाउनलोड कर सकते हैं। आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे निर्धारित प्रारूप अर्थात अनुलग्नक-1 में आवेदन करें और स्कैन की गई प्रति को PDF प्रारूप में आवश्यक दस्तावेज़ों के साथ अधिसूचना में दिए गए आधिकारिक ईमेल आईडी पर 17.04.2026 तक भेजें।
इंटरव्यू दिनांक 24.04.2026 को 11:00 बजे सीनियर DPO, नागपुर के ऑफिस में होगा।
विस्तृत पात्रता और अन्य नियम व शर्तें वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

पथ इस प्रकार है: (Recruitment / News / Press Release Recruitment > Nagpur Division Notification for re-engagement of Retired Railway Staff (SSE-P-Way)

मंडल कार्मिक अधिकारी,
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर

FL/04-16

swacch bharat - keepindiaclean

पेज एक के शेष

फीस विनियमन अधिनियम के 6 साल ...

ही नहीं। अधिनियम यह भी कहता है कि निजी स्कूलों ने फीस में कितनी वृद्धि की है, इसकी जानकारी बोर्ड लगाकर देनी है। यह बोर्ड लगभग सभी स्कूलों में गायब है। ना सिर्फ रायपुर बल्कि प्रदेश के अधिकर जिलों में यही स्थिति है।

जिम्मेदारों और पालकों का पक्ष : नासिर खोखर (अध्यक्ष, दुर्ग भिलाई पालक संघ): /"शिकायतों की कोई सुनवाई नहीं होती, जिससे थक-हारकर अब पालक भी खामोश हो गए हैं।/" क्रिस्टोफर पाल (प्रदेश अध्यक्ष, **छग पेरेंट्स एसोसिएशन**): /"जिला फीस समिति की बैठकों की जानकारी गुप्त रखी जाती है। पारदर्शिता का पूरी तरह अभाव है। शिक्षा विभाग का तर्क: रायपुर और अन्य जिलों के अधिकारियों का कहना है कि चूंकि लिखित शिकायतें नहीं मिल रही हैं, इसलिए कार्रवाई नहीं हो पा रही है। वहीं, कवर्धा जैसे जिलों में स्कूल स्तर की समितियों को ही पर्याप्त माना जा रहा है।

सुपेबेड़ा के बाद अब 'पथर्री'...

डायलीसिस पर निर्भर हैं। वह अपने पति को हर बार इलाज के लिए महासमुंद अस्पताल लेकर जाती हैं, जो ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की वास्तविक स्थिति को उजागर करता है।

शिक्षा से तय हो रही मातृत्व...

वर्ष की आयु वर्ग की माताओं में जन्म दर सबसे अधिक है, लेकिन इसी वर्ग में निरक्षर और केवल प्राथमिक स्तर तक शिक्षित महिलाओं की संख्या भी बड़ी है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति ज्यादा चिंताजनक है। यहां निरक्षर और 'बिलो प्राइमरी' श्रेणी की महिलाओं के यहां जन्म लेने वाले बच्चों का अनुपात काफी अधिक है। वहीं 'ग्रेजुएट और उससे ऊपर' शिक्षित महिलाओं के यहां जन्म की संख्या अपेक्षाकृत कम है। इसका सीधा संकेत है कि उच्च शिक्षा तक पहुंच अभी भी सीमित है।

इकॉनोमी में कानून की भूमिका अहम : सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि भारत को 10 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनॉमी बनाने के लिए सिर्फ पूंजी और पॉलिसी काफी नहीं होंगी। इसके लिए मजबूत और भरोसेमंद कानूनी व्यवस्था भी उतनी ही जरूरी होगी। निवेशकों का भरोसा इसी पर टिका होता है। जस्टिस सूर्यकांत शनिवार को बार एसोसिएशन ऑफ इंडिया के 'रूल ऑफ लॉ कन्वेंशन 2026' में बोल रहे थे।

गुमशुदा

नाम- मनीष नागवंशी
पिता-इंदल नागवंशी
रंग- गोरा (चेहरे पर मसा)
ऊंचाई -5 फीट

जो दिनांक 06 -04-2026 से लापता है, व्यक्ति मानसिक रोगी है, आखिरी बार लोवर शर्ट में घर से निकला है, लोवर ग्रे रंग का और शर्ट का रंग नीला है। आप सभी से निवेदन है कि ये व्यक्ति किसी के संपर्क में आता है तो कृपया इसकी जानकारी प्रदान करें। ढूंढने वाले व्यक्ति को 5000 रूपये ईनाम दिया जायेगा।

वार्ड नं 12, विजय नगर, दुर्ग (छ.ग.)
संपर्क : 77708-87117, 91119-89600

पश्चिम मध्य रेल

सामग्री प्रबंधन विभाग

(भंडार आपूर्ति हेतु 'ई'-निविदा सूचना, संख्या ईपीएस/02/2026)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, ई–खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते हैं। कोई भी हस्तलिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/विनिर्देशन के लिए वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर 'ई' निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती हैं।

क्र.	टैंडर नं.	संक्षिप्त वर्णन	निविदा मात्रा
1	20254384B	किट फॉर प्रेशर रेगुलेटर असेंबली	222 नंबर्स
2	38264182	Knuckle फॉर अपग्रेडेड हाई tensile सेंटर बफर कौपलेर	19080 नंबर्स
3	38262202	बोगी सेंटर पाइवोट बॉटम फॉर CASNUB बोगीज	1586 नंबर्स
4	82265092	Pembrolizumab 100 mg/4 ml	30 नंबर्स
5	38252199A	मॉडिफाइड एलस्टोमेरिक पैड (डिज़ाइन-A)	98429 नंबर्स
6	65265001	सप्लाई, इंस्टालेशन एंड कमीशनिंग ऑफ EOT क्रेन SWL 25 टन (MH) & 7.5 टन (AH)	01 नंबर
7	8125WCR TP-12	मनुफैक्चर एंड सप्लाई ऑफ 6.2 एमएम थिक कम्पोजिट GRSP	2448758 नंबर्स
8	38262168	बोल्स्टर लाइनर साइज 153 एमएम x 120 एमएम x 8 एमएम थिक	62994 नंबर्स

नियत तारीख:- क्रमांक 1 के लिए: 28.04.2026, **क्रमांक 2 से 5 के लिए:** 05.05.2026, **क्रमांक 6 एवं 7 के लिए:** 08.05.2026 और **क्रमांक 8 के लिए:** 14.05.2026.

50 लाख रुपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए, इच्छुक फर्मों को **www.ireps.gov.in** पर जाने की सलाह दी जाती है।

कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर.

स्वच्छ भारत अभियान - एक कदम स्वच्छता की ओर

भारत के खिलाफ कई तरह की साजिश रच सकता है पाकिस्तानी जनरल मुनीर

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

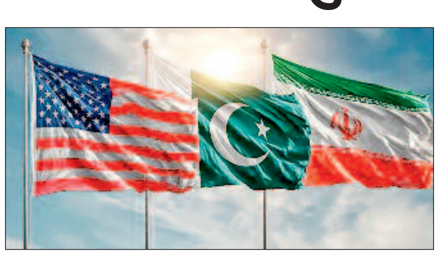

अमेरिका और ईरान के बीच फिलहाल युद्ध विराम है, लेकिन इस युद्ध में नाटो देश ने खुद को अलग करके रख तो वहीं भारत की तरफ से भी प्रतिक्रिया नहीं दी गई। लेकिन इन सभी के बीच पाकिस्तान ने अपना खेला कर दिया है, कभी अमेरिका ने भी पाकिस्तान को आतंकी देश घोषित किया था, आज वही पाकिस्तान अब अमेरिका के लिए बिचौलिया बनकर ईरान के सामने खड़ा है। भारतीय रक्षा के सूत्रों ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि पाकिस्तान के बिचौलिया बनने के बाद भारत की सुरक्षा को लेकर चिंता सामने आ गई है। मेजर जनरल एसके सिंह के मुताबिक, ईरान और अमेरिका के बीच अगर परमानेंट तरीके से युद्ध विराम हो गया तो असीम मुनीर जो कि वर्तमान में पाकिस्तान के सेना प्रमुख हैं, वे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के करीब हो सकते हैं और इसका परिणाम यह होगा कि ट्रम्प की दोस्ती का फायदा लेकर असीम मुनीर भारत के खिलाफ कई तरह की साजिश रच सकता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने कई कार्यक्रम में कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है और आतंक को पनाह देने वाले देश पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है और दिया जाता रहेगा।

यह जताया अंदेशा

डिफेंस एक्सपर्ट दिनाकरन पेरी के मुताबिक अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध विराम की संधि सफल होती है तो पाकिस्तान को ट्रम्प का पूरा सहयोग मिलेगा और इसका भरपूर फायदा उठाकर भारत के खिलाफ आतंकी साजिश करने की फिराक में लग जाएगा। क्योंकि अमेरिका-ईरान के समझौते के बाद अमेरिका की तरफ से यह पूरी संभावना है कि अमेरिका पाकिस्तान की आर्थिक मदद जरूर करेगा। अगर पिछले एक साल की बात करें यानी ऑपरेशन सिंदूर के बाद कितनी घुसपैठ हुई और किस तरह से पाकिस्तान के नापाक मंसूबे को भारतीय सेना ने नाकाम किया इसकी पूरी जानकारी सुरक्षा के लिहाज से भारतीय सेना ने साझा तो नहीं की लेकिन हमारे जम्मू ब्यूरो चीफ पंकज शर्मा के मुताबिक, इस साल यानी 2026 जनवरी से लेकर अभी तक यानी 10 अप्रैल 2026 तक कठुआ, उधमपुर, किश्तवाड़ जिले में सुरक्षा बलों के हाथ बेहद बड़ी कामयाबी लगी।

सीमा पर बने लॉन्च पैड्स में आतंकियों की मौजूदगी

सुरक्षा बलों ने पाकिस्तानी आतंकियों को ढेर किया है और ऐसी जानकारी सूत्रों से मिल रही है कि सीमा पर बने लॉन्च पैड्स में आतंकियों की मौजूदगी है, जिनकी संख्या 100 से 120 के करीब है जो अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा के जरिए घुसपैठ की फिराक में हैं। खुफिया एजेंसियों ने पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) की एक नई साजिश के प्रति आगाह किया है। इस साजिश के तहत, संगठन केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में सोने की तस्करी करके आतंकी गतिविधियों के लिए फंड जुटाने और सुनियोजित हमलों को अंजाम देने के लिए एंटी-पर्सनल (एपी) माइंस लाने की फिराक में है। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने सटीक जानकारी साझा करते हुए बताया कि मुनीर के कान भरने पर खुद को खुद ही दुनिया का ताकतवर राष्ट्रपति कहने वाले ट्रम्प भारत पर कई दबाव बना सकते हैं, क्योंकि ट्रम्प ने तेल के मुद्दे पर भारत की हामी करा ली थी।

पाकिस्तान ने सऊदी अरब में तैनात किए अपने फाइटर जेट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

पाकिस्तान ने अपने फाइटर जेट और सहायक विमान सऊदी अरब में तैनात किए हैं। दोनों देशों के बीच बीते साल हुए रक्षा समझौते के तहत इसी हफ्ते पाकिस्तानी एयरफोर्स के लड़ाकू विमान सऊदी अरब के एयरबेस पर उतरे हैं। सऊदी रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी बयान में इस तैनाती की पुष्टि की गई है।

पाकिस्तान की तरफ से सऊदी में फाइटर जेट्स की तैनाती पर अभी तक कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं आई है। इस बीच सऊदी अरब की ओर से पाकिस्तान को वित्तीय मदद का भरोसा दिया गया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है, जब पाकिस्तान में अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष-विराम वार्ता हो रही है।

चर्चा में रहा है यह रक्षा समझौता

ईरान के अमेरिका और इजरायल से चले करीब छह हफ्ते के युद्ध में पाकिस्तान और सऊदी अरब का रक्षा समझौता चर्चा में रहा है। 28 फरवरी से शुरू हुए युद्ध में ईरान ने सऊदी और दूसरे खाड़ी देशों में अमेरिका के ठिकानों को निशाना बनाया था। ईरान की ओर से सऊदी में हमलों के बाद बार-बार ये सवाल पूछा गया कि क्या पाकिस्तानी सऊदी के साथ हुए रक्षा समझौते से कन्नी काट रहे हैं।

यह है मकसद : *सऊदी रक्षा मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि किंग अब्दुलअजीज एयरबेस पर पाकिस्तानी विमानों की तैनाती का मकसद क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए दोनों देशों की सेनाओं के बीच सैन्य तालमेल बेहतर करना और ऑपरेशनल तैयारी बढ़ाना है। हालांकि बयान में यह साफ नहीं किया गया है कि कितने विमान आए हैं और इसका ईरान में युद्ध से कोई संबंध है या नहीं।*

ट्रंप ने प्रवासियों के खिलाफ अभियान को सही ठहराया

मियामी (अमेरिका)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कथित रूप से हैती के एक प्रवासी द्वारा फ्लोरिडा के एक पेट्रोल पंप पर हथौड़े से हमला कर एक महिला की हत्या किए जाने का वीडियो साझा किया और अपने प्रशासन के निर्वासन अभियान को सही ठहराने की कोशिश की। रोलबर्ट जोआशिन (40) को फोर्ट मायर्स में दो अप्रैल को एक महिला की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। प्राधिकारियों ने बताया था कि आरोपी हैती से है और वह 2022 में अमेरिका पहुंचा था। हमले में मारी गई महिला की पहचान बांग्लादेश मूल की 51 वर्षीय प्रवासी के रूप में हुई है जिसकी दो वयस्क बेटियां हैं। ट्रंप ने बृहस्पतिवार देर रात 'ट्रुथ सोशल' पर यह वीडियो साझा किया। वह अक्सर यह दिखाने की कोशिश करते रहे हैं कि प्रवासियों के कारण अमेरिका में अपराध बढ़ रहा है।

DEPARTMENT OF AGRICULTURAL ECONOMICS COLLEGE OF AGRICULTURE, I.G.K.V., RAIPUR (C.G.)

NO./HOD/Agril. Eco./2026/16 **Dated: 10/04/2026**

Walk-in-Interview

The eligible candidates are invited to appear for a Walk-in-Interview for the contractual position of Guest Teacher in the discipline of Agril. Economics, CoA, Raipur for two post. The candidates shall submit their bio-data to the HoD/ Email: ageconigkv@gmail.com.

Date of submission: **25/04/26** Interview on **29/04/26-30/04/26**
Venue: College of Agriculture, Raipur
Note: For more details please visit our website: www.igkv.ac.in

HOD
S- 47477/2 **Agricultural Economics**

भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित कवर्धा

शक्कर विक्रय हेतु ई-निविदा आमंत्रण सूचना

भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित कवर्धा द्वारा उत्पादन वर्ष 2025-26 मे उत्पादित शक्कर में से लगभग 3080 क्विं. एस - 30 ग्रेड शक्कर (जो कम / ज्यादा हो सकती है) के विक्रय हेतु कारखाने कार्यालय मे दिनांक 13/04/2026 से 17/04/2026 को दोपहर 02:00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा में शक्कर क्रय हेतु न्यूनतम मात्रा 500 क्विंटल होगी, इससे कम मात्रा हेतु निविदा स्वीकार नही की जायेगी, ई-निविदा दिनांक 17/04/2026 को दोपहर 02:00 बजे पश्चात खोला जायेगा, जिसमे निविदाकार / प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते है। निविदा प्रपत्र में प्रस्तावित शक्कर के क्रय मूल्य का 10% ई. एम. डी. राशि केवल आर.टी.जी.एस./ बैंक ट्रांस्फर के माध्यम से भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्या. कवर्धा के नाम एकाउन्ट नम्बर 19012191000743 पंजाब नेशनल बैंक कवर्धा शाखा आईएफएससी कोड PUNB0208520 में जमा करना अनिवार्य होगा। निविदाकार को शक्कर क्रय हेतु निविदा ई-टेंडर वेबसाइड https:eproc.cgstate.govt.in में अपलोड किया जाना होगा। विस्तृत जानकारी कारखाना कार्यालय वेबसाइड www.Bssuk.co.in., एवं मो. नं. 9039584027, 9179197556 से प्राप्त की जा सकती है।

महाप्रबंधक

JHARKHAND URBAN INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT COMPANY LIMITED
(Govt. of Jharkhand Undertaking)
JUIDCO Bhawan, Kutchery Road, Ranchi-834001, Jharkhand.
Ph No.: +91-651-2225878,
CIN: U45200JH2013SGC001752, e-mail ld-juidcolimited@gmail.com
NIT No.: JUIDCO/NIT/BS/JT - 696 Date- 10.04.2026

e-Procurement (Tender Notice)

1	Name of Work	Construction Of Jhumri Telaiya Bus Stand, Koderma, Jharkhand
2	Mode of Bid Submission	e-tendering (http://jharkhandtenders.gov.in)
3	Estimated Cost (Rs.)	Rs. 21,32,68,469/- (Rupees Twenty-One Crore Thirty-Two Lakh Sixty-Eight Thousand Four Hundred Sixty-Nine) Only
4	Time of Completion	18 Months
5	Tender Fee and Bid Security to be submitted online	Tender document fee: Rs 25,000/ - (Rupees Twenty -Five Thousand) only. Non-Refundable. Bid Security: Rs. 21,33,000/ - (Rupees Twenty -One Lakh Thirty-Three Thousand) only
6	Date/Time of Publication of Tender on Website	13.04.2026 at 15:00 Hrs.
7	Last Date/Time of Bid Submission	04.05.2026 at 17:00 Hrs.
8	Date/Time of opening of Bid	05.05.2026 at 17:00 Hrs.
9	Bid Submission Address	Jharkhand Urban Infrastructure Development Company Limited, JUIDCO Bhawan, Kutchery Chowk, Ranchi, Jharkhand- 834001
10	Helpline Number of e-procurement Cell	0651-2225878

Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Sd/-
Project Director (Technical)
JUIDCO Ltd, Ranchi
PR 377274 Urban Development(26-27)D

ई–प्रोक्योरमेंट सेल, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग झारखण्ड, रॉंची

अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट निविदा
(प्रथम आमंत्रण)

Tender reference No-DWSD/Cluster/GIRIDIH-1/03/2026-27 Dt. 08-04-2026

SI N	Name of work	Cluster No	Block	Model No.	No. of Schemes	No. of FHTC	Estimate Cost (in Lac)	Earnest money (in lac)	Cost of Boq (in Rs.)	Time of Completion
1	Implementation of Remaining Work under Cluster No. 33 for Single Village Water Supply Scheme under Jal Jeevan Mission in Block Gandey under DWSD No-01, Giridih for the year 2026-27	33	Gandey	1A/1B/2	65	1246	201.03	4.02	10000.00	6 Months

2	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	15-04-2026 समय 02.00 बजे अपराह्न तक
3	निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय	29-04-2026 समय 02.00 बजे अपराह्न तक
4	सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई– गवर्नेंस,झारखण्ड मंत्रालय, के ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के आलोक में विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि Online जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	29-04-2026 समय 02.00 बजे अपराह्न तक
5	तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय	30-04-2026 समय 02.00 बजे अपराह्न तक
6	तकनीकी बिड खोलने का स्थान	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, सं0–01, गिरिडीह।
7	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम/पदनाम :-	ई0 राहुल श्रीवास्तव, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, सं0–01, गिरिडीह।
8	निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का टेलिफोन नं0	9304367422
9	ई– प्रोक्यूरमेन्ट सेल का हेल्प लाईन सं0	0651-250731

➤ किसी भी प्रकार का बदलाव http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
➤ अन्य किसी भी प्रकार की सूचना http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
➤ निविदा में प्राक्कलित राशि घट–बढ सकती है। तत्पश्चात अग्रधन की राशि मान्य होगी।

कार्यपालक अभियंता
PR 377251 (Drinking Water and Sanitation)26-27*D पेयजल एवं स्वच्छता प्र0 सं0–1,गिरिडीह

राशिफल

मेष – मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। माता–पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष – स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर भी ध्यान दें। पिता का साथ मिलेगा। रहन–सहन कष्टमय हो सकता है। बौद्धिक कार्यों से आय बढ़ेगी।

मिथुन – मन परेशान रहेगा। संयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। भाइयों के सहयोग से नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कर्क – आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

सिंह – व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

कन्या – पठन–पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

तुला – मन प्रसन्न रहेगा। परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृश्चिक – आत्मसंयत रहें। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी।

धनु – आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में आशातीत परिणाम मिलेंगे।

मकर – वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। रहन–सहन अव्यवस्थित रहेगा।

कुंभ – आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा। फिर भी व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

मीन – परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाना हो सकता है।

शब्द पहेली - 6193

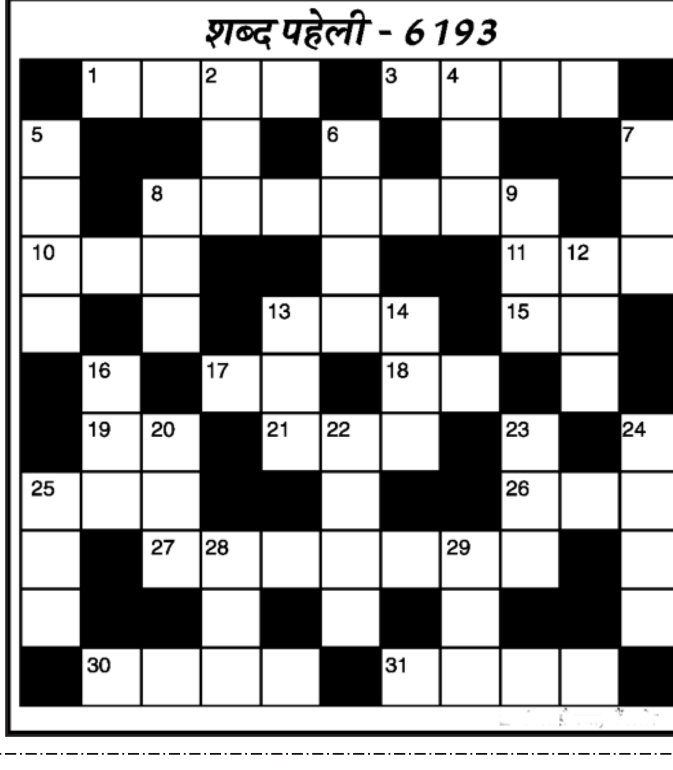

बाएँसेदाएः
1. बादलों की गड़गड़ाहट-4
3. नीरस, रस विहीन-4
8. नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10. कंठस्थ करना-3
11. जुड़वा-3
13. उक्ति,काव्य कृति-3
15. आने वाला दिन-2
17. पर,पराया,दूसरा-2
18. हाथ-2
19. कविता लिखने वाल-2
21. बजाने वाला-3
25. कक्ष,रूम-3
26. ठिकाना,नीड़-3
27. हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30. अभिप्राय-4
31. आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे
2. तरुणाई,लड़कपन-3
4. सहायता,आधार-3
5. बीताना,यापन करना-4
6. दिखावा,पाखंड-4
7. जरुरत,स्वार्थ-3
8. राजी करना-3
9. योग्य-3
12. मसलना-3
13. इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14. सुगंध,लास-3
16. रोकड़ राशि-3
20. रुकना, स्थिर होना-3
22. विजय दशमी -4
23. भोर,सवेरा-3
24. सना हुआ,तर-4
25. छ्ल,धोखा-3
28. अनुकृति-3
29. श्रंगार -3

शब्द पहेली - 6192 का हल

अ	ति	आ	व	श्य	क	■	का	रा	वा	स
ज	ल	■	र	■	म	छ	ली	■	र	मा
र	■	अ	दा	का	र	■	न	र	■	धा
अ	र	मा	न	■	बं	द	■	ज	मी	न
म	■	न	■	म	द	म	स्त	■	रा	■
र	ज	त	प	ट	■	क	र	म	ज	ला
■	प	■	ट	क	रा	ना	■	स	■	ल
मु	ना	दी	■	ना	ग	■	द	ल	ह	न
ला	■	प	री	■	गा	ड़ी	वा	न	■	पा
का	का	■	त	न	य	■	ध	■	न	ल
त	र	सा	ना	■	न	ग	र	भ	व	न

सूडोकु नवताल - 6203

★★★★☆ कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6202 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

श्रेयस-प्रभसिमरन-प्रियांश ने खेली तूफानी पारी

पंजाब किंग्स की जीत जारी, सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ चेज किए 220 रन, 6 विकेट से पीटा

एजेंसी ▸▸ मुल्लांपुर

पंजाब किंग्स ने कप्तान श्रेयस अय्यर की 69 रन की नाबाद अर्धशतकीय पारी के दम पर शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को छह विकेट से हरा दिया। सनराइजर्स हैदराबाद ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (74 रन) के अर्धशतक और ट्रेविस हेड के साथ पहले विकेट के लिए 50 गेंद में 120 रन की साझेदारी से छह विकेट पर 219 रन का स्कोर खड़ा किया।

पंजाब किंग्स ने अय्यर (33 गेंद, पांच चौके, पांच छक्के), प्रियांश आर्य (57) और प्रभसिमरन सिंह (51) के अर्धशतकों से यह लक्ष्य 18.5 ओवर में चार विकेट पर 223 रन बनाकर हासिल कर लिया। पंजाब किंग्स ने शानदार खेल जारी रखते हुए आईपीएल 2026 में तीसरी जीत हासिल की। यह पंजाब की चार मैच में तीसरी जीत है। उसका एक मैच बारिश से धुल गया था। वहीं हैदराबाद को चार मैच में तीसरी हार का सामना करना पड़ा।

अय्यर जीत दिलाकर लौटे

हैदराबाद की वापसी की किसी भी उम्मीद को कप्तान श्रेयस अय्यर ने जगने नहीं दिया। उन्होंने एक छोर थाम लिया और जबरदस्त अर्धशतक बनाया। नेहाल वढ़ेरा (14) की खराब फॉर्म जारी रही। लेकिन अय्यर और शशांक ने मिलकर सात गेंद बाकी रहते टीम को आसान जीत दिला दी। शशांक 9 गेंद में 16 रन बनाकर नाबाद रहे। हैदराबाद की ओर से शिवांग कुमार ने तीन विकेट लिए।

प्रियांश और प्रभसिमरन ने की 99 रन की साझेदारी

प्रियांश और प्रभसिमरन की जोड़ी ने तूफानी बैटिंग करते हुए पंजाब को पावरप्ले में ही आगे कर दिया। इन दोनों ने 99 रन की साझेदारी की। हैदराबाद का कोई बॉलर इन पर अंकुश नहीं लगा सका. प्रियांश ने 20 गेंद में पांच छक्के व इतने ही चौके लगाते हुए 57 रन की पारी खेली। प्रभसिमरन ने 25 गेंद में चार छक्के व इतने ही चौके लगाते हुए 51 रन बनाए। ये दोनों बल्लेबाज 18 रन के अंतराल में आउट हुए। तीसरे नंबर पर आए कूपर कोनोली 11 रन बना सके और सस्ते में निपट गए।

अभिषेक ने 254 के स्ट्राइक रेट से बनाए 74 रन

अभिषेक के बल्ले से पंजाब के खिलाफ 28 गेंदों पर 74 रन निकले और इस दौरान उन्होंने 8 छक्के व 5 चौके भी लगाए। उनका स्ट्राइक रेट इस दौरान 254.29 का रहा। अभिषेक ने इस मैच में अपना अर्धशतक 18 गेंदों पर पूरा किया और वो आईपीएल में 20 से कम गेंदों पर अर्धशतक लगाने का कमाल 5वीं बार किया। इससे पहले इस लीग में 20 से कम गेंदों पर ऐसा कमाल 4 बार निकोलस पूरन कर चुके हैं और अब वो अभिषेक से नीचे यानी दूसरे नंबर पर आ गए। वैभव ने ऐसा इस लीग में अब तक 3 बार किया है और वो लिस्ट में तीसरे नंबर पर जैक फ्रेजर मैकगर्क के साथ संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर हैं।

स्कोर बोर्ड

सनराइजर्स हैदराबाद	रन	गेंद	4	6
अभिषेक शर्मा का अर्शदीप बो शशांक	74	28	5	8
ट्रेविस हेड का बार्टलेट बो शशांक	38	23	5	1
ईशान का यानसेन बो अर्शदीप	27	17	3	1
क्लासेन का कोनोली बो बार्टलेट	39	33	1	1
अनिकेत वर्मा रन आउट	18	9	1	1
अरोड़ा का बार्टलेट बो अर्शदीप	09	8	0	1
नीतिश कुमार रेड्डी नाबाद	00	1	0	0
हर्ष दुबे नाबाद	01	2	0	0

अतिरिक्त : 13, कुल योग : 20 ओवर में 219/6 रन

गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-50-2, बार्टलेट 4-0-42-1, यानसेन 4-0-40-0, विशाक 2-0-33-0, शशांक 3-0-20-2, चहल 3-0-33-0

पंजाब किंग्स :	रन	गेंद	4	6
प्रियांश आर्य का रेड्डी बो शिवांग	57	20	5	5
प्रभसिमरन का क्लासेन बो शिवांग	51	25	4	4
कोनोली का वर्मा बो शिवांग	11	12	1	0
श्रेयस अय्यर नाबाद	69	33	5	5
नेहाल वढेरा बो हर्ष दुबे	14	14	0	1
शशांक सिंह नाबाद	16	10	1	1

अतिरिक्त : 05, कुल योग : 18.5 ओवर में 223/4 रन

गेंदबाजी : हर्ष दुबे 4-0-38-1, उनादकट 3-0-40-0, मलिंगा 3-0-46-0, हर्षल पटेल 2-0-39-0, शिवांग कुमार 4-0-33-3, नीतिश कुमार रेड्डी 2-0-20-0, अभिषेक शर्मा 0.5-0-7-0

चेन्नई ने खोला जीत का खाता, दिल्ली को 23 रनों से हराया

सैमसन ने की गजब वापसी लगाया सीजन का पहला शतक

52 बॉल में सेंचुरी जड़कर बने प्लेयर ऑफ द मैच

एजेंसी ▸▸ चेन्नई

आईपीएल 2026 का 18वां मैच चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला गया। चेन्नई ने इस मुकाबले में दिल्ली को 23 रनों से हराया। चेन्नई के लिए यह इस सीजन की पहली जीत है।

वहीं आईपीएल 2026 के पहले तीन मैचों में फ्लॉप होने के बाद संजू सैमसन ने गजब की वापसी की और इस लीग के 18वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक लगाने में सफल रहे। इस दौरान संजू ने 52 बॉल में सेंचुरी ठोकी। संजू के आईपीएल करियर का ये चौथा शतक रहा जबकि ये उनके टी20 क्रिकेट करियर का 7वां शतक भी रहा। यह आईपीएल 2026 का पहला शतक भी है। अंत में सैमसन ने 56 गेंदों में 115 रन बनाए और सीएसके ने 20 ओवर में 212/2 का बड़ा स्कोर खड़ा किया। दिल्ली कैपिटल्स की टीम इस टारगेट को हासिल नहीं कर पाई। उनकी टीम 20 ओवर बैटिंग करने के बाद 189 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। इस मैच में चेन्नई के लिए संजू सैमसन ने शतक लगाया है। आयुष म्हात्रे ने 36 बॉल पर 59 रन की पारी खेली। दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से इस मैच ट्रिस्टन स्टब्स ने अर्धशतक लगाया। स्टब्स ने 38 बॉल पर 60 रन की पारी खेली। वहीं पथुम निसंका ने 24 बॉल 41 रन बनाए। चेन्नई के लिए जेमी ओवरटन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 14 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए।

संजू ने 52 गेंदों में लगाया शतक

संजू सैमसन ने इस मैच में 52 गेंदों पर चौके के साथ शतक पूरा किया और आईपीएल में ये उनके करियर का सबसे तेज शतक भी रहा। इस मुकाबले में संजू ने 56 गेंदों पर नाबाद 115 रन की पारी खेली और इस दौरान उनके बल्ले से 4 छक्के और 15 चौके निकले जबकि उनका स्ट्राइक रेट 205.36 का रहा। संजू ने इस मैच में पहले विकेट के लिए ऋतुराज गायकवाड़ के साथ मिलकर 62 रन जबकि दूसरे विकेट लिए आयुष म्हात्रे के साथ मिलकर 113 रन की साझेदारी की।

स्कोर बोर्ड

चेन्नई सुपरकिंग्स पारी	रन	गेंद	4	6
संजू सैमसन नाबाद	115	56	15	4
गायकवाड़ का निसंका बो अक्षर	15	18	1	0
आयुष महात्रे रिटायर्ड आउट	59	36	3	4
शिवम दुबे नाबाद	20	10	2	1

अतिरिक्त: 03, कुल योग : 212/2 रन

गेंदबाजी: नबी 2-0-17-0, मुकेश 4-0-37-0, अक्षर 4-0-39-1, नटराजन 4-0-54-0, एनगिड़ी 4-0-41-0, कुलदीप2-0-24-0

दिल्ली कैपिटल्स पारी	रन	गेंद	4	6
निसंका का ब्रेविस बो कंबोज	41	24	5	2
राहुल का ओवरटन बो खलील	18	10	2	1
रिजवी का बेविस बो ओवरटन	06	9	1	0
पटेल का सरफराज बो गुरजपनीत	01	2	0	0
डेविड मिलर बो ओवरटन	17	14	1	1
स्टब्स का नूर बो ओवरटन	60	38	4	3
आशुतोष का कंबोज बो नूर	19	10	1	2
औकिब का हुसैन बो ओवरटन	04	2	1	0
यादव का ब्रेविस बो कंबोज	04	7	0	0
एनगिडी का गुरजपनीत बो कंबोज	03	5	0	0
टी नटराजन नाबाद	01	2	0	0

अतिरिक्त: 15, कुल योग: (20 ओवर में सभी आउट) 189 रन

गेंदबाजी: अकील हुसैन 2-0-20-0, खलील 3-0-40-1, कंबोज 4-0-35-3, गुरजपनीत 4-0-39-1, ओवरटन 4-0-18-4, नूर 3-0-36-1

खबर संक्षेप

मास्टर्स टूर्नामेंट में कट में जगह बनाने से चूके भाटिया

आगस्टा। भारतीय मूल के अमेरिकी गोल्फर अक्षय भाटिया दूसरे दौर के आखिर में डबल बोगी करने के कारण मास्टर्स टूर्नामेंट में कट में जगह बनाने से चूक गए। पीजीए टूर में तीन बार विजेता रह चुके 24 वर्षीय भाटिया ने पहले दौर में 73 का स्कोर बनाया था लेकिन दूसरे दौर में उनका प्रदर्शन बेहद खराब रहा। उन्होंने 77 का कार्ड खेला और इस तरह से दो शॉट से कट से चूक गए। भारतीय मूल के ब्रिटिश खिलाड़ी आरोन राय ने दूसरे दौर में 74 का कार्ड खेला लेकिन इसके बावजूद वह कट में जगह बनाने में सफल रहे। उन्होंने पहले दौर में 71 का स्कोर बनाया था। वह अब एक ओवर के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 32वें स्थान पर हैं। वह पहले दौर के बाद संयुक्त 10वें स्थान पर थे।

15 वर्ष की उम्र में सूर्यवंशी काफी परिपक्व : भुवनेश्वर

गुवाहाटी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने कहा कि वैभव सूर्यवंशी की उम्र भले ही 15 साल हो लेकिन वह काफी परिपक्वता और स्पष्टता के साथ बल्लेबाजी करते हैं। भुवनेश्वर ने कहा,' जिस तरह से वह शॉट्स खेलता है, वह बाकायदा क्रिकेट शॉट होते हैं। 15 वर्ष की उम्र में वह काफी परिपक्व है। जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहा है, हमें उसे श्रेय देना चाहिए।' उन्होंने यह भी कहा कि आरसीबी कभी भी पूरी तरह से दबाव में नहीं थी। उन्होंने कहा, ' यह टी20 मैच है। वह युवा है और अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है। वह परिपक्वता से बल्लेबाजी कर रहा है लेकिन हमें नहीं लगता कि हम पर पूरी तरह से दबाव बन गया है। अगर एक 15 साल का लड़का इस तरह से बल्लेबाजी कर रहा है या वह 25 का भी हो, यह टी20 मैच में होता है।' उन्होंने कहा,' हमने रणनीति बनाई थी और एक कैच भी छूटा लेकिन यह क्रिकेट में होता है। हम अपनी रणनीति पर अमल नहीं कर सके और यह टी20 क्रिकेट का हिस्सा है।

वानखेड़े में गरजेगी मुंबई, आरसीबी को देगी कड़ी टक्कर

एजेंसी ▸▸ मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग में अपने अभियान की धीमी शुरुआत के बाद मुंबई इंडियंस रविवार को वानखेड़े स्टेडियम पर गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से खेलेगी तो उसका लक्ष्य अपने गढ़ में जीत की राह पर लौटने का होगा। तेरह सत्र में पहली बार मुंबई ने आईपीएल में जीत के साथ शुरुआत करते हुए दो सप्ताह पहले यहां कोलकाता नाइट राइडर्स को छह विकेट से हराया। पांच बार की चैंपियन टीम हालांकि उसके बाद लय कायम नहीं रख सके और दूसरे मैदान पर दोनों मैच बड़े अंतर से हारने के बाद अब खराब रन रेट (माइनस 0.715) के साथ आठवें स्थान पर है।

नहीं चल पा रहे तिलक और सूर्या

रोहित शर्मा को कुछ समय के लिए आरेंज कैप भी मिली लेकिन बल्लेबाजी मुंबई की चिंता का सबब है और आरसीबी जैसे दमदार प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक ईकाई के रूप में उसे अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी। मैच टाइम कम रहने के बावजूद रोहित ने अब तक मुंबई के लिए सर्वाधिक रन बनाए हैं लेकिन मध्यक्रम में तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव नहीं चल पा रहे।सूर्यकुमार ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अर्धशतक बनाया लेकिन राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अगले मैच में नाकाम रहे। कप्तान हार्दिक पंड्या का बल्ला अभी तक चला नहीं है। गुवाहाटी में बल्लेबाजों की मददगार पिच पर मुंबई के बल्लेबाज लय को तरसते रहे।

आरसीबी के पास कई बेहतरीन बल्लेबाज

बल्लेबाजों की मददगार पिच पर आरसीबी के पास कई बेहतरीन बल्लेबाज हैं। कप्तान रजत पाटीदार (142) , विराट कोहली (129) और देवदत्त पडिक्कल (125) ने अच्छी पारियां खेली है जबकि टिम डेविड (99), रोमारियो शेफर्ड और वेंकटेश अय्यर फिनिशर की भूमिका निभा सकते हैं। जोश हेजलवुड की वापसी से गेंदबाजी मजबूत हुई है, जो भुवनेश्वर कुमार के साथ नई गेंद संभालेंगे।

आज शाम 7.30 बजे से रजत और हार्दिक की टीम में टक्कर

टीमें इस प्रकार

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुः रजत पाटीदार (कप्तान), अभिनंदन सिंह, भुवनेश्वर कुमार, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, रसिख डार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, विराट कोहली, वेंकटेश अय्यर, मंगेश यादव, कनिष्क चौहान, विहान मल्होत्रा, विक्की ओस्तवाल, सात्विक देसवाल।

मुंबई इंडियंसः हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), दानिश मालेवार, रॉबिन मिंज (विकेटकीपर), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), शेरफेन रदरफोर्ड, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, अथर्व अंकोलेकर, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, मयंक रावत, नमन धीर, मिचेल सेंटनर, शार्दुल ठाकुर, तिलक वर्मा, अश्विनी कुमार, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, एएम गजनफर, मयंक मार्कंडेय, मोहम्मद इजहार, रघु शर्मा।

मैच का समय : रात 7:30 बजे

बीजेकेसी

ब्रिटेन ने ऑस्ट्रेलिया को दी मात, बनाई फाइनल में जगह

एजेंसी ▸▸ मेलबर्न

ब्रिटेन ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर बिली जीन किंग कप (बीजेकेसी) टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल्स में जगह बनाई। ब्रिटेन ने शुक्रवार को दोनों एकल मैच जीत कर 2-0 की बढ़त हासिल कर ली थी।

उसकी युगल जोड़ी हैरियट डार्ट और जोडी बुरेज ने ऑस्ट्रेलिया की स्टॉर्म हंटर और एलेन पेरेज को 6-3, 6-4 से हराकर अपनी टीम को 3-0 से अजेय बढ़त दिलाई। एकल मैचों में शुक्रवार को 17 वर्षीय मीका स्टोजसावल्जेविच ने तालिया गिब्सन को 7-6 (4), 7-5 से और डार्ट ने किम्बर्ली बिरेल को 4-6, 6-3, 6-3 से हराया था। ऑस्ट्रेलिया की 17 वर्षीय खिलाड़ी एमर्सन जोन्स ने केटी स्वान को 7-5, 6-3 से हराकर स्कोर 3-1 कर दिया। बिली जीन किंग कप महिलाओं की टीम प्रतियोगिता है। इसे पहले फेड कप के नाम से जाना जाता था। इसका फाइनल्स सितंबर में शेन्ज़ेन में खेला जाएगा।

अंकिता की हार, भारत की विश्व ग्रुप प्लेऑफ की उम्मीदें खत्म

अंकिता रैना की शनिवार को दक्षिण कोरिया की डेयोन बैक के हाथों सीधे सेटों में हार के साथ ही भारत की बिली जीन किंग कप (बीजेकेसी) टेनिस टूर्नामेंट के विश्व ग्रुप के प्लेऑफ में जगह बनाने की उम्मीदें खत्म हो गई।
भारतीय टीम दिन की शुरुआत में तालिका में चौथे स्थान पर थी और उसे शीर्ष दो में जगह बनाने के लिए कोरिया पर 3-0 से जीत की जरुरत थी। कप्तान विशाल उप्पल ने इस महत्वपूर्ण मुकाबले की शुरुआत के लिए सबसे अनुभवी खिलाड़ी अंकिता को चुना, लेकिन डेयोन बैक ने यह मुकाबला जीत कर भारत की उम्मीद पर पानी फेर दिया। विश्व में 581वीं रैंकिंग की खिलाड़ी 33 वर्षीय अंकिता ने 343वीं रैंकिंग वाली कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ पहला सेट आसानी से गंवा दिया लेकिन दूसरे सेट में उन्होंने कड़ी चुनौती पेश की। आखिर में हालांकि उन्हें एक घंटे 55 मिनट तक चले मैच में 1-6, 5-7 से हार का सामना करना पड़ा। अंकिता ने इस टूर्नामेंट में इससे पहले कोई एकल मैच नहीं खेला था। वह केवल युगल में ही प्रतिस्पर्धा कर रही थीं। भारत अब शेष बचे दो मैच जीतने का प्रयास करेगा। इससे वह चौथे स्थान पर बने रहने की अपनी उम्मीद को बरकरार रखेगा।

आईकेआरः शीर्ष पर पहुंची 11 वर्षीय अतिका

लोनावाला। भारतीय रेसिंग की युवा सनसनी अतिका मीर एफआईए इंटरनेशनल कार्ट रैंकिंग (आईकेआर) में महिला वर्ग में अपनी श्रेणी में शीर्ष पर पहुंच गई हैं। अतिका मोटरस्पोर्ट की विश्व संस्था एफआईए की विश्व रैंकिंग में महिला रेसर में पहले स्थान पर हैं। यह 11 वर्षीय खिलाड़ी इंटरनेशनल ओके-एनजे वर्ग (12-14 वर्ष आयु वर्ग) में पुरुष और महिला दोनों वर्ग को मिलाकर कुल सातवें स्थान पर है। इस श्रेणी की रैंकिंग में स्विट्जरलैंड के जोल्टन कोइनी शीर्ष पर हैं। अतिका के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें 2026 की शुरुआत में मिनी वर्ग (8-12) से जूनियर वर्ग (12-14 वर्ष की आयु) में शामिल कर दिया गया था। वह पिछले महीने वार्लेसिया में चैंपियंस ऑफ द फ्यूचर एकेडमी (सीओटीएफए) सीरीज के पहले दौर में पोडियम पर पहुंची थी। अतिका का लक्ष्य फॉर्मूला वन में जगह बनाना है। किसी भी महिला रेसर ने 1992 के बाद फॉर्मूला वन में भाग नहीं लिया है।

दक्षिण एशियाई युवा टेबल टेनिस चैंपियनशिप

भारतीय खिलाड़ियों ने जीते 13 गोल्ड

एजेंसी ▸▸ शिमला

भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने शनिवार को दक्षिण एशियाई युवा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में अलग-अलग वर्ग में 13 स्वर्ण पदक जीतकर अपना क्षेत्रीय दबदबा साबित कर दिया। यह टूर्नामेंट एशियाई युवा चैंपियनशिप के लिए क्वालीफायर भी है। भारत के प्रियनुज भट्टाचार्य ने अंडर-19 लड़कों के एकल फाइनल में हमवतन पुनीत बिस्वास को 3-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। युगल में एमआर बालमुरुगन और मेहान सेंथिल ने पहले गेम में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए बांग्लादेश के अबुल हसीब और नफीज इकबाल को हराकर खिताब अपने नाम किया।

आदित्य दास का शानदार प्रदर्शन

अंडर-15 लड़कों के वर्ग में आदित्य दास ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में हमवतन खिलाड़ी अक्षय किरिकारा को हराया। युगल का खिताब भी भारत के ही पास रहा, जिसमें ऋषान चट्टोपाध्याय और आकाश राजवेलु ने नेपाल के खिलाफ पांच गेम तक चले कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। लड़कियों के वर्ग में जेनिफर वर्गीज ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए अंडर-19 फाइनल में हमवतन अनन्या मुरलीधरन को हराया जबकि अंकोलिका चक्रवर्ती ने आहोना रे को पछाड़कर अंडर-15 का खिताब जीता। भारत ने लड़कियों के युगल के दोनों वर्ग में भी क्लीन स्वीप किया। मिश्रित युगल में भी भारत का दबदबा रहा।

एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिपः डिफेंडिंग चैंपियन वितिदसर्न को हराया

आयुष ने किया 60 साल का सूखा खत्म, फाइनल में पहुंचे

एजेंसी ▸▸ निंगबो

भारत के आयुष शेट्टी ने शीर्ष वरीयता प्राप्त और गत चैंपियन कुन्लावत वितिदसर्न को शनिवार को तीन गेम के मुकाबले में हराकर बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश कर लिया।

दुनिया के 25वें नंबर के खिलाड़ी आयुष ने पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता और 2023 विश्व चैंपियन वितिदसर्न पर 10-21, 21-19, 21- 17 से जीत दर्ज की। वह दिनेश खन्ना के बाद इस टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बन गए। खन्ना ने 1965 में पुरुष एकल स्वर्ण जीता था। सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने 2023 में खिताब जीता था।

आक्रामक शैली से कुन्लावत पर बनाया दबाव

अमेरिकी ओपन सुपर 300 चैंपियन आयुष का सामना अब चीनी ताइपै के चौथी वरीयता प्राप्त चोउ तियेन चेन या दूसरी वरीयता प्राप्त चीन के शि यू की से होगा। भारत के पूर्व मुख्य कोच और 'सेंटर फॉर बैडमिंटन एक्सीलेंस' के निदेशक विमल कुमार ने बताया, 'आयुष ने स्थिति को अच्छी तरह से संभाला। ऐसा लगा कि उन्होंने अपनी आक्रामक शैली से कुन्लावत के दिमाग पर दबाव बना दिया और इसका चतुराई से फायदा उठाया।'उन्होंने कहा, 'दूसरा गेम जीतना बहुत अहम था। 20-14 के स्कोर पर आयुष शेट्टी पूरी तरह से नियंत्रण में लग रहे थे, लेकिन जब वितिदसर्न ने वापसी करते हुए स्कोर 20-19 कर दिया तो वह थोड़े चिंतित हो गए। ठीक उसी समय उन्होंने कुछ विशेष किया, जिससे वह गेम अपने नाम करने में कामयाब रहे।

बैकहैंड पर फ्लिक से आयुष ने बनाए छह अंक

वितिदसर्न ने शुरुआत में 4-0 की बढ़त बना ली। ब्रेक के समय स्कोर 11-5 था और पहला गेम उन्होंने आसानी से जीत लिया। दूसरे गेम में आयुष ने दमदार वापसी की और कूदकर स्मैश लगाते हुए 3-1 की बढ़त बनाई। यह जल्दी ही 7-1 की हो गई चूंकि वितिदसर्न ने कई सहज गलतियां की। ब्रेक के समय स्कोर 11-4 था। आयुष ने बीच में कुछ गलतियां की, जिससे वितिदसर्न ने 13-11 से वापसी की लेकिन जल्दी ही क्रॉसकोर्ट स्मैश से वापसी करते हुए स्कोर 16-11 कर लिया। बैकहैंड पर फ्लिक से आयुष ने छह अंक बनाए और दूसरा गेम अपने नाम किया। तीसरे गेम में उन्होंने 4-1 से शुरुआत की और वितिदसर्न को दबाव में ला दिया। उनकी बढ़त 17-10 की हो गई और आक्रामक स्ट्रोक्स से वह 19-13 से आगे हो गए।

नगर विकास के क्रम में
10 करोड़ रुपये से भी अधिक
राशि के विभिन्न विकास कार्यों का
लोकार्पण एवं
भूमिपूजन
दिनांक : 12 अप्रैल 2026 | समय : सुबह 11 बजे से...
स्थान : पुरूषोत्तम नगर, थानखम्हरिया (छ.ग.)
इस शुभ अवसर पर
छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम
रंग झरोखा
में आप सादर आमंत्रित हैं...
दुष्यंत हरमुख कृत
रंग झरोखा
मुख्य स्वरः रिंकी देवांगन
पार्षदगण :
अनिता चंदन अग्रवाल
अध्यक्ष -नगर पंचायत, थानखम्हरिया
चंदन अग्रवाल
पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष-राइस मिल एसोसिएशन छत्तीसगढ़
युवा समाजसेवी एवं भाजपा कार्यकर्ता
बसंत अग्रवाल
युवा समाजसेवी एवं भाजपा कार्यकर्ता
विनीत : समस्त भाजपा कार्यकर्ता, थानखम्हरिया, जिला - बेमेतरा

मशहूर चित्रकार हुआ मालामाल, 130 साल पुरानी पेंटिंग 167.20 करोड़ में बिकी

नई दिल्ली। मशहूर भारतीय चित्रकार राजा रवि वर्मा की एक 130 साल से ज्यादा पुरानी पेंटिंग ने नीलामी में नया इतिहास बना दिया है। इस पेंटिंग को 167.20 करोड़ रुपये में बेचा गया, जो अब तक किसी भी भारतीय कलाकृति के लिए सबसे ज्यादा कीमत है। यह पेंटिंग 1890 के दशक में बनाई गई थी, जब राजा रवि वर्मा अपने करियर के शिखर पर थे। इस खास पेंटिंग का नाम 'यशोदा और कृष्ण' हैं, जिसे केसर कला द्वारा आयोजित लाइव नीलामी में बेचा गया। यह नीलामी 1 अप्रैल को मुंबई में हुई और करीब 7 मिनट तक बोली लगी। इससे पहले सबसे महंगी भारतीय पेंटिंग का रिकॉर्ड एम. एफ. हुसैन की पेंटिंग के नाम था, जो मार्च 2025 में 118 करोड़ रुपये में बिकी थी।

इस पेंटिंग में भगवान कृष्ण के बालरूप को उनकी मां यशोदा के साथ दिखाया गया है। इसमें यशोदा गाय का दूध निकाल रही हैं और छोटा कृष्ण उनके पास दूध के लिए खड़ा है। यह एक ऑयल पेंटिंग है, जिसे बहुत ही यथार्थवादी शैली में बनाया गया है। इसमें "कियारोस्कूरो" तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जिसमें रोशनी और अंधेरे के बीच गहरा अंतर दिखाया जाता है।

सोना-चांदी, हीरे-मोती, जवाहरात से भरे भारतीय जहाज को लूटा था समुद्री लुटेरों ने

लिस्बन। दुनियाभर में बीते एक महीने से समुद्री परिवहन काफी ज्यादा चर्चा में रहा है। इसकी वजह ईरान में युद्ध और होर्मुज स्ट्रेट जैसे अहम समुद्री रूट से जहाजों की आवाजाही का बाधित होना है। समुद्र के रास्ते से माल ढुलाई और जहाजों पर हमलों का इतिहास सैकड़ों वर्ष पुराना है। ऐसी कई कहानियां हैं, जब खजाने से भरे जहाज डूब गए या फिर उसे समुद्री लुटेरों ने लूट लिया। ऐसा ही एक किस्सा 'नोसा सेन्होरा दो काबो' नाम के जहाज का है, जो भारत से खजाना लेकर निकला लेकिन कभी अपनी मंजिल पर नहीं पहुंच सका।

अफ्रीका के दक्षिणी तट पर मिला मलबा

स्मिथसोनियन मैगजीन के मुताबिक, कई वर्षों की रिसर्च के बाद बीते साल, 2025 में पुरातत्वविदों ने एक ऐसे जहाज के अवशेष समुद्र में खोज निकाले, जिस पर 300 साल से भी पहले समुद्री लुटेरों ने हमला किया था। यह जहाज एक पुर्तगाली युद्धपोत था, जिसका नाम 'नोसा सेन्होरा डो काबो' था। इसके मलबे को अफ्रीका के दक्षिण-पूर्वी तट पर स्थित द्वीपीय देश मेडागास्कर के पास खोजा गया।

300 साल बाद मिले मलबे ने खोले राज

जहाज में मिलियन डॉलर का खजाना

नोसा सेन्होरा डो काबो का अर्थ केप की हमारी देवी है। इसका मलबा मेडागास्कर के पूर्वी तट पर स्थित एक छोटे से द्वीप नोसी बोराहा के पास समुद्र तल पर पड़ा है। इनमें सोने और चांदी की ईंटें, शाही कपड़े, कीमती रत्न और धार्मिक कलाकृतियां लदी हुई थीं। पुरातत्वविदों का अनुमान है कि आज के समय में इस खजाने की कीमत 138 मिलियन डॉलर होती। ब्राउन यूनिवर्सिटी के पुरातत्वविद मार्क एगोस्टिनी ने इसकी पुष्टि की है।

जहाज ने 1721 में शुरू की थी यात्रा : सेंटर फॉर हिस्टोरिक शिपव्रेक प्रिजर्वेशन के शोधकर्ताओं ने ऐतिहासिक दस्तावेजों, जहाज के ढांचे की बनावट और आस-पास मिली चीजों का विश्लेषण करके इसकी पहचान की है। नोसा सेन्होरा डो काबो ने 1721 की शुरुआत में गोवा से लिस्बन के लिए अपनी दुर्भाग्यपूर्ण और आखिरी यात्रा शुरू की थी।

आइल सेंट मैरी लुटेरों का पसंदीदा अड्डा रहा

शोधकर्ताओं का कहना है कि यह घटना समुद्री डकैती के उस युग की सबसे नाटकीय घटनाओं में थी। 18वीं सदी की शुरुआत में आइल सेंट-मैरी (अब नोसी बोराहा) यूरोपीय समुद्री लुटेरों का पसंदीदा अड्डा था। समुद्री लुटेरों ने जहाज को लूटा और सबूत मिटाने के लिए जहाज को डुबो दिया। वायसराय को 2,000 डॉलर की फिरौती देकर छुड़ाया गया लेकिन बाकी लोगों का क्या हुआ, इसका आज तक पता नहीं है।

सारा खजाना नहीं निकाल सके लुटेरे

समुद्री लुटेरे 'नोसा सेन्होरा डो काबो' पर हमला करते हुए उसे आसानी से अपने अड्डे पर ले जाने में कामयाब रहे। उन्होंने जहाज में कई दिनों तक लूटपाट मचाई लेकिन इसके बावजूद वह जहाज का सारा खजाना नहीं निकाल पाए। इस बात का पता जहाज के मलबे के अध्ययन से चला है क्योंकि मलबे से काफी कीमती सामान मिला है।

मलबे से मिलीं 3,300 से ज्यादा चीजें

शोधकर्ताओं ने जहाज के मलबे से 3,300 से ज्यादा चीजें बरामद की हैं। इनमें सोने के सिक्के, चीनी मिट्टी के टुकड़े और धार्मिक मूर्तियां शामिल हैं। एक हाथीदांत की पट्टी भी शोधकर्ताओं को मिली है। इस पट्टी पर सोने के अक्षरों में आईएनआरआई लिखा है। यह लैटिन वाक्यांश का संक्षिप्त रूप है, जिसका अर्थ 'नाजरेथ के यीशु, यहूदियों के राजा' है।

समुद्र में अभी भी छिपा है खजाना

लाइव साइंस का अनुमान है कि शोधकतर्ता जहाज के मलबे से सभी चीजें बरामद नहीं कर पाए हैं क्योंकि यह रेत और गाद से ढका हुआ है। एक्सपर्ट कहना है कि जहाज के मलबे में और भी खजाना हो सकता है। विशेषज्ञों ने यह भी पाया है कि इस इलाके में कम से कम चार और जहाजों के मलबे हैं जिन्हें समुद्री लुटेरों ने लूटा था।

ऐसी गाय जिसके प्रति लीटर यूरिन से निकलता है 3 से 10 मिलीग्राम गोल्ड

ज्यादातर लोगों का मानना है कि सोना खदानों के अलावा और कहीं नहीं मिलता। अगर इस लिस्ट में आप भी शामिल हैं, तो अपना जनरल नॉलेज दुरुस्त कर लीजिए क्योंकि, सोना खदानों के अलावा ऐसी-ऐसी जगहों पर भी मिलता है; जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते। इंसान के शरीर में सोना मिलता है। सोने का सबसे बड़ा भंडार समुद्र में है। वहां 10 अरब टन सोना छुपा है। इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेस में इसे गुड कंडक्टर के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। पेड़-पौधों में सोना मिलता है। एक ऐसा कीड़ा है, जो सोना उगलता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि एक नस्ल की गाय के यूरिन में सोना बनता है।

जूनागढ़ एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों को करीब 4 साल के रिसर्च के बाद गिर की गायों के यूरिन में सोने के कण मिले हैं। जेएयू की एक रिसर्च में सामने आया है कि गिर की गायों के प्रति लीटर यूरिन में 3 से 10 मिली ग्राम सोने की मात्रा पाई जाती है। यूरिन में ये सोना धातु आयन यानी गोल्ड सॉल्ट के रूप में पाया गया है। ये सोना घुलनशील होता है।

होंडा अधिकृत विक्रेता : रायपुर : ए सिटी होंडा - 9785823333, ग्रैंड होंडा - 0771-4033794, वरूण होंडा - 0771-4005901, जी.के. होंडा - 8058254444, आरंग: वी श्री होंडा - 9893728947, भिलाई: आन होंडा (पॉवर हाऊस): 0788-4013336, 9584378238, जुनवानी रोड (फरीद नगर मैदान के सामने) - 6269092899, नंदिनी रोड (बैंक ऑफ बडौदा के पास) - 6269090005, हाऊसिंग बोर्ड (एकता चौक) 6269090006, कोहका (रूंगटा रोड) 6269090004, नेहरू नगर (नेहरू नगर चौक) 8518020999, दुर्ग: श्री सांईराम होंडा (स्टेशन रोड) - 0788-4017246, 8458882333, रिसाली (कृष्णा टाकीज रोड) - 0788-4067690, 8823050333, बोरसी (एसबीआई बैंक के पास) - 0788-4058968, 8823050444, राजनांदगांव: अंशदीप होंडा - 07744-223100, मनराज होंडा - 07744-223333, महासमुंद: श्री आर्यन होंडा - 9425204997, दल्लीराजहरा: श्री शुभ होंडा - 7587764225, 9406082344, बालोद (गंजपारा)- 9425564232, बलौदा बाजार: किरण होंडा - 7049518181, कवर्धा: प्रथा होंडा- 7400550099, बेमेतरा : श्री रामा होंडा - 7824222521, धमतरी: श्री श्याम होंडा- 07722-233255, जगदलपुर: वाहेगुरू होंडा - 8435090001, कोंडागांव: दंतेश्वरी होंडा- 8517909999, कांकेर : शिवनाथ होंडा - 9644059600, 8720008800, 7970005301 For Bulk / Institutional enquiries, please write us at : institutionalsales@honda2wheelersindia.com Embassy

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com